E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -113 | प्रयागराज, शुक्रवार 11 जुलाई,2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प ने अब ब्राजील पर 50फीसदी टैरिफ लगाया,कहा- वहां फ्री इलेक्शन पर हमला हो रहा पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो पर तुरंत मुकदमा खत्म करो

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को ब्राजील से आयात होने वाले सामानों पर 50फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इसे लेकर उन्होंने ट्रुथ सोशल पर एक लेटर शेयर किया। इसमें उन्होंने ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति और अपने दोस्त जायर बोल्सोनारो के खिलाफ चल रहे मुकदमे की निंदा की। ट्रम्प ने कहा कि बोल्सोनारो के खिलाफ चल रहा मुकदमा ब्राजील के लिए एक 'अंतरराष्ट्रीय शर्मिंदगी' है, यह एक तरह 'विच हंट' (बिना किसी ठोस सबूत के आरोप लगाना) है। बोल्सोनारो पर 8 जनवरी 2023 को ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में हुए दंगों के लिए कथित रूप से तख्तापलट की कोशिश का आरोप है।ट्रम्प ने कहा- ब्राजील में फ्री इलेक्शन पर हमला हो रहा है और अमेरिकी लोगों की अभिव्यक्ति की आजादी को कंट्रोल किया जा रहा है। इस वजह से 1 अगस्त 2025 से ब्राजील से अमेरिका आने वाले सभी उत्पादों पर 50% टैरिफ लगाया जाएगा।' ट्रम्प ने लिखा- ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो एक सम्मानित नेता थे। उनके साथ जो व्यवहार किया, वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मनाक है। यह मुकदमा तुरंत खत्म होना चाहिए।' उन्होंने ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट की तरफ से बोल्सोनारो को अगले चुनाव में भाग लेने से रोकने और ट्रम्प के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल और रंबल पर सेंसरशिप आदेशों का भी जिक्र किया।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को 1 अगस्त से 7 और देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की। इन देशों में फिलीपींस, ब्रुनेई, अल्जीरिया, मोल्दोवा, इराक और लीबिया का नाम शामिल है। ट्रम्प ने इन देशों के नेताओं को भेजे गए ऑफिशियल लेटर में टैरिफ की डिटेल शेयर की। अल्जीरिया, इराक, लीबिया और श्रीलंका पर 30फीसदी टैरिफ लगाया गया। वहीं, ब्रुनेई, मोल्दोवा पर 25-25फीसदी और फिलीपींस पर 20फीसदी टैक्स लगाया। ट्रम्प की यह घोषणा दक्षिण कोरिया और जापान सहित 14 देशों पर टैरिफ की घोषणा के एक दिन बाद की गई है। ट्रम्प ने सोमवार को बांग्लादेश-जापान समेत 14 देशों पर टैरिफ बढ़ाने का ऐलान किया था। ट्रम्प प्रशासन ने सोमवार को सभी प्रभावित देशों को औपचारिक रूप से लेटर भेजकर इस निर्णय की जानकारी दी। इस फैसले के तहत कुछ देशों पर 25फीसदी टैक्स लगाया गया, जबकि कुछ पर 30फीसदी से 40फीसदी तक का भारी शुल्क लगाया गया। दक्षिण कोरिया और जापान के नेताओं को ट्रम्प ने सबसे पहले लेटर भेजा और कहा कि उनके देश से आने वाले सामान पर अब 25फीसदी शुल्क लगेगा। उन्होंने लिखा कि ये टैक्स इसलिए जरूरी हैं, ताकि अमेरिका और इन देशों के बीच व्यापार में जो असंतुलन है, उसे सुधारा जा सके। ये टैरिफ 1 अगस्त से लागू होंगे। इसके साथ ही ट्रम्प ने 1 अगस्त से ग्लोबल टैरिफ लगाने की घोषणा की। पहले ट्रम्प 9 जुलाई को इसका ऐलान करने वाले थे।ट्रम्प

ने कल पिछली सरकारों पर तंज करते हुए कहा था कि उनकी वजह से अमेरिका को नुकसान हुआ। ट्रम्प ने कहा, मेरे पहले टर्म में सैकड़ों अरब डॉलर के टैरिफ जमा हुए। तब कोई महंगाई नहीं थी, वह देश का सबसे सफल आर्थिक समय था। मुझे लगता है कि इस बार और बेहतर होगा। हमने अभी शुरू भी नहीं किया और 100 अरब डॉलर से ज्यादा का टैरिफ जमा हो चुके हैं। कुछ देश निष्पक्ष व्यापार चाहते हैं, कुछ बिगड़ गए हैं। सालों से उन्होंने अमेरिका का फायदा उठाया है।अगर अमेरिका के पास पिछली बार जैसा मूर्ख राष्ट्रपति होता, तो आपका स्टैंडर्ड गिर जाता, यहां डॉलर नहीं होता। यह एक वर्ल्ड वॉर हारने जैसा होगा। मैं ऐसा नहीं होने दे सकता।' ट्रम्प ने कल भारत के साथ व्यापार समझौते की बात भी की। यह समझौता इस महीने ही या ट्रम्प की भारत यात्रा के दौरान हो सकता है। इस समझौते के तहत दोनों देश 2030 तक आपसी ट्रेड को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाना चाहते हैं।इसमें खेती और डेयरी जैसे सेक्टर शामिल नहीं होंगे। अमेरिका अपने कृषि उत्पादों, मेडिकल इक्विपमेंट और इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स पर कम टैरिफ चाहता है, जबकि भारत टेक्सटाइल एक्सपोर्ट के लिए बेहतर मौके चाहता है।

एक-एक करके सबकी बारी आएगी,बिहार में पप्पू यादव और कन्हैया के 'अपमान' पर संजय निरुपम

मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना के नेता संजय निरुपम ने बिहार बंद के

कार्यक्रम पप्पू यादव और कन्हैया कुमार को जगह नहीं मिलने पर कटाक्ष किया है। निरुपम ने आरोप लगाया है कि ऐसा आरजेडी के दबाव में किया गया। दोनों नेताओं को राहुल गांधी के मंच और वैन में जगह नहीं मिल पाई थी। मुंबईः केंद्रीय श्रमिक संगठनों ने बुधवार को देशव्यापी हड़ताल के दौरान बिहार में इंडिया गठबंधन की तरफ से चक्का जाम किया गया। इस दौरान तेजस्वी यादव और राहुल गांधी पहली बार सड़क पर उतरे लेकिन उनकी वैन में कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार और पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव को जगह नहीं मिलने को शिवसेना नेता संजय निरुपम ने अपमान से जोड़ा है। मूलरूप से बिहार के रहने वाले संजय निरुपम एक्स पर लिखा कि आरजेडी के दबाव में कांग्रेस ने आज पप्पू यादव और कन्हैया कुमार की इज्जत सरेआम उतरवा दी। बिहार में इसी साल के अंत में चुनाव हैं। संभावना जताई जा रही है कि जब बिहार में विधानसभा चुनाव चल रहे होंगे। उसी वक्त पर महाराष्ट्र के स्थानीय चुनावों का बिगुल बज सकता है।बिहार बंद के कार्यक्रम में पप्पू यादव और कन्हैया कुमार के सिक्योरिटी द्वारा मना किए जाने के मुद्दे पर निरुपम ने जोरदार निशाना साधते हुए अपना दर्द बयां किया है। निरुपम ने लिखा है कि यह सब आरजेडी के दबाव में हुआ। कांग्रेस ने आज पप्पू यादव और कन्हैया कुमार की इज़्ज़त सरेआम उतरवा दी। बिल्कुल उसी तरह जैसे उबाठा के दबाव में कांग्रेस के केंद्रीय नेताओं ने पिछले साल मुझे प्रताड़ित किया था। यह है कांग्रेस का लाचार चेहरा। सहयोगी दलों के आगे पूरी पार्टी सरेंडर हो गई है। क्योंकि अधिकांश राज्यों में इसकी अपनी राजनीतिक ज़मीन समाप्त प्राय है। इसलिए अपने नेताओं को ज़लील करना कांग्रेस की नई परंपरा बन गई है। एक-एक करके सबकी बारी आएगी।पूर्णिया से पप्पू यादव निर्दलीय विजयी हुए थे। इंडिया गठबंधन से उन्हें टिकट नहीं मिला था। इसके बाद भी उन्होंने कांग्रेस को अपना समर्थन दिया था। निरुपम ने बिहार बंद के दौरा हुए वकाये को हवा देकर नमक रगड़ दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कन्हैया कुमार जैसे ही रथ पर चढ़ने लगे, मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें तुरंत नीचे उतार दिया और रथ पर चढ़ने की अनुमति नहीं दी।

पटना में महागठबंधन के प्रदर्शन के दौरान पप्पू यादव के साथ भी ऐसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि उन्हें भी मंच पर जगह नहीं मिली। चढ़ने से रोक दिया गया। निरुपम ने पप्पू यादव और कन्हैया कुमार साथ हुई वाकये को मुद्दा बनाकर ऐसे वक्त पर कांग्रेस पर हमला बोला है जब महाराष्ट्र हिंदी-मराठी भाषा विवाद छाया हुआ है, इस मुद्दे पर निरुपम मुंबई और महाराष्ट्र में राज ठाकरे की मनसे को घेर रहे हैं। संजय निरुपम की मुंबई में एक बड़े उत्तर भारतीय नेता की छवि है।

दिल्ली-एनसीआर में भूकंप,हल्के झटके उ.प्र तक महसूस किये गए,रिक्टर स्केल पर 4.4 तीव्रता

नयी दिल्ली। दिल्ली में गुरुवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र हरियाणा के झज्जर में था। यहां रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.4 थी। इसकी वजह से दिल्ली और एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस किए गए। किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। हरियाणा के जींद और बहादुरगढ़ के अलावा पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के इलाकों में भी 10 सेकेंड तक झटके आए। बीते छह महीने में दिल्ली और एनसीआर में तीसरी बार भूकंप आया है। इससे पहले 19 अप्रैल और 17 फरवरी को भी भूकंप आया था। अफगानिस्तान में 19 अप्रैल की दोपहर 12:17 बजे रिक्टर स्केल पर 5.8 तीव्रता का भूकंप आया था। इसका असर जम्मू-कश्मीर और दिल्ली-एनसीआर तक महसूस किया गया था। जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ था। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप का असर जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में भी महसूस किया गया। श्रीनगर में एक व्यक्ति ने बताया- मैं दफ्तर में था, तभी मेरी कुर्सी हिली। कुछ इलाकों से लोगों को घरों और ऑफिस से बाहर भागते देखा गया।दिल्ली-एनसीआर में 17 फरवरी की सुबह करीब 5:36 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। ढाई घंटे बाद सुबह 8 बजे बिहार के सिवान में भी भूकंप आया। दोनों जगह रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4 मापी गई।भूकंप का केंद्र नई दिल्ली था, जबकि गहराई पांच किमी थी। भूकंप के तेज झटकों से लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, किसी भी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं आई। भूकप को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर लोगों से शांत रहने की अपील की थी। एक अधिकारी ने न्यूज एजेंसी झ्ऊघ्‌ को बताया कि इस इलाके में हर दो से

तीन साल में हल्के झटके महसूस किए जाते हैं। इससे पहले 2015 में यहां 3.3 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। भूकंप के साथ एक तेज आवाज भी सुनाई दी, जिससे कई लोग डर गए। भूकंप क्यों आता है? हमारी धरती की सतह मुख्य तौर पर 7 बड़ी और कई छोटी-छोटी टेक्टोनिक प्लेट्स से मिलकर बनी है। ये प्लेट्स लगातार तैरती रहती हैं और कई बार आपस में टकरा जाती हैं। टकराने से कई बार प्लेट्स के कोने मुड़ जाते हैं और ज?यादा दबाव पड़ने पर ये प?लेट्स टूटने लगती हैं। ऐसे में नीचे से निकली ऊर्जा बाहर की ओर निकलने का रास?ता खोजती है और इस डिस?टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

यूपी के तीन विधायक राकेश, अभय सिंह और मनोज पांडेय विधानसभा में असंबद्ध घोषित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति से एक बड़ी खबर सामने आई है. आपको बता दें कि समाजवादी निभाई थी. अब ये तीनों विधायक सदन में किसी भी राजनीतिक दल से जुड़े हुए नहीं माने जाएंगे. ध्यान रहे, अभी मनोज पांडेय ने पार्टी के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए भाजपा उम्मीदवार संजय सेठ के पक्ष में वोट डाला. इसके

पार्टी के तीन प्रमुख विधायक राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह और मनोज पांडेय को विधानसभा में असंबद्ध घोषित कर दिया गया है. यह कार्रवाई इसलिए हुई क्योंकि इन सभी विधायकों ने पिछले साल हुए राज्यसभा चुनाव के दौरान अपनी पार्टी के खिलाफ जाकर क्रॉस वोटिंग की और भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ की जीत में अहम भूमिका कुछ दिन पहले ही सपा ने अपने इन तीनों विधायकों को पार्टी से निकाल दिया था.पूरा मामला- यह पूरा मामला पिछले साल हुए राज्यसभा चुनाव से जुड़ा है. समाजवादी पार्टी ने अपने विधायकों को पार्टी लाइन के अनुसार मतदान करने का निर्देश दिया था. मगर, राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह और चलते भाजपा उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित हुई थी. इस क्रॉस वोटिंग के बाद से ही इन विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की अटकलें लगाई जा रही थीं.समाजवादी पार्टी ने इन विधायकों के इस कृत्य को पार्टी विरोधी गतिविधि माना और विधानसभा अध्यक्ष से इनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

लोहिया ने रामायण मेला शुरू किया, उनके चेले राम को नहीं मानते- सीएम योगी

गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर में रामकथा के समापन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो राम को नहीं मानते हैं उनकी दुर्गति तय है। समाजवादी पार्टी रामभक्तों पर गोली चलवाती है।यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर जमकर हमला बोला। गुरुवार को गोरखनाथ मंदिर में रामकथा समापन समारोह में योगी ने कहा कि लोहिया के चेले राम को नहीं मानते। जो राम का विरोधी है उसकी दुर्गति होगी। राममनोहर लोहिया ने रामायण मेला शुरू किया था पर आज की समाजवादी पार्टी राम भक्तों पर गोली चलवाती है। भारत का एक ही धर्म है सनातन धर्म। हमें नदियों को बचाना है क्योंकि नदियां सभ्यता के विकास में महत्वपूर्ण हैं।

मिशन 2027 में जुटे केशव मौर्य, चाणक्य अमित शाह के बाद अब राजनाथ सिंह से मुलाकात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 के लिए अब असली शतरंज बिछनी शुरू हो गई है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही पूरी ताकत से मैदान में उतरने की तैयारी में जुट चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) जहां 2017 जैसी ऐतिहासिक जीत को दोहराने और सत्ता की हैट्रिक लगाने की रणनीति पर काम कर रही है, वहीं समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) कार्ड ने मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया है। बीजेपी के अंदर अब बैठकों और मंथनों का दौर शुरू हो गया है। खासतौर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की बीते दो दिनों में दो दिग्गज केंद्रीय नेताओं से मुलाकात को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं गर्म हैं।

वकीलों ने निकाला पैदल मार्च, मांगी सुरक्षा,सैकड़ों की संख्या में सड़क पर उतरे, डीएम को सौपा ज्ञापन

प्रयागराज। प्रयागराज में अधिवक्ताओं ने अपनी सुरक्षा के लिए कानून की मांग को लेकर अधिवक्ता जितेंद्र तिवारी ने कहा कि वकील दूसरों को न्याय दिलाते हैं। लेकिन आज उन्हें खुद की सुरक्षा

गुरुवार को जोरदार प्रदर्शन किया। अधिवक्ता विचार मंच के बैनर तले हजारों वकील बार काउंसिल कार्यालय से जिलाधिकारी कार्यालय तक पैदल मार्च में शामिल हुए। यात्रा प्रमुख देवधर तिवारी ने कहा कि वे लंबे समय से अधिवक्ता सुरक्षा कानून की मांग कर रहे हैं। उन्होंने जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव किया। तिवारी ने कहा कि जरूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री कार्यालय का भी घेराव करेंगे। के लिए सड़कों पर उतरना पड़ा है। उन्होंने योगी सरकार से मांगों पर विचार करने की अपील की। कार्यक्रम में रघुनाथ द्विवेदी, ओम प्रकाश द्विवेदी, निशांत रस्तोगी, चंद्रिका पांडेय सहित कई प्रमुख अधिवक्ता मौजूद थे। वकीलों ने चेतावनी दी है कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा।

नंदी- चपरासी के बेटे से मंत्री तक का सफर,प्रयागराज में संघर्षों में बीता बचपन, कभी पटाखा बेचे, आज है करोड़ों का टर्नओवर

प्रयागराज। डाकघर में चपरासी की नौकरी करने वाले सुरेश चंद्र के बेटे ने मंत्री बनने

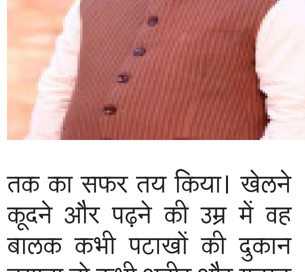

तक का सफर तय किया। खेलने कूदने और पढ़ने की उम्र में वह बालक कभी पटाखों की दुकान लगाता तो कभी अबीर और गुलाल बेचता। पूरा बचपन संघर्षों के बीच बीता। दिन रात खूब मेहनत की और चपरासी के बेटे से शुरू हुए संघर्ष को राजयोग में बदल दिया। प्रदेश सरकार में मंत्री बनने तक का सफर पूरा हुआ। हम बात कर रहे हैं प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी की। दरअसल, इन दिनों प्रयागराज में चारों तरफ कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के पोस्टर और बैनर ही दिख रहे हैं। यह कोई चुनावी जनसभा या रैली के होर्डिंग नहीं बल्कि नंदी के पुनर्जन्मोत्सव के आयोजन को लेकर लगाई गई हैं। 12 जुलाई को शहर दक्षिणी के बहादुरगंज स्थित मनो कामनापूर्ति मंदिर में नंदी के पुनर्जन्मोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। दरअसल, नंदी अपना जन्मदिन नहीं मनाते हैं बल्कि हर साल 12 जुलाई को ही पुनर्जन्मोत्सव करते हैं।नंदी का बचपन बहुत ही गरीबी और संघर्षों के बीच बीता है। लेकिन वह आगे कभी पीछे मुड़कर देखने के बजाय आगे ही बढ़ते गए। इसका परिणाम यह हुआ है कि वह तीन बार के मंत्री हैं। पत्नी अभिलाषा नंदी 2 बार यहां की मेयर रहीं। बड़ा बिजनेस है, हजारों की संख्या में लोगों को नंदी के जरिए रोजगार मिला हुआ है।

गुरु पूर्णिमा पर शिष्यों ने गुरुजनों का लिया आशीर्वाद,बड़ी संख्या में प्रयागराज पहुंचे शिष्यों ने लिया गुरु मंत्र

प्रयागराज। कल गुरु पूर्णिमा थी। इस विशेष दिन संगमनगरी प्रयागराज के संत, महात्माओं के आश्रम में सुबह से गुरु पूजन शुरू हुआ। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती महराज के अलोपीबाग स्थित आश्रम में भव्य आयोजन किया गया, जहां बड़ी संख्या में देश के कोने- कोने से बड़ी संख्या में शिष्यों ने गुरु मंत्र लिया। गुरु पूर्णिमा महोत्सव के बाद विशाल भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।इसी तरह श्रीबाघम्बरी मठ, अल्लापुर में महंत बलवीर गिरी के नेतृत्व में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। अखाड़ा परिषद के ब्रह्मलीन अध्यक्ष स्वामी नरेंद्र गिरी के पूजन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, बाद में शिष्यगण महंत बलबीर गिरी का पूजन और गुरुमंत्र (दीक्षा) लिया।श्रृंगवेरपुर धाम के जगद्गुरु नारायणाचार्य स्वामी शांडिल्य महराज के आश्रम श्रृंगवेरपुर में विशाल गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन सुबह पांच बजे से किया गया, जहां पर बड़ी संख्या में शिष्यगण परिवार सहित गुरु पूर्णिमा महोत्सव के कार्यक्रम में शामिल हुए। पांच दर्जन से ज्यादा शिष्यों ने गुरु दीक्षा ली। प्रयागराज में सबसे विशाल अन्नक्षेत्र चलाने वाली संस्था लाल महेंद्र शिव शक्ति समिति ओम नमः शिवाय प्रयागराज की ओर से ईसीसी के पीछे गऊघाट आश्रम में विशाल रूद्र महायज्ञ गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर सुबह बजे से शुरू होकर दोपहर तक चला। अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री पीठाधीश्वर स्वामी रामाश्रम महराज ने बताया कि गढवा, नवाबगंज स्थित आश्रम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया। इसी तरह परमहंस स्वामी प्रभाकर महराज की ओर से गुरु पूर्णिमा महोत्सव कार्यक्रम सिद्ध विनायक गेस्ट हाउस दूबे तालाब नैनी एफसीआई गोदाम के पास नियर सेमस्टार स्कूल के सामने गली में हुआ। स्वामी प्रभाकर महराज ने बताया कि महारुद्राभिषेक सुबह आठ बजे से शुरू हुआ है।

गुरु पूर्णिमा पर उमड़ी भक्तों की भीड़,संगम स्नान के बाद बंधवा के लेटे हनुमान के दर्शन किए

प्रयागराज। गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व गुरुओं के प्रति श्रद्धा, सम्मान और समर्पण का प्रतीक

माना जाता है। यह दिन व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है और महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में मनाया जाता है। हिन्दू धर्म में गुरु को ईश्वर के समकक्ष माना गया है, और यही कारण है कि यह पर्व विशेष आध्यात्मिक महत्व रखता है। प्रयागराज में इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम तट पर स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में डुबकी लगाने से न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक और आत्मिक शुद्धि का भी अनुभव होता है। श्रद्धालुओं का मानना है कि गुरु पूर्णिमा के दिन संगम में स्नान करने से जीवन की नकारात्मकता दूर होती है और मन में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है। संगम स्नान के बाद बड़ी संख्या में भक्त बंधवा स्थित 'बड़े हनुमान जी' के मंदिर पहुंचे। यह मंदिर हनुमान जी की लेटी हुई मुद्रा के लिए प्रसिद्ध है और देश का एकमात्र ऐसा स्थान है जहां हनुमान जी इस रूप में विराजमान हैं। गुरु पूर्णिमा के दिन यहां दर्शन का विशेष महत्व है, क्योंकि हनुमान जी को कई भक्त गुरु के रूप में पूजते हैं। तुलसीदास जी ने भी उन्हें अपना गुरु माना था। बंधवा पर लेटे हनुमान जी के दर्शन से श्रद्धालुओं को मनोकामनाओं की पूर्ति, आत्मबल और भय से मुक्ति का आशीर्वाद मिलता है। भक्तों ने यहां पुष्प, नारियल और सिंदूर चढ़ाकर हनुमान जी से कृपा की कामना की। गुरु पूर्णिमा का यह पर्व प्रयागराज में श्रद्धा, भक्ति और आस्था का एक सजीव चित्र प्रस्तुत करता है, जहां संगम स्नान और लेटे हनुमान जी के दर्शन से भक्तों को दिव्यता और शांति की अनुभूति होती है। यह दिन गुरु तत्व की स्मृति और उसके मार्गदर्शन को आत्मसात करने का उत्तम अवसर होता है।

'मेरी बेटियां भी खेलती हैं पर तुमसे अच्छा नहीं'- टेनिस खिलाड़ी साशा कटियार को अखिलेश यादव ने दिया 1 लाख

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के

अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक टेनिस खिलाड़ी को अपने घर बुलाकर उसका सम्मान किया। कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की टेनिस प्रतियोगिता जीत चुकी साशा कटियार को अखिलेश शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। साथ ही एक लाख रुपए का चेक सौंपा। अखिलेश यादव ने साशा को विदेश में प्रतियोगिता होने पर सारा इंतजाम कराने का आश्वासन दिया।बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने साशा से पूछा कि क्या वह टूर्नामेंट खेलने के लिए विदेश जाती हैं। इस पर साशा ने बताया कि विदेश में खेलने के लिए पैसों का इंतजाम करने में दिक्कत आती है। इस पर सपा अध्यक्ष ने कहा कि अगली बार खेलने के लिए विदेश जाना तो बता देना। सारा इंतजाम वह करेंगे।साशा से मुलाकात के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि मेरी बेटियां भी टेनिस खेलने की शौकीन हैं लेकिन जितना अच्छा तुम खेलती हो, वो वैसा नहीं खेल पातीं। बेटियों से मिलने के लिए उन्होंने साशा को अपने घर आने का न्यौता भी दिया। गौरतलब है सासा कटियार कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुकी हैं। उनके पिता अनिल कटियार पत्रकार हैं।

'चश्मा हटाइए अखिलेशजी, टोपी मत पहनाइए',लखनऊ में सपा के जवाब में बीजेपी की होर्डिंग, लिखा था- बंद करो पाठशाला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को लेकर सियासत गर्म होती जा रही है। लखनऊ में

समाजवादी पार्टी के दफ्तर के बाहर सोमवार को लगी होर्डिंग ने जहां सरकारी स्कूलों के मर्जर पर सरकार को घेरा, वहीं उसके जवाब में मुख्यमंत्री आवास के पास लगी होर्डिंग अब चर्चा में आ गई है। इस होर्डिंग में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए लिखा गया- 'चश्मा हटाइए अखिलेशजी, टोपी मत पहनाइए।' इसके साथ ही योगी सरकार के आठ सालों की शिक्षा क्षेत्र की उपलब्धियों का विस्तार से जिक्र किया गया है।सोमवार सुबह सपा दफ्तर के बाहर सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव (जनपद अमेठी) की ओर से लगाई गई होर्डिंग लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई। होर्डिंग में लिखा था- 'ये कैसा रामराज्य? बंद करो पाठशाला, खोलो मधुशाला!' यह हमला सरकारी स्कूलों के मर्जर को लेकर था, जिसे विपक्ष गरीब बच्चों के शिक्षा अधिकार पर हमला बता रहा है।इस पोस्टर के जवाब में मुख्यमंत्री आवास के पास जो होर्डिंग लगाई गई उसमें 2017 के बाद शिक्षा में हुए सुधारों की झलक दी गई। होर्डिंग में लिखा है- 'ज्यों-ज्यों बढ़ते गए वर्ष, स्कूलों का होता गया उत्कर्ष'। नीचे योगी सरकार की 8 वर्षों की उपलब्धियों का ब्योरा दिया गया। 18 मंडलों में अटल आवासीय विद्यालय,57 जिलों में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय, गोरखपुर में पूर्वांचल का पहला सैनिक स्कूल,680 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का उच्चीकरण,39 नए हाईस्कूल और 14 इंटर कॉलेज का निर्माण, 25,784 स्कूलों में स्मार्ट क्लास, 5,568 आईसीटी लैब्स, 7 नए केंद्रीय विद्यालय प्रक्रियाधीन। 93 से बढ़कर 120 आश्रम पद्धति विद्यालय और सर्वोदय विद्यालयराज्य सरकार ने हाल ही में छात्र संख्या के आधार पर 5000 से अधिक प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के मर्जर का निर्णय लिया है। सरकार का तर्क है कि 'कम छात्र संख्या वाले स्कूलों को मर्ज कर संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जाएगा और बच्चों को बेहतर शिक्षा व सुविधाएं मिलेंगी।' लेकिन विपक्ष इसे शिक्षा पर हमला और सरकारी स्कूलों को धीरे-धीरे खत्म करने की साजिश बता रहा है।

हाईकोर्ट के चैंबर के नाम पर फर्जीवाड़ा ! जांच शुरू,वकीलों की शिकायत पर पुलिस एक्टिव

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में नवनिर्मित बहुमंजिला

अधिवक्ता चैंबर साइबर फ्रॉड करने वालों के निशाने पर आ गया है। चैंबर आवंटन के लिए फर्जी वेबसाइट तैयार कर ली गई है और वकीलों को लिंक भेजकर आवेदन करने को कहा जा रहा है। मामले की जानकारी होने पर एल्डर कमेटी ने वकीलों को सूचना भेजकर ऐसे फ्रॉड से सतर्क रहने और बचने की हिदायत दी है। दरअसल नवनिर्मित बहुमंजिला भवन के अधिवक्ता चैंबरों का आवंटन हाईकोर्ट प्रशासन द्वारा सीधे किया जाना है। इसके लिए जजों और वरिष्ठ अधिवक्ताओं की कमेटी भी बनी है। आवंटन प्रक्रिया पारदर्शी रखने के लिए तय किया गया है कि आवंटन ऑन लाइन करना होगा, जिसका लिंक हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा। यह साइट अभी चालू नहीं की गई है। हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट में दिए लिंक पर क्लिक करने पर कमिंग सून का मैसेज आ रहा है। इस बीच चैंबर आवंटन का एक लिंक कई वकीलों के मोबाइल पर आने लगा, जिससे वकीलों को लगा कि चैंबर आवंटन की ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू हो गई है। लिंक पर जाने के बाद वकील जैसे ही कंप्यूटर सीरियल नंबर डालते हैं, उनके बारे में निजी जानकारी नाम, मोबाइल नंबर आदि दिखने लगता है। इसकी जानकारी होने पर एल्डर कमेटी की ओर से मैसेज जारी कर वकीलों को फर्जी वेबसाइट के बारे में आगाह करते हुए बताया गया कि वे किसी धोखे का शिकार होने से बचें। हाईकोर्ट ने ऐसा कोई भी लिंक जारी नहीं किया है।

क्रिकेटर यश दयाल बोले-अपने ही पैसे मांगने पर युवती फंसा रही,युवती पर आईफोन-लैपटॉप चोरी करने का आरोप लगाया, प्रयागराज पुलिस में की शिकायत

प्रयागराज। युवती के साथ यौन शोषण के आरोप में फंसे

प्रयागराज के रहने वाले स्टार क्रिकेटर यश दयाल ने अब प्रयागराज पुलिस से मदद मांगी है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम के तेज गेंदबाज यश दयाल ने अपने खिलाफ गाजियाबाद में एफआईआर दर्ज होने के बाद अब प्रयागराज पुलिस को अपनी तरफ से तहरीर दी है। क्रिकेटर यश दयाल ने पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार को दी गई तहरीर में उनके खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की है। यश दयाल ने यह तहरीर अपने वकील के मार्फत भिजवाई है। तहरीर में आरोप लगाया है कि युवती से उनकी दोस्ती सोशल मीडिया के जरिये हुई। इंस्टाग्राम के जरिये युवती लगातार मैसेज करती रही और अंत में दोस्त बन गई। यश दयाल की ओर से भेजी गई तहरीर में कहा गया है कि युवती उनकी दोस्त थी, इससे ज्यादा कुछ नहीं लेकिन वह दोस्ती से शादी का दबाव बनाने लगी। ऐसा नहीं हुआ जब उसे उधार दिए गए लाखों रुपए वापस मांगे गए। युवती ने परिवार से मुलाकात कर अपने परिवार के इलाज के लिए रुपए उधार लिए थे, जो वह वापस नहीं करना चाहती थी। यश दयाल की तहरीर में यह भी लिखा है कि युवती साजिश के तहत उनका आईफोन, लैपटॉप और अन्य सामान उठा ले गई। तीन पेज की तहरीर में युवती और यश दयाल के बारे में काफी कुछ लिखा गया है। डीसीपी सिटी अभिषेक भारती का कहना है कि वकील के जरिए तहरीर भेजी गई है। कई बिंदुओं पर जांच के लिए कहा गया है। फिलहाल एफआईआर नहीं दर्ज है। प्रयागराज में यश दयाल का घर खुल्दाबाद थाना क्षेत्र में है। ऐसे में जांच खुल्दाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र वर्मा को सौंपी है। सुरेंद्र वर्मा का कहना है कि तहरीर मिली है, जांच की जा रही है। अभी एफआईआर दर्ज नहीं है। कई पहलुओं पर जांच कर साक्ष्य मांगे गए हैं।

प्रयागराज जंक्शन पर रेलवे कर्मी को मार डाला,विक्षिप्त व्यक्ति ने लोहे के रॉड से किया हमला,आरपीएफ जवान घायल,फिर ट्रेन से कूदकर दी जान

प्रयागराज। रेलवे जंक्शन पर एक दिल दहला देने वाली घटना

सामने आई। एक विक्षिप्त व्यक्ति ने अचानक हिंसक रूप धारण करते हुए प्लेटफॉर्म नंबर 7/8 पर तैनात रेलवे कर्मचारी पर जानलेवा हमला कर दिया। लोहे की रॉड से किए गए इस हमले में रेलवे हेल्पर अमित कुमार पटेल गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस दौरान बीचबचाव में आए आरपीएफ के जवान माधव सिंह भी घायल हो गए। हमलावर ने इसके बाद पूर्वा एक्सप्रेस के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्लेटफॉर्म पर सब कुछ सामान्य चल रहा था, तभी अचानक एक युवक तेजी से दौड़ता हुआ आया और ड्यूटी पर तैनात रेलवे कर्मचारी अमित कुमार पटेल के सिर पर लोहे की रॉड से वार करने लगा। हमला इतना अचानक और जोरदार था कि अमित कुछ समझ पाते, इससे पहले ही वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इसी दौरान मौके पर मौजूद आरपीएफ जवान माधव सिंह ने स्थिति को संभालने की कोशिश की, लेकिन हमलावर ने उन्हें भी घायल कर दिया। हमले के बाद विक्षिप्त युवक तेजी से दौड़ता हुआ गया और उसी समय प्लेटफॉर्म से गुजर रही पूर्वा एक्सप्रेस के सामने कूद गया। ट्रेन से कटकर उसकी मौके पर ही मौत हो गई।घायल अमित पटेल को तत्काल रेलवे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल आरपीएफ जवान माधव सिंह, जो झांसी से डाक ड्यूटी पर प्रयागराज आए थे, ड्यूटी पूरी कर लौटते समय नैनी स्टेशन पर अचानक अस्वस्थ हो गए। उन्हें वहां इलाज के लिए उतारा गया। घटना के बाद प्रयागराज जंक्शन पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। आरपीएफ, जीआरपी और रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे। स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी गई है। इस सनसनीखेज वारदात के बाद प्रयागराज जंक्शन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सवाल यह है कि एक विक्षिप्त व्यक्ति बिना किसी रोकटोक के प्लेटफॉर्म तक कैसे पहुंचा और इतने बड़े हादसे को अंजाम देने में सफल रहा।

गुरु पूर्णिमा पर सांसद ने निभाई गुरु-शिष्य परंपरा,रीता जोशी ने महंत शिवानंद गिरी को अंग वस्त्र भेंट किया

प्रयागराज। जूना अखाड़ा

स्थित मौज़गिरी आश्रम में गुरु पूर्णिमा पर विशेष आयोजन हुआ। भाजपा सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी ने महंत शिवानंद गिरी को अंग वस्त्र भेंट किए। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा का पालन करते हुए महंत को नमन किया। सांसद जोशी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा आत्मचिंतन का दिन है। भारत में संतों और साधुओं को विशेष स्थान मिला है। उन्होंने कहा कि संत केवल धार्मिक मार्गदर्शन ही नहीं देते। वे समाज को नैतिकता और सही दिशा भी दिखाते हैं। रीता बहुगुणा ने बताया कि राजनीति से देश का विकास होता है। संत समाज आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने भगवान दत्तात्रेय की पूजा की। बालक बाबा की समाधि का निरीक्षण भी किया।मौज़गिरी आश्रम में महंत शिवानंद गिरी के सान्निध्य में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। सुबह पूजा-पाठ के बाद खीर का वितरण किया गया। दोपहर 12 बजे से शाम तक श्रद्धालुओं को प्रसाद दिया गया। आश्रम में दिन भर भक्तों की भीड़ रही। गुरु पूर्णिमा पर श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा।

प्रयागराज में चंद्रशेखर आजाद के नाम से पंडित शब्द हटाया,शहीद वॉल पर पीले रंग से ढका गया पंडित शब्द

प्रयागराज। सिविल लाइंस क्षेत्र में स्थित शहीद वॉल एक बार फिर गए थे, जिनमें 'चंद्रशेखर आज़ाद उर्फ पंडित जी' भी शामिल था। अब के विद्वान भी, इसीलिए उन्हें यह सम्मानजनक संबोधन दिया गया

विवादों में आ गई है। अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद के नाम के साथ वर्षों से अंकित पंडित शब्द को हाल ही में शिलापट्ट से हटा देने की कोशिश को अंजाम दिया गया है, जिसके बाद शहर में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। यह शहीद वॉल वर्ष 2015 में तत्कालीन राज्यपाल केशरी नाथ त्रिपाठी द्वारा उद्‌घाटित की गई थी। इस दीवार पर प्रयागराज के उन गुमनाम और अमर शहीदों के नाम दर्ज हैं, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। विशेषज्ञों और इतिहासकारों की सलाह पर शहीदों के नाम तय किए 'पंडित जी' शब्द को हटाए जाने को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं,आखरि़ यह बदलाव किसके आदेश पर किया गया? क्या इसके लिए समिति की अनुमति ली गई थी? इस संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी और सफाई न देना संदेह को और गहरा कर रहा है। शहर में कई लोगों का मानना है कि यह न सिर्फ इतिहास के साथ छेड़छाड़ है, बल्कि एक महान शहीद का अपमान भी है। चंद्रशेखर आज़ाद को उनके साथी क्रांतिकारी 'पंडित जी' कहकर ही पुकारते थे। वह ब्राह्मण समुदाय से थे और संस्कृत व दर्शनशास्त्र था। इस मामले पर राजनीतिक प्रतिक्रिया भी सामने आई है। शहर उत्तरी से विधायक हर्षवर्धन बाजपेई ने कहा, पंडित चंद्रशेखर आज़ाद हमारे आदर्श और गौरव हैं। उनके नाम से 'पंडित' शब्द हटाया जाना घोर अपमान है। हम इस अन्याय के खिलाफ हर स्तर पर आवाज़ उठाएंगे। फिलहाल प्रशासन की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं आया है, लेकिन यह मामला जनभावनाओं से जुड़ चुका है और शहर में तेज़ी से तूल पकड़ रहा है। लोग अब मांग कर रहे हैं कि शहीदों के सम्मान से कोई समझौता न किया जाए।

पढ़ाई के लिए डांट तो निकल पड़ी दिल्ली छात्राएं,प्रयागराज में घर से स्कूल के लिए निकलीं थी दोनों, सकुशल मिलीं

प्रयागराज। नबाबगंज में दो

नाबालिग लड़कियां स्कूल जाने के बहाने घर से निकलीं और दिल्ली चली गईं। आदमपुर गांव की 13 वर्षीय लड़की सोमवार को स्कूल जाने के लिए निकली। वह हथिगवां की रहने वाली अपनी 14 वर्षीय सहेली के साथ स्कूल नहीं पहुंची। शाम को जब लड़की घर नहीं लौटी, तो परिजन द मदर प्राइड इंटरनेशनल स्कूल पहुंचे। वहां पता चला कि वह अपनी सहेली के साथ कहीं चली गई है। परिजनों ने काफी खोजबीन की। लड़कियां नहीं मिलीं तो थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया। पुलिस जांच में लड़कियों की लोकेशन दिल्ली में मिल रही थी। इसी दौरान परिजनों को दिल्ली से फोन आया। पता चला कि दोनों लड़कियां ट्रेन से दिल्ली पहुंची हैं। वे एक रिश्तेदार के घर में हैं। आदमपुर की लड़की पढ़ाई को लेकर डांट से नाराज थी, इसलिए घर से चली गई। फिलहाल परिजन नबाबगंज पुलिस के साथ दिल्ली से दोनों नाबालिग लड़कियों को लेकर वापस आ रहे हैं।

चार बच्चे नहीं,सबका परिवार डूब गया खेत के गड्ढे में,मां बोली- गोद में सिर रखकर सोने वाला चला गया

प्रयागराज। एक ही गांव के चार बच्चों की खेत मौत हो गयी। कोई पिता खुद को कोस रहा था। काश उस वक्त साथ होता, खेत में

बच्चे शाम से लापता थे। घर वाले जब देखने के लिए निकले तो पास के ही एक खेत में बने गड्ढे मे बच्चों का शव मिला। गड्ढा ईंट के भट्टे के लिए खोदा गया था। मेजा थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। चारों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया 'सभी बच्चों की मौत पानी में डूबने से हुई है। जांच की जा रही है कि गड्ढा किसने और क्यों खोदा, और उसे खुला क्यों छोड़ा गया।'एसडीएम मेजा प्रसाद यादव ने बताया, मृतक परिवार से मिलकर उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।घटना प्रयागराज की मेजा तहसील से 50 किलोमीटर दूर बेदौली गांव समय सुबह के करीब 6 बजे मंगलवार की है। मेजा तहसील से 10 किलोमीटर दूर बेदौली गांव के 4 परिवार में महिलाओं का करुण विलाप शुरू हो गया। गांव में शाम से लापता हुए बच्चों के शव एक के बाद एक खेत से गड्ढे से मिले। खेल के मैदान से कब मौत के कुएं तक पहुंच गए, किसी को खबर न हुईशाम ढलते ही गांव की औरतों ने बच्चों को पुकारना शुरू किया। 'कहीं हुनर अपने बाबा के पास तो नहीं चला गया?', 'वैष्णवी तो अक्सर अपनी मौसी के घर भाग जाती है, वहीं होगी शायद।' पर सब जगह से जवाब नहीं मिला। धीरे-धीरे गांव में बेचैनी फैलने लगी। लालटेन लेकर लोग खेतों की तरफ दौड़े। जंगल में झाड़ियों को टटोला गया। नदी किनारे तक देखा गया। मगर, किसी का ध्यान उस गड्ढे की तरफ नहीं गया, जो गांव से कुछ दूरी पर था। रात में किसी को भूख नहीं लगी। चारों परिवारों के घरों में औरतें चूल्हा तक न जला सकीं। अकेले न जाने देता। लेकिन अफसोस का कोई अंत नहीं था। सुबह की पहली किरण ने चार घरों का उजाला छीन लिया। बुधवार तड़के गांव के एक युवक ने खेत के पास एक शव को पानी में उतराता देखा। देखते ही चीख निकली। सूचना मिलने पर चारों परिवार दौड़ पड़े। किसी ने पानी में छलांग लगा दी। थोड़ी ही देर में चारों मासूमों के नन्हे शव बाहर लाए गए। हुनर की मां हीरा आदिवासी की बहू बेसुध होकर वहीं गिर पड़ी। विमल का बेटा कंधा, जो परसों ही बकरी के बच्चे के पीछे भागते खेत तक गया था, अब हमेशा के लिए शांत पड़ा था।गांव के लोग लाशों को देख पत्थर हो गए। हर आंख नम थी। हर मां अपने बच्चे को घर में पकड़ कर बैठ गई कि कहीं वह भी बाहर खेलते-खेलते लौट न पाए। पुलिस पहुंची, लेकिन सवालों के जवाब बाकी?मेजा थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। चारों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया 'सभी बच्चों की मौत पानी में डूबने से हुई है। जांच की जा रही है कि गड्ढा किसने और क्यों खोदा, और उसे खुला क्यों छोड़ा गया।'एसडीएम मेजा प्रसाद यादव ने बताया, मृतक परिवार से मिलकर उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। पानी में डूबने, सर्प दंश जैसे दुर्घटनाओं में मृतक परिवार को 4 लाख रुपए दिए जाने का प्रावधान है। जिसकी प्रक्रिया कराई जाएगी।गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि यह गड्ढा ईंट भट्ठे के लिए खोदा गया था, लेकिन काम बंद होने के बाद उसे पाटने की कोई व्यवस्था नहीं की गई।

आचार संहिता उल्लंघन पर वोटिंग के पहले कार्रवाई संभव,हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की चुनाव समिति ने प्रत्याशियों को आगाह किया

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार अधिकारी आरके ओझा चुनाव

एसोसिएशन की चुनाव समिति ने प्रत्याशियों को आगाह किया है कि हाईकोर्ट परिसर में पैंफलेट व हैंडबिल न बांटे क्योंकि उनके प्रचार के लिए चुनाव समिति ने हाईकोर्ट के कॉरिडोर में जगह जगह टीवी स्क्रीन लगवा रही है। जिसमें प्रत्याशियों की जानकारी फोटो सहित प्रसारित होती रहेगी। उधर, विभिन्न पदों के प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों की जांच का कार्य देर रात तक चला। मुख्य चुनाव अधिकारी अनिल भूषण, वशिष्ठ तिवारी व महेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा कि आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की तलवार चुनाव प्रक्रिया के अंत तक लटकती रहेगी। इसलिए सभी प्रत्याशियों से आग्रह है कि आचार संहिता के पालन का ध्यान रखें। आचार संहिता का उल्लघंन करने पर नामांकन निरस्त करने की कार्रवाई की जा सकती है।

एसटीएफ ने शिक्षा विभाग में फर्जीवाड़ा करने वालों को पकड़ा

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो एसटीएफ और शिक्षा विभाग के अधिकारियों के नाम से फर्जी ई-मेल आईडी बनाकर, विभिन्न जनपदों के बीएसए, डीआईओएस और परीक्षा नियंत्रकों को कूटरचित नोटिस भेजकर सूचनाएं प्राप्त करता था और उनसे धन वसूलता था। इस गिरोह के दो सक्रिय सदस्य बजरंगी लाल गुप्ता (प्रयागराज निवासी) और जयप्रकाश तिवारी (फतेहपुर निवासी) को कौशांबी जिले के मंझनपुर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के दौरान इनके कब्जे से फर्जी मोहरें, मोबाइल फोन, टैब और अधिकारियों के फर्जी दस्तावेज बरामद किए गए। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि डीआईओएस कौशांबी को फर्जी नाम से नोटिस भेजे जा रहे हैं, जिनमें शिक्षकों की गोपनीय जानकारी मांगी गई थी और लगातार फोन कर दबाव बनाया जा रहा था। इस सूचना पर एसटीएफ नोएडा यूनिट के निरीक्षक सचिन कुमार व टीम ने फाफामऊ, प्रयागराज से दोनों आरोपियों को दबोच लिया।

डीएलएड के 2 सत्रों में 69 हजार छात्राध्यापक फेल,परीक्षा नियामक प्राधिकारी सचिव ने घोषित किया रिजल्ट

प्रयागराज। डीएलएड के अलग-अलग 9 सत्रों का रिजल्ट

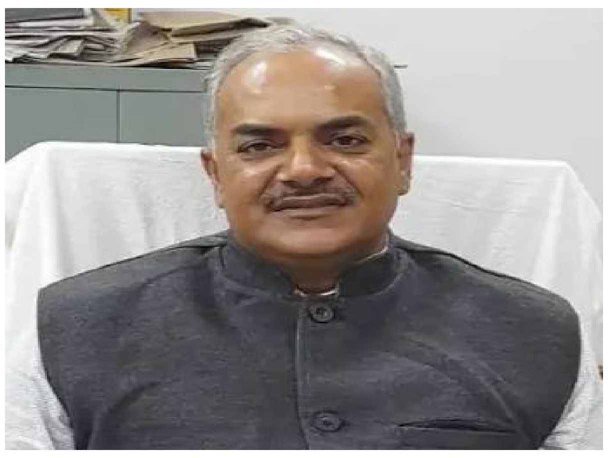

घोषित कर दिया गया है। वर्ष-2022 के चतुर्थ और वर्ष- 2023 के द्वितीय सत्र के घोषित रिजल्ट में 69509 छात्राध्यापक फेल हो गए है। सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी अनिल भूषण चतुर्वेदी ने बुधवार देर शाम रिजल्ट घोषित किया है। सचिव अनिल भूषण चतुर्वेदी ने बताया कि डीएलएड - 2022 के चतुर्थ सेमेस्टर में 57415 अभ्यर्थी पंजीकृत थे जिसमें 57384 परीक्षा में शामिल हुए। 11814 फेल हो गए जबकि 45528 पास हुए। उन्होंने बताया कि डीएलएड- 2023 में 160405 अभ्यर्थी पंजीकृत थे जिसमें 57691 फेल हो गए और 102408 अभ्यर्थी पास हुए हैं। पीएनबी की वेबसाइट पर देखें रिजल्ट उन्होंने बताया कि वर्ष-2018 के द्वितीय सत्र, वर्ष- 2018 के चतुर्थ सत्र, वर्ष-2019 के द्वितीय सत्र, वर्ष- 2019 चतुर्थ सत्र, वर्ष -2021 के द्वितीय सत्र, वर्ष 2021 के चतुर्थ सत्र और वर्ष 2022 के द्वितीय सत्र का रिजल्ट घोषित किया गया है। सचिव ने बताया कि डीएलएड का रिजल्ट पीएनपी की वेबसाइट - https://btcexam.in पर रिजल्ट देखा जा सकता है।

आगरा की सड़क पर दौड़ा करंट,लोग बोले-ठेकेदार ने काम में की लापरवाही

आगरा। आगरा में लगातार बारिश हो रही है। बारिश के बीच

में ट्रांस यमुना कॉलोनी बी ब्लॉक में बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां पार्क में लगाए जा रहे मेले के लिए लगाई गई लाइट टूटकर सड़क पर गिर गई। घंटों तक इसमें करंट दौड़ता रहा। लोगों ने मेला लगाने वाले लोगों से इसकी शिकायत की, लेकिन उन्होंने इसे गंभीरता से नहीं लिया। इसको लेकर लोगों में रोष है। एत्माद्दौला के बी ब्लॉक बाल विहार पार्क में परवेज नाम के व्यक्ति द्वारा हरियाली तीज के त्योहार के लिए झूले लगाए गए हैं। उस व्यक्ति का कहना है कि 31 दिन की परमिशन लेकर आया है। झूले लगाने के साथ परवेज ने कॉलोनी में झालर और लाइटिंग की। बुधवार तेज बारिश के बाद रात को सी ब्लॉक भारद्वाज चौराहे के पास लाइटिंग का तार टूटकर सड़क पर गिर गया। तार जगह-जगह से कटा हुआ था। इसमें करंट दौड़ रहा था। मोहल्ले वालों का कहना है कि ठेकेदार काम में लापरवाही कर रहा है। आसपास से लोग गुजर रहे थे। गाय भी घूम रही थीं। कई घंटों तक बारिश के बीच तार करंट वाला तार सड़क पर पड़ा रहा। इसके बाद लोगों ने बाल विहार पार्क में लाइटिंग कर रहे लोगों से इसकी शिकायत की। लोगों का कहना था कि तार के चलते रात में कोई हादसा हो सकता है। किसी राहगीर या जानवर को करंट लग सकता है। मगर, शिकायत के बाद भी तार को नहीं हटाया गया। पूरे मेले की बिजली के लिए ठेकेदार ने घर के सामने पेड़ पर बिजली के करंट वाले कटे तारों को बांध दिया है। वहां दिनभर बच्चे खेलते हैं। कभी भी हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वो सालों से यहां रह रहे हैं, लेकिन पहले कभी 31 दिन का कोई आयोजन नहीं हुआ। अब क्षेत्र के कुछ दबंग लोगों ने झूले वाले से रकम लेकर पार्क में मेला लगवा दिया है। इससे परेशानी उठानी पड़ रही है। झूले वाले ने पूरे पार्क पर कब्जा कर लिया है। बच्चे खेल नहीं पा रहे। लोगों ने इसकी शिकायत भी की थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि मेला लगाने वाला ठेकेदार 31 दिन की परमिशन होने की बात कह रहा है। मगर, उसके द्वारा ये नहीं बताया गया कि यहां मेले लगाने के लिए किसने बुलाया। सालों से यहां पर मेला नहीं लगा। बिना मेला कमेटी और स्थानीय लोगों की सहमति के कैसे परमिशन मिल सकती है। स्थानीय पार्षद प्रकाश केशवानी भी परमिशन न देने की बात कह रहे हैं।

अपहरण और 3-लाख वसूलने वाला दरोगा सस्पेंड

कानपुर। दुकानदार का

अपहरण और 3 लाख वसूली के मामले में आरोपी दरोगा प्रभास शर्मा को पुलिस कमिश्नर ने सस्पेंड कर दिया। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद से दरोगा फोन स्विच ऑफ करके फरार हो गया है। अब सचेंडी थाने की पुलिस दरोगा की अरेस्टिंग के लिए तलाश में जुटी हुई है। इसके साथ ही आरोपी दरोगा के गैंग में शामिल अन्य पांच लोगों की शिनाख्त करने के लिए भी कॉल डिटेल और सीसीटीवी फुटेज की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस कमिश्नर की मानें तो दरोगा और उसके साथियों को जल्द अरेस्ट करके जेल भेजा जाएगा।

अग्रवाल महिला मंडल ने काल्विन अस्पताल में बांटे फल, महिला मंडल ने उठाया कदम,मरीजों को दिया हौसला

प्रयागराज। प्रयागराज में

अग्रवाल महिला मंडल की तरफ से बुधवार को सेवा कार्य के रूप में फल एवं बिस्किट वितरण कार्यक्रम का आयोजित किया गया। मंडल की अध्यक्ष मोना अग्रवाल एवं महामंत्री सलोनी अग्रवाल के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन काल्विन अस्पताल में किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता के पुनर्जन्म दिवस की खुशी में उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की मंगलकामना के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मरीजों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें फल एवं बिस्किट वितरित किए गए। कार्यक्रम में काल्विन अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ. एसके चौधरी ने अपना सहयोगदिया। अध्यक्ष मोना अग्रवाल ने कहा कि सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं। हम सभी का प्रयास है कि समाज में जरूरतमंदों की मदद कर सकें। महामंत्री सलोनी अग्रवाल ने कहा कि अग्रवाल महिला मंडल हमेशा समाजसेवा के कार्यों में अग्रसर रहा है और यह परंपरा आगे भी जारी रहेगी। मीडिया प्रभारी मनीष गर्ग ने कहा कि समाज सेवा के इस कार्य में हर व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है, ताकि हम एक संवेदनशील और सहयोगी समाज का निर्माण कर सकें। इस अवसर पर अंजना अग्रवाल, माया अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, श्वेता पोद्दार, मनीष गोयल, अनूप अग्रवाल, अभिनव अग्रवाल, अमिता (राजरूपपुर), राधा गार्गी, प्रियंका, निधि आदि मौजूद रहे।

अंबेडकरनगर में हटाया गया सपा का विवादित बैनर,आलापुर एसडीएम ने की कार्रवाई, विद्यालय मर्जर से सम्बंधित था

अम्बेडकरनगर। अंबेडकरनगर

की आलापुर तहसील में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा लगाए गए विवादित बैनर को प्रशासन ने हटवा दिया है। मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय सचिव प्रद्युम्न यादव और उनके साथियों ने 9 जुलाई को तहसील परिसर में एक होल्डिंग लगाई थी। बैनर पर लिखा था - 'यह कैसा रामराज्य? बंद करो पाठशाला, खोलो मधुशाला'। इस होल्डिंग के माध्यम से सपा कार्यकर्ताओं ने सरकार की शिक्षा व्यवस्था और बेरोजगारी पर सवाल उठाए थे। होल्डिंग लगते ही तहसील परिसर में चर्चा शुरू हो गई और स्थानीय लोगों का ध्यान इस ओर खींचा। 10 जुलाई को जनसुनवाई के दौरान एसडीएम ने नायब तहसीलदार हुबलाल और सुरक्षा कर्मियों को मौके पर भेजकर होल्डिंग हटवा दी। प्रशासन का कहना है कि यह होल्डिंग बिना अनुमति के लगाई गई थी। इससे लोक व्यवस्था प्रभावित हो सकती थी। सपा नेता प्रद्युम्न यादव ने प्रशासनिक कार्रवाई की निंदा की है। उनका कहना है कि उन्होंने जनता की आवाज को होल्डिंग के जरिए प्रस्तुत किया था। होल्डिंग हटाए जाने के बाद क्षेत्र में राजनीतिक माहौल गरम है। सोशल मीडिया और सार्वजनिक स्थानों पर इस मुद्दे पर चर्चा जारी है।

आगरा के मनकामेश्वर मठ में बना चांदी का द्वार,100 किलो चांदी का हुआ इस्तेमाल,कील भी चांदी के

आगरा। आगरा के द्वापर युग के मंदिर में चांदी का द्वार बनाया गया है। इस द्वार को बनाने में 100

किलो चांदी का इस्तेमाल हुआ है। मंदिर के महंत का दावा है कि प्रदेश के अलावा संभवतः यह देश का पहला मंदिर है, जहां इतना बड़ा चांदी का द्वार बनाया गया है। आज मंदिर के द्वार का पूजन हुआ। पहले जानते हैं मंदिर का इतिहास- पुराने आगरा के रावतपाड़ा में स्थित है मनकामेश्वर मंदिर, जिसे अब मनकामेश्वर मठ के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि यहां शिवलिंग की स्थापना खुद भगवान शिव ने द्वापर युग में की थी। प्रचलित कथा के अनुसार, मथुरा में श्रीकृष्ण के जन्म के बाद उनके बाल-रूप के दर्शन की कामना लेकर कैलाश से चले शिव ने एक रात यहां बिताई थी और साधना की थी।उन्होंने यह प्रण किया था कि यदि वह कान्हा को अपनी गोद में खिला पाए तो यहां एक शिवलिंग की स्थापना करेंगे। अगले दिन जब वह गोकुल पहुंचे तो यशोदा मैया ने उनके भस्म-भभूत और जटा-जूटधारी रूप को देख कर मना कर दिया कि कान्हा उन्हें देख कर डर जाएगा।तब शिव वहीं एक बरगद के पेड़ के नीचे ध्यान लगा कर बैठ गए। शिव को आया जान कन्हैया ने लीला शुरू कर दी और रोते-रोते शिव की तरफ इशारा करने लगे। तब यशोदा माई ने शिव को बुला कर कान्हा को उनकी गोद में दिया और तब जाकर कृष्ण चुप हुए।वापसी में शिव ने यहां आकर शिवलिंग की स्थापना की और कहा कि जिस तरह से यहां मेरे मन की कामना पूरी हुई, उसी तरह से सच्चे मन से यहां आने वाले मेरे हर भक्त की मनोकामना पूरी होगी। इस मंदिर की खासियत यह है कि यदि कोई अंदर न जाना चाहे तो यहां बाहर से ही शिवलिंग के दर्शन हो जाते हैं।मंदिर परिसर के भीतर मुख्य गर्भ गृह के पीछे कई सारे छोटे-छोटे मंदिर हैं। यहां देसी घी से प्रज्ज्वलित होने वाली 11 अखंड जोत निरंतर जलती रहती हैं।मंदिर परिसर में मनकामेश्वर शिव के अलावा सिद्धेश्वर और ऋणमुक्तेश्वर महादेव के शिवलिंग भी विराजमान हैं। रुद्रावतार कहे जाने वाले बजरंगबली की दक्षिणमुखी मूर्ति भी यहां पर है। भैरव, यक्ष और किन्नर भी यहां पर विराजमान हैं।महंत योगेश पुरी ने बताया कि वो मंदिर की सेवा करने वाली 28वीं पीढ़ी हैं। इस मंदिर के द्वार के लिए 100 किलो चांदी का इस्तेमाल हुआ है। यह चांदी श्रद्धालुओं ने गुप्त दान में दी है। इसके लिए जयपुर के कारीगरों ने ठोस चांदी की चादरें तैयार कीं। उन पर नक्काशी की। लकड़ी के दरवाजे पर ही चांदी चढ़ाई गई है।इसमें कील भी चांदी के ही हैं। उन्होंने बताया कि नक्काशी में भोले बाबा का डमरू, सूर्य, नाग, त्रिशूल आदि बनाए गए हैं। इस द्वार का साइड 12गुणे 14 फीट का है।

उन्होंने बताया फिलहाल चांदी का द्वार बनाया गया है। अब भविष्य में योजना है कि शिवलिंग का चबूतरा, एक दीवार, अखंड जोत का स्टैंड, शिवलिंग के पीछे लगा कमल और खुद शिवलिंग को भी चांदी से ही मढ़वाया जाएगा। सब कुछ श्रद्धालुओं के सहयोग से होगा। गुरुवार को रजत द्वार का पूजन होगा।

गोमती में 28 किमी के दायरे में 50फीसदी ऑक्सीजन घटी,40 जलीय जीव लुप्त, पानी छूने लायक नहीं,अब आई योगी की अविरल योजना

लखनऊ। लखनऊ की जीवनरेखा मानी जाने वाली गोमती नदी का पानी अफसरों की लापरवाही से धीरे-धीरे जहरीला हो चुका है। लखनऊ में 28 किलोमीटर तक बहने वाली गोमती का पानी आचमन तो दूर छूने

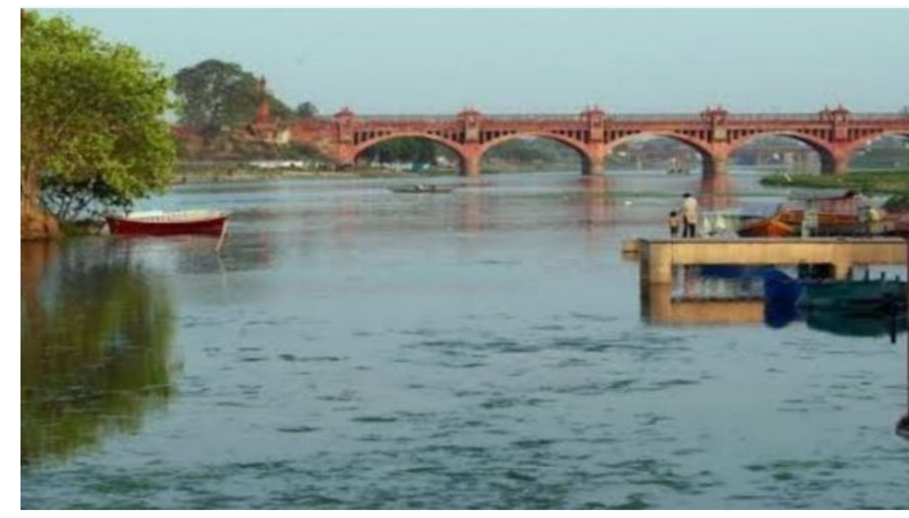

लायक भी नहीं बचा है। नदी में पाए जाने वाले 56 प्रकार के जलीय जीवों में से 40 विलुप्त हो चुके हैं। नदी में घुलित ऑक्सीजन का स्तर सामान्य से 50फीसदी से ज्यादा गिर चुका है, जो किसी भी नदी की सेहत के लिए गंभीर संकेत है। इस बदतर हालात के बीच योगी सरकार ने गोमती को अविरल और स्वच्छ बनाने के लिए कैबिनेट में प्रस्ताव पास किया है। परियोजना के लिए डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की गई है। इसके पहले भी गोमती को अवरिल बनाने की कई योजनाएं बनीं। उन पर काम भी हुआ, लेकिन नदी साफ नहीं हुई। योजनाएं क्यों नहीं कारगर हुईं? इसमें क्या बाधाएं आईं? नई योजना उन बाधाओं को पार करके कैसे कारगर हो पाएगी? इन सवालों का जवाब तलाशने दैनिक भास्कर टीम ग्राउंड जीरो पर गई। स्वच्छ गोमती की मुहिम चला रहे लोगों से बातचीत की। जिम्मेदार अफसरों से सवाल किए। जवाब मिला कि घरेलू, कामर्शियल और औद्योगिक कचरा गोमती नदी को मुख्य रूप से गंदा कर रहा है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट सही से नहीं चल रहे हैं। नालों को दूषित पानी सीधे नदी में गिर रहा है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का संचालन, मॉनिटरिंग स्टेशन और रिवर फ्रंट बनाकर नदी को साफ किया जाएगा। गोमती नदी पीलीभीत के माधव टांडा से निकलती है। करीब 600 किलोमीटर का सफर तय कर गाजीपुर में गंगा नदी से मिल जाती है। लखनऊ में इसका प्रवेश सीतापुर रोड के पास होता है। 90 के दशक तक यह नदी लखनऊवासियों के लिए आस्था की प्रतीक थी। गोमतीनगर, राजाजीपुरम, हैदरगंज, त्रिवेणी नगर और चौक जैसे इलाकों में लोग इसके किनारे धार्मिक अनुष्ठान करते थे। पिकनिक मनाते थे। साल-2024 की नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की ऑब्जर्वेशन को देखें तो लखनऊ में गोमती नदी के पानी की गुणवत्ता 'सी' कैटेगरी में है। इसका मतलब है कि इसका पानी न तो पीने लायक है और न ही सिंचाई लायक है। उत्तर प्रदेश पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, बायो केमिकल ऑक्सीजन डिमांड की मात्रा मानक से तीन गुना ज्यादा पाई गई।गोमती के पानी में टोटल डिसॉल्ड सॉलिड का स्तर 700 मिलीग्राम प्रति लीटर से ऊपर जा चुका है, जबकि सुरक्षित सीमा 500 मिलीग्राम प्रति लीटर है।गोमती नदी की बिगड़ती हालत को समझने के लिए जरूरी है कि हम उसके पानी में मौजूद ऑक्सीजन और प्रदूषण के बीच के संबंध को समझें। नदी में मौजूद घुलित ऑक्सीजन और जैविक ऑक्सीजन मांग दो ऐसे वैज्ञानिक मानक हैं जो किसी भी नदी के जल की सेहत का वास्तविक स्थिति को बताते हैं। 1- घुलित ऑक्सीजनः घुलित ऑक्सीजन वह ऑक्सीजन होती है जो पानी में घुली रहती है, जो मछलियों, कछुओं, जल कीड़ों और अन्य जलीय जीवों द्वारा सांस लेने के लिए जरूरी होती है। यह ऑक्सीजन हवा से पानी में मिलती है या फिर पानी के भीतर मौजूद जलीय पौधे प्रकाश संश्लेषण के जरिए इसे छोड़ते हैं। आमतौर पर किसी स्वच्छ और स्वस्थ नदी में डीओ का स्तर 6 से 8 मिलीग्राम प्रति लीटर मिलीग्राम प्रति लीटर होना चाहिए। अगर यह स्तर 3 मिलीग्राम प्रति लीटर से नीचे चला जाए, तो जलीय जीवन के लिए खतरे की घंटी मानी जाती है। गोमती नदी की बात करें तो लखनऊ खंड में कुड़िया घाट, गऊ घाट के साथ ही कई स्थानों पर यह स्तर 2 मिलीग्राम प्रति लीटर से भी नीचे दर्ज किया गया है। यानी ऑक्सीजन की मात्रा 50 फीसदी से ज्यादा कम हो गया है, जो स्पष्ट रूप से दिखाता है कि यह नदी अब 'डेड जोन' में प्रवेश कर चुकी है, जहां अधिकांश जीव नहीं रह सकते हैं। बीओडी का मतलब होता है जैविक ऑक्सीजन मांग, यानी पानी में मौजूद जैविक गंदगी को सड़ाने के लिए बैक्टीरिया द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली ऑक्सीजन की मात्रा। जब नदी में घरेलू सीवर, मल-मूत्र, होटल वेस्ट या औद्योगिक कचरा गिरता है, तो ये पदार्थ पानी में घुल जाते हैं। उन्हें नष्ट करने के लिए बैक्टीरिया सक्रिय हो जाते हैं।

ये बैक्टीरिया इन जैविक पदार्थों को तोड़ने की प्रक्रिया में बड़ी मात्रा में ऑक्सीजन खपत करते हैं। इससे पानी में घुलित ऑक्सीजन की मात्रा तेजी से घटती है। यदि पानी में बीओडी का स्तर अधिक होता है, तो इसका मतलब है कि पानी में बहुत अधिक जैविक गंदगी मौजूद है और ऑक्सीजन की मांग बहुत अधिक है।स्वच्छ पानी में बीओडी सामान्यतः 2 से 3 मिलीग्राम प्रति लीटर के बीच होता है। 5 मिलीग्राम प्रति लीटर से ऊपर का स्तर चिंताजनक होता है। गोमती का बीओडी 10 मिलीग्राम प्रति लीटर से ऊपर का है। यानी गोमती नदी का पानी न पीने लायक है, न नहाने लायक। इसका सीधा असर नदी के लाइफ पर होता है। सबसे पहले मछलियां और जल कीड़े मरने लगते हैं। फिर पानी में दुर्गंध, झाग और शैवाल बढ़ने लगते हैं, जिसे यूट्रोफिकेशन कहते हैं। इससे नदी मृतप्राय हो जाती है। विशेषज्ञ डॉ. नीरज रंजन बताते है कि, 'नदी का सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकेतक उसका डीओ होता है, अगर यह स्तर 3 मिलीग्राम प्रति लीटर से कम चला जाए, तो नदी में जीवन असंभव हो जाता है।' जब तक गोमती के पानी से गंदगी कम नहीं होगी और ऑक्सीजन बढ़ेगी नहीं, तब तक इसे दोबारा जीवनदायिनी नदी के रूप में देखना मुश्किल होगा। अभी की स्थिति में गोमती सिर्फ नाम की नदी है, असल में वह एक जहरीला नाला बन चुकी है।

वाराणसी में सावन के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी,काशी विश्वनाथ परिक्षेत्र नो व्हीकल जोन, 11 जुलाई से 9 अगस्त तक नया प्लान लागू

वाराणसी। वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस ने सावन में यातायात को लेकर नई ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। सावन मास के पहले दिन सुबह 4 बजे से लेकर अंतिम दिन की रात 12 तक नियमावली लागू रहेगी। निर्धारित रूट पर पुलिस टीमें 11 जुलाई से 9 अगस्त तक इसे प्रभावी बनाएंगी। वहीं एक लेन कांवरियों के लिए आरक्षित रहेगी। दर्शनार्थियों एवं कांवरियों की संख्या को देखते हुए काशी विश्वनाथ मंदिर की राहों को नो व्हीकल जोन बनाया गया है। इसके अलावा शहर की सीमा, रिंगरोड, अंदर के लोकल ट्रैफिक संचालन के लिए रूट डायवर्जन तथा वाहन प्रतिबंध क्षेत्र की योजना तैयार की गई है। एडीसीपी ट्रैफिक के अनुसार कांवरियों से सम्बन्धित वाहनों पर भी उक्त डायवर्जन एवं प्रतिबंध लागू होंगे। कांवर लेकर सिर्फ पैदल चलने वाले या हाथ ठेला ट्राली लेकर चलने वाले कांवरियों को उक्त प्रतिबंध से छूट होगी। वाराणसी शहर में आने वाले यातायात का संचालन सुगमता से किया जाएगा। शनिवार से मंगलवार तक 60 घंटे सख्त डायवर्जन सावन के मद्देनजर वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस ने रूट डायवर्जन प्रत्येक शनिवार को रात 8 बजे से मंगलवार सुबह 8 बजे तक के लिए लागू रहेगा। इसमें प्रयागराज-वाराणसी नेशनल हाईवे की बायीं लेन कांवड़ियों के लिए सुरक्षित होगी। इसपर किसी भी प्रकार का वाहन चलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।नेशनल हाईवे के साथ ही साथ चांदपुर चौराहे से मोहनसराय तक हर सोमवार के पहले 60 घंटे का नो व्हीकल जोन रहेगा। यह नियम शनिवार रात 8 बजे से शुरू होकर मंगलवार सुबह 8 बजे तक प्रभावी रहेगा। इसी दौरान मैदागिन से चौक गोदौलिया मार्ग भी नो व्हीकल जोन

रहेगा।गाजीपुर मऊ से वाया वाराणसी होकर चंदौली, सोनभद्र, मिर्जापुर एवं प्रयागराज को जाने माले वाहन संदहा रिंगरोड अपने गंतव्य को जायेंगे।आजमगढ़ से वाराणसी होकर चंदौली, सोनभद्र, मिर्जापुर एवं प्रयागराज को जाने वाले वाहन आजमगढ़ अण्डरपास (बावन बीघा) से बाएं रिंगरोड होकर जायेंगे। बड़े वाहन आजमगढ़ अण्डरपास (बावन बीधा) से मुड़कर हरहुआ से रखौना ओवरब्रिज होकर अपने गंतव्य को जायेंगे।जौनपुर से वाराणसी होकर चंदौली, सोनभद्र, मिर्जापुर एवं प्रयागराज को जाने वाले वाहन रिंगरोड से बाये होकर अपने गंतव्य को जायेंगे।गाजीपुर मऊ आजमगढ़, जौनपुर से वाया वाराणसी नगर होकर भदोही को जाने वाले वाहन रिंगरोड होकर हरहुआ परमपुर अण्डरपास से कपसेठी चौराहा से जायेंगे। चंदौली, सोनभद्र एवं मिर्जापुर से वाराणसी होकर गाजीपुर मऊ आजमगढ़ जौनपुर को जाने वाले वाहन रिंगरोड होकर कपसेठी चौराहा से अपने गंतव्य को जायेंगे। प्रयागराज से बाया वाराणसी होकर गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, जौनपुर को नेशनल हाईवे -2 से रखौना अण्डरपास से रिंग रोड के माध्यम से अपने गंतव्य को जायेंगे। भदोही से वाराणसी नगर होकर गाजीपुर मऊ आजमगढ़, जौनपुर को जाने वाले वाहन परमपुर अण्डरपास से रिंग रोड के माध्यम से अपने गंतव्य को जायेंगे। वाराणसी जिले में स्थानीय वाहनों का रूट डायवर्जन जौनपुर के चंदवक और चोलापुर के मध्य में आने वाले वाहनों को जौनपुर, लखनऊ एवं प्रयागराज की तरफ चंदवक चौराहे की तरफ डायवर्ट कर दिया जायेगा एवं कतिपय छूटे हुए वाहनों को गोसाईपुर, मोहांव बौराहे डायवर्ट कर बाबतपुर होकर जौनपुर भेज दिया जायेगा।गाजीपुर से वाराणसी होकर जौनपुर लखनऊ एवं प्रयागराज जाने वाले वाहन चौबेपुर स्थित चौराहे से मुनारी की तरफ डायवर्ट कर कटहलगंज से मोहाव चौराहा से चोलापुर से जौनपुर की तरफ भेजा जायेगा। चन्दौली से टेंगरा मोड़ के बीच भारी वाहनों को प्रयागराज, फतेहपुर, कानपुर की तरफ जाना है, उन्हें टेंगरा मोड़ से डायवर्ट करते हुये नारायनपुर, चुनार, मिर्जापुर, नैनी होते हुए भेजा जायेगा।जौनपुर की तरफ डायवर्जन के बाद कोई भारी वाहन वाराणसी से बाबतपुर जाएगा तो उसे पलहीपट्टी गोसाईपुर होते हुए मोहाव चन्दवक, औड़िहार होकर भेजा जायेगा।रोडवेज व प्राइवेट बसों/सवारी वाहनों का डायवर्जन प्लान प्रयागराज और मिर्जापुर की तरफ से वाराणसी में आने वाले रोडवेज प्राइवेट बसों को मोहनसराय से गंगापुर होकर भेजा जाएगा। क्षेत्र से बाहर जाने वाले वाहन चांदपुर चौराहा से कपसेठी, भदोही, औराई अथवा कध्यारोड होकर जायेंगे। सोनभद्र तथा चंदौली से वाराणसी में आने वाले रोडवेज प्राइवेट बसों को मोहनसराय से गंगापुर होकर जाएंगे और इसी मार्ग से वापस जायेंगे। गाजीपुर, आजमगढ़, जौनपुर से आने वाले रोडवेज बसों को हरहुआ से गिलट बाजार से शिवपुर चुंगी फुलवरिया होकर भेजा जाएगा। फिर इसी मार्ग से वापस जायेंगे। प्रयागराज से वाराणसी आने वाले हल्के सवारी वाहन दाहिनी लेन पर चलते हुए कछवारोड, राजातालाब, मोहनसराय से चितईपुर चौराहा, भिखारीपुर, मंडुवाडीह रेलवे स्टेशन के सामने तक जा सकेंगे। इसी लेन से वापस भी जायेंगे।जौनपुर से आने वाली रोडवेज बसें बाबतपुर, हरहुआ, से वरूणा पुल पार करके मिंट हाउस तिराहे से दाहिने पार्किंग स्थल कटिंग मेमोरियल स्कूल तक जाएंगे।

दोपहर 2 बजे तक जिंदा थीं रिटायर टीचर की पत्नी,2:30 बजे मृत मिलीं,करीबी पर शक,सीसीटीवी में दिखा संदिग्ध,5 टीमें जांच में जुटीं

कानपूर। कानपुर में रिटायर टीचर की पत्नी की हत्या और लूट के मामले में पुलिस को किसी जान पहचान वाले पर शक है। पुलिस ने घर से 500 मीटर दूर तक 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले हैं। इसमें एक काली कार बार-बार आते हुए दिखाई दी। इसके साथ ही एक युवक काला बैग लेकर तेजी से जाता हुआ कैद हुआ है। पुलिस इस संदिग्ध युवक की तलाश कर रही है। वहीं घटनास्थल से फारेंसिक टीम को अंगुलियों के निशान समेत कई महत्वपूर्ण सबूत मिले हैं। पुलिस के मुताबिक, पड़ोसियों से पूछताछ में पता चला कि प्रेमलता दोपहर 2 बजे तक घर की बालकनी में थीं। उन्होंने पड़ोसियों से बात की थी। इसका मतलब है कि 2 बजे तक वह घर में सही थीं। ढाई बजे पति आए, उन्हें वह मृत अवस्था में मिलीं। मतलब 20-25 मिनट में लूट और

हत्या की वारदात हुई है। पुलिस ने पीड़ित पति की तहरीर पर अज्ञात पर लूट और हत्या का केस दर्ज कर लिया है।पुलिस ने बताया- फारेंसिक जांच में पता चला कि आरोपियों ने कमरे में रखी अलमारी को चाबी से खोला था। पुलिस ने चाबियां तलाशी मगर नहीं मिली। रिटायर टीचर सुनील कृष्ण मिश्रा का कहना है कि अलमारी की चाबी उनकी पत्नी के पास ही रहती थी। चाबियां कहां हैं, उन्हें नहीं पता। आशंका जताई जा रही है आरोपी चाबी साथ ले गए हैं। डीसीपी ईस्ट श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि घटना में किसी करीबी के शामिल होने के पहलू पर भी पुलिस जांच कर रही है। बताया कि वारदात करने वाले का पता था कि घर का मुख्य दरवाजा खुला रहता है। इसलिए वह आसानी से वहां पहुंच गया। आरोपी ने उसी कमरे का ताला तोड़ा, जिसमें नकदी और जेवर थे। मतलब आरोपी को जानकारी थी कि किस कमरे में अलमारी है और कहां पैसे और नकदी रखी है। इस एंगल पर पुलिस की जांच चल रही है।आरोपी को घर के बारे में पूरी जानकारी थी। वह उसी कमरे में गया जहां अलमारी थी। अलमारी को खोल कर नकदी और जेवर ले गए। किसी अन्य सामान का छुआ भी नहीं। बुजुर्ग कमरे की लाइट जलाकर गए थे, पुलिस जब पहुंची तो कमरे की लाइट बंद थी। बदमाश लूट के बाद लाइट क्यों बंद करेंगे। आरोपियों को पता था कि घर के मुख्य गेट और ऊपर का दरवाजा खुला रहता है।हरसहाय जगदंबा इंटर कॉलेज के केमिस्ट्री के सेवानिवृत हेड ऑफ डिपार्टमेंट सुनील कुमार मिश्रा रामबाग में पत्नी प्रेमलता मिश्रा (71) के साथ अकेले रहते थे। बुधवार की दोपहर करीब साढ़े बारह बजे वह बाजार से आम खरीदने निकले। करीब दो घंटे बाद वापस लौटे। उन्होंने ऊपर के कमरे में पत्नी को आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। सुनील कुमार मिश्रा ने ऊपर जाकर देखा तो वह मृत थीं। अलमारी वाले कमरे का कुंडा टूटा हुआ नजर आया। कुछ सामान भी बिखरा हुआ था। उन्होंने पड़ोसियों को सूचना दी। पड़ोसियों ने पुलिस को खबर दी। बजरिया और सीसामऊ पुलिस मौके पर आ गई। उनके 3 बेटे थे, बड़ा बेटा प्रवीण हैं। प्रवीण बड़े हैं लखनऊ में टीचर हैं। छ्छ्ऊ की कोचिंग पढ़ाते हैं। लखनऊ से वह आ रहे हैं। दूसरा बेटा रवि है।रवि इंग्लैंड में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। तीसरे बेटे नवीन (35) का कोरोना काल में एक्सपायर हो गया था। वह प्राइवेट जॉब करते थे।पति सुनील ने बताया- दोपहर 12 बजे बाजार गए थे, 2: 30 बजे घर लौटे तो पत्नी कमरे के बेड पर पड़ी थीं। उन्होंने शोर मचाया। पड़ोसी मौके पर पहुंचे।उन्होंने पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा कि महिला की गला दबाकर हत्या की गई है। पीड़ित पति ने बताया 2 लाख की नकदी और 4 लाख के जेवर ले गए।

शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर करे सुनिश्चितः गीता विश्वकर्मा

सोनभद्र। सदस्य उ0प्र0 राज्य महिला आयोग लखनऊ गीता विश्वकर्मा ने बुधवार को राबट्र्सगंज ब्लाक सभागार में महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित शिकायतों को सुना, इस दौरान सदस्य ने प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस विभाग के अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित जो भी शिकायतें प्राप्त हों, उसका ससमय निस्तारण सुनिश्चित किया जाये, प्रदेश सरकार की मंशा है कि महिलाओं को किसी प्रकार से उत्पीड़न न होने पायें, इस दौरान प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं विषयक जागरूकता चैपाल का आयोजन भी ब्लॉक राबट्र्सगंज सभागार में किया गया, चैपाल शिविर के दौरान सदस्य ने उपस्थित जनमानस को सम्बोधित करते हुए कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं, जिसमें निराश्रित पेंशन, वृद्धा पेंशन, आयुष्मान कार्ड, कन्या सुमंगला योजना से आच्छादित बालिकाओं को लाभ दिया जा रहा है, बेटी-बचाओं-बेटी पढ़ाओ योजना से जनपद की महिलाओं को लाभान्वित भी किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने अन्नप्रासन एवं गोद भराई की रश्म अदायगी भी की। सदस्य द्वारा वृहद वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्गत ब्लॉक परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया, इस मौके पर जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी इन्द्रावती, पुलिस विभाग के अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

सोनभद्र में वृक्षारोपण की वास्तविकता जानने की मांग,कांग्रेस नेता ने वन विभाग से मांगा 3 साल का कटे पेड़ों का हिसाब

सोनभद्र।सोनभद्र में कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे ने वन विभाग से पिछले तीन साल के वृक्षारोपण का पूरा ब्योरा मांगा है। उन्होंने प्रभागीय वन अधिकारी दिनेश सिंह को एक ज्ञापन सौंपा। दुबे ने कहा कि जिले में करोड़ों की संख्या में पेड़ लगाने का दावा किया जा रहा है। साथ ही विकास कार्यों के नाम पर बड़ी संख्या में पेड़ काटे भी जा रहे हैं। उन्होंने इन पेड़ों की वास्तविक स्थिति जानने की मांग की है।पिछले 3 सालों में लगाए गए पेड़ों की संख्या और उनकी वर्तमान स्थिति,जियो टैगिंग के माध्यम से ट्रैक किए गए पेड़ों का विवरण,सड़क निर्माण में कटे पेड़ों की संख्या और उनकी भरपाई में लगाए गए नए पेड़ों का विवरण। कांग्रेस नेता ने कहा कि सोनभद्र प्रदूषण के कारण एनजीटी की निगरानी में है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या फूल के पौधों को भी वृक्षारोपण में गिना जा रहा है। साथ ही यह भी जानना चाहा कि सरकार का वृक्षारोपण कार्यक्रम वास्तव में जमीन पर दिख रहा है या केवल कागजों तक सीमित है। कार्यक्रम में उपस्थित युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सूरज वर्मा ने कहा कि वृक्ष जीवन की एक कड़ी है और इसमें सभी को हिस्सा लेना चाहिए और रखरखाव भी करना चाहिए, एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष अंशु गुप्ता ने कहा कि सोनभद जनपद में वृक्ष बाहुल्य क्षेत्र है और पौधरोपण आम जनमानस की जीविका एवं प्रदूषण को रोकने के लिए सबसे उपयुक्त साधन है, कांग्रेस नेता मनोज मिश्रा ने कहा कि पौधरोपण केवल करना ही जिम्मेदारियां नहीं होता उसका रखरखाव बचाव भी इसका प्रमुख बिंदु है ,कांग्रेस नेता श्रीकांत मिश्रा ने कहा कि जहां जनपद में वन लंबे समय से काटे जा रहे हैं वहीं अगर पौधरोपण हो रहा है तो एनजीटी की रिपोर्ट जिले के विपरीत क्यों है यह भी देखना अति आवश्यक है। मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में युवा कांग्रेस के जिला महासचिव दयाराम प्रजापति,निगम वियार ,सूरज कुमार ,धर्मेंद्र कोल रहे ।

प्रकृति से जो पाया है उसे लौटाने का प्रयास है पौध-रोपणः बलदेव सिंह, पर्यावरण के संकल्प का प्रकटिकरण है एक पेड़ मां के नामःजगत मोहन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सदर ब्लाक अंतर्गत साधन सहकारी समिति सजौर परिसर में मां के नाम पौध रोपण अभियान के तहत मुख्य अतिथि बलदेव सिंह संचालक जिला सहकारी बैंक लिमिटेड मिर्जापुर सोनभद्र एवं जगत मोहन मिश्रा अध्यक्ष साधन सहकारी समिति सजौर द्वारा पौध रोपण करते हुए आयोजित की गई गोष्ठी मौजूद लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए पौध रोपण के लिए दिलाई गई शपथ। इस दौरान बलदेव सिंह संचालक जिला सहकारी बैंक लिमिटेड मिर्जापुर सोनभद्र, जगत मोहन मिश्रा अध्यक्ष साधन सहकारी समिति सजौर ने बताया कि आज हम सभी लोग प्रकृति से जो पाया है उसे लौटाने का प्रयास है पौध-रोपण वही पर्यावरण संरक्षण के संकल्प का प्रकटिकरण है एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम जिसमें उपस्थित लोगों द्वारा बढ़ चढ़ कर पेड़ लगाने की अपील करते हुए सभी को शपथ के माध्य से संकल्प दिलाया गया।डीडीएम नाबार्ड आनंद कुमार पांडेय व एलडीएम, सलन बागे देवेंद्र प्रताप सिंह सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण और वसुंधरा को संवारने के उनके मन के भाव और संकल्प का प्रकटिकरण है। पौध-रोपण का यह अभियान, परमात्मा से प्रकृति के रूप में जो हमें प्राप्त हुआ है, उसे वापस लौटाने का एक प्रयास भी है। विकास के क्रम में हुए प्रकृति के क्षरण की प्रतिपूर्ति करने और संतुलन बनाए रखने में भी पौध-रोपण से मदद मिल रही है इस मौके पर समिति सचिव कमलेश शर्मा और अमित कुमार, सूरज मिश्रा, बंटी पांडे आशुतोष कुमार मिश्रा (संचालक सदस्य) मनोज चौबे (सभासद नगर पालिका परिषद सोनभद्र)मौजूद रहे।

गुरु पूर्णिमा पर्व, हुआ सद्गुरु पूजन व हवन का आयोजन,भंडारे में भक्तों ने किया प्रसाद ग्रहण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज के मां गायत्री ज्ञान मंदिर परिसर में आदि पर्व गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सद्गुरु पूजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गायत्री परिवार के संस्थापक, अध्यात्मिक चेतना के माध्यम से संपूर्ण विश्व में आध्यात्मिक जागृति फैलाने वाले आचार्य पंडित श्रीराम शर्मा, गुरु माता के चित्र पूजन- अर्चन कर हवन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर जिला समन्वयक राजकुमार 'तरुण' कहा कि-' गुरुजी के नाम मात्र से ही हम सब की समस्याओं का हल हो जाता है, गायत्री परिवार द्वारा आओ गढे संस्कारवान पीढ़ी अभियान से हम सबको जुड़ कर आगामी पीढ़ी को संस्कारवान बनाना चाहिए, आचार्य पंडित श्रीराम शर्मा ने भारत के लोगों को वेद पढ़ने का अधिकार देकर सदियों से वेद अध्ययन पर लगी रोक को हटाया गायत्री परिवार के जिलासह समन्वयक अरविंद कुमार सिंह कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों, श्रद्धालु का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सद्गुरु पूजन, विभिन्न संस्कार संपादित कराए गए एवं आयोजित भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में राजकुमार तरुण, अरविन्द सिंह, दीपक कुमार केसरवानी, प्रकाश केशरी,राम देव, बंशनरायण, लालता प्रसाद, गोविंद उमर, मनोज सिंह, अरूण,मुन्श जी, गीता, कुसुम, प्रतिभा देवी, सूमन, ऊषा,रेखा, पुष्पा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्रकृति का संलुतन बनाये रखने हेतु हर व्यक्ति को पौध रोपण करना जरूरी-डीएम, 1करोड़ 58 लाख 76 हजार 400 पौधा जनपदवासियों ने रोपित किये

सोनभद्र।एक पेड़ मां के नाम लगाने हेतु जनपद में 1करोड़ 58 लाख 76 हजार 400 पौधा जनपदवासियों द्वारा रोपित किये जा रहे हैं।बताते चले कि राज्यमंत्री समाज कल्याण विभाग संजीव कुमार गोंड, विधायक घोरावल डॉ0 अनिल कुमार मौर्य, जिलाधिकारी बी.एन. सिंह, पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष रूबी प्रसाद,सतीश श्रीवास्तव ,पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा,जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, ब्लाक प्रमुख सदर अजीत रावत ने आज मुख्यमंत्री के वृक्षारोपण जन अभियान के अन्तर्गत प्रदेश में 37 करोड़ पौध रोपित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके क्रम में आज ब्लाक राबर्ट्संज के ग्राम पंचायत लोढ़ी में वृक्षारोपण किये। मंत्री ने लोढ़ी में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में उपस्थित जनमानस को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने देशवासियों से एक पेड़ मां के नाम लगाने का एक अभिनव आवाहन किया है। .मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ग्लोबल वार्मिंग से बचाव व पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने हेतु वृक्षारोपण जन अभियान-2025 पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ, चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में एक ही बुधवार को 37 करोड़ पौधे रोपित किए जा रहे हैं, मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील किया है कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के साथ एक पेड़ अवश्य लगाएं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पेड़ लगाना चाहिए, पेड़ लगाओ देश बचाओ अभियान को आगे बढ़ाना है, देश के प्रधानमंत्री ने आह्वान किया है कि एक पेड़ मां के नाम लगाए, मां की ही तरह पेड़ छाया देने का कार्य करते हैं सभी बच्चे अपने घर पर अपनी मां के नाम पर दो पौधे अवश्य लगाये। इस अवसर पर विधायक घोरावल डॉ0 अनिल कुमार मौर्य ने कहा कि जीवन को सुरक्षित रखने के लिए पेड़ लगाना जरूरी है, पेड़ के माध्यम से हमें आक्सीजन व शुद्ध हवा मिलती है और चारों तरफ हरियाली रहती है, एक पेड़ मॉ के नाम अभियान के अन्तर्गत सभी को वृक्ष का रोपण जरूर करना चाहिए। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील की। इस दौरान जिलाधिकारी बी.एन.सिंह ने कहा कि प्रदेश में 37 करोड़ वृक्षारोपण के सापेक्ष जनपद में 1 करोड़ 58 लाख 76 हजार 400 पौधा जनपदवासियों द्वारा रोपित किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनपद लखीमपुर खीरी के बाद जनपद सोनभद्र को सबसे अधिक पौधरोपण का लक्ष्य प्रदेश में मिला है। हम लोग प्रकृति से बहुत कुछ लेते हैं, लेकिन वापस कुछ नहीं देते, प्रकृति का संलुतन बनाये रखने हेतु हर व्यक्ति को वृक्षारोपण जरूर करना चाहिए, पिछले 8 वर्षों से प्रर्देश में वृक्षारोपण का महाभियान मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के नेतृत्व में चलाया जा रहा है, इस अभियान से प्रदेश को यह उपलब्धि प्राप्त हुई है, प्रदेश के वन क्षेत्र में वृद्धि हुई हैं, इसी क्रम में हरितिमा एप के माध्यम से अन्य विभागों द्वारा पौधों का जियो टैगिंग का कार्य किया जाएगा। वृक्षारोपण जन अभियान 2025 में प्रतिभाग कर रहे समस्त विभागों द्वारा वृक्षारोपण के दौरान ली गई फोटोग्राफ,वीडियो संबंधित विभाग द्वारा रजिस्ट्रेशन कर अपलोड किया जाएगा। जनपद में जामुन, आम ,अमरूद ,पीपल, पाकड़ ,बरगद ,आंवला, नीम, शीशम, अर्जुन ,सेमल, कांजी आदि प्रजाति के पौधे रोपित किए जा रहे है।

समाज को एक आईना दिखाने का काम करते हैं गुरुः पुष्पा सिंह भाजपा महिला मोर्चा ने गुरु पूर्णिमा पर गुरु जनों को किया सम्मानित

सोनभद्र। रावटसगंज नगर स्थित राजा शारदा इंटरमीडिएट कॉलेज परिषद में गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु जनों को भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष पुष्पा सिंह के नेतृत्व में अगवस्त देकर किया गया सम्मानित। महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह ने बताया कि सभी धर्म कर्मों में गुरु का दर्जा सबसे सर्वश्रेष्ठ माना गया है सर्वप्रथम गुरु सम्मान से ही मनुष्य का सम्मान होता है गुरुजनों के मार्गदर्शन से एक शिक्षित समाज की उत्पत्ति होती है सदैव अपने तट पर रहने वाले गुरुजनों का सम्मान समारोह कर आशीर्वाद लेने का काम किया गया इस दौरान प्रधानाचार्य डॉक्टर बृजेश कुमार सिंह, कीड़ा सचिव सुनील कुमार राव, राकेश चंद शुक्ला, कविता यादव, रत्ना,सुजाता सिंह शाहिद अन्य को अंग वस्त्र देकर किया गया सम्मानित । इस मौके पर कविता यादव, रितु आग्रहरि, प्रतिभा मोहन,खुशी,रानी,संगीता,अमृता आदि लोग मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी पीडीए जन पंचायत में उमड़ा जन सैलाब

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय प्रभारी अनिल प्रधान ने बताया कि समाजवादी पार्टी जनपद सोनभद्र के विधानसभा घोरावल की बैठक घोरावल में की गई एवं पीडीए जन पंचायत लगाया गया जिसकी अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष बाबूलाल यादव ने किया।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव और विशिष्ट अतिथि में पूर्व विधायक रमेश चंद्र दुबे एवं जिला अध्यक्ष संजय यादव उपस्थित थे। समाजवादी पार्टी के पीडीए जन पंचायत को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहार यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष है ऐसे नेता है जो हर समाज को एक साथ लेकर चलने का काम कर रहे हैं और उनकी लड़ाई सदन से लेकर सड़क तक लड़ने का काम कर रहे हैं । समाजवादी पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जो हर वर्ग को साथ लेकर चलने का काम करती है । समाजवादी पार्टी के एक-एक कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि गांव-गांव जाकर समाजवादी पार्टी की नीतियों को बताने का काम करें और ग्रामीण जनता की समस्याओं को सुनने का काम करें। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक रमेश चंद दुबे एवं पूर्व जिला अध्यक्ष संजय यादव ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार समाजवादी पार्टी के कार्यकाल में हुए सभी कार्यों को बंद कर दिया है और जो कार्य किए थे वह भी आज क्षतिग्रस्त हो रहा है जिससे आम जनता को बहुत बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह केंद्र एवं प्रदेश की सरकार केवल पूंजी पतियों की सरकार है। इसे गरीबों मजदूरों नौजवानों किसानों अल्पसंख्यकों और हर तबके के पिछड़ों से कोई लेना देना नहीं है । यह सरकार केवल पूंजी पतियों की सरकार है। इस सरकार में चारों तरफ हत्याएं लूट बलात्कार एवं यहां तक की सरकारी कार्यालय में चोरी होने पर यदि उसकी शिकायत दर्ज कराई जाती है तो उसका भी पुलिस प्रशासन संज्ञान नहीं ले रहा है तो आम जनता का पुलिस प्रशासन क्या सुनेगी। पीडीए पंचायत में मुख्य रूप से नगर पंचायत घोरावल के अध्यक्ष रमजान अली काजू अग्रहरि लतीफ सुरेश लाल यादव रमेश मिश्रा पप्पू पाल अशोक यादव सुभाष यादव अजय यादव अमरजीत के साथ सैकड़ो पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता और आम जनता उपस्थित थे।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार,सोनभद्र में पीड़िता की शिकायत के 2 दिन बाद ओबरा पुलिस ने पकड़ा

सोनभद्र। सोनभद्र में ओबरा पुलिस ने दुष्कर्म के एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बलिराम (25) के रूप में हुई है। वह ग्राम बैरपुर टोला नदहरी का रहने वाला है। पीड़िता ने 8 जुलाई को थाना ओबरा में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने आरोप लगाया था कि बलिराम ने जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर लिया। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा ने आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार और क्षेत्राधिकारी ओबरा हर्ष पाण्डेय के मार्गदर्शन में टीम ने कार्रवाई की। 10 जुलाई को सुबह करीब 8:30 बजे मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी को गांधी मैदान कस्बा ओबरा के पास से गिरफ्तार कर लिया। प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह और कांस्टेबल अनुराग तिवारी की टीम ने यह कार्रवाई की। आरोपी के खिलाफ धारा 64(2), 352, 351(3) बीएनएस और 67 आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया है।

रेणुकूट में तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रेलर को मारी टक्कर,चालक हुआ फरार, ट्रेलर का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त,कोई हताहत नहीं

सोनभद्र। रेणुकूट के पिपरी थाना क्षेत्र में हनुमान मंदिर के पास बुधवार दोपहर 1:30 बजे एक दुर्घटना हुई। एक तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से आ रही ट्रेलर में टक्कर मार दी। ट्रेलर चालक अवधेश सिंह अनपरा से रायगढ़ की ओर जा रहे थे। उन्होंने सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक को देखकर गाड़ी साइड करने का प्रयास किया। लेकिन ट्रक अनियंत्रित होकर सीधे ट्रेलर से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रेलर के अगले हिस्से को भारी नुकसान पहुंचा। ट्रेलर का अगला शीशा और बायां दरवाजा पूरी तरह टूट गया। हालांकि, इस हादसे में ट्रेलर चालक और खलासी बाल-बाल बच गए। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पिपरी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने यातायात सामान्य कराया और फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

ओबरा में बाइक दुर्घटना में युवक की मौत,परास पानी के पास हादसा, माथे में लगी गंभीर चोट

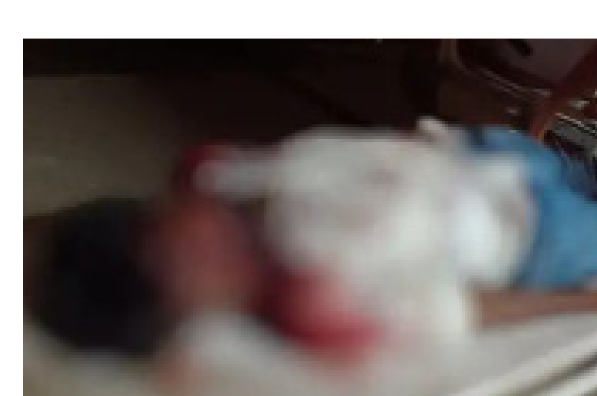

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान भगवान दास गौड़ के रूप में हुई है, जो सोमार गौड़ का पुत्र था। घटना 9 जुलाई की रात करीब 12 बजे की है। भगवान दास अपनी हीरो स्प्लेंडर बाइक (यूपी 64 बीबी 8603) से गुरमुरा से तेल गुड़वा की ओर जा रहा था। परास पानी के पास उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई। दुर्घटना में उनके माथे पर गंभीर चोट आई। घायल को तत्काल एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चोपन ले जाया गया।वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के चाचा संदीप कुमार गोंड ने 10 जुलाई को थाने में लिखित सूचना दी। थाना चोपन के एसएसआई उमाशंकर यादव ने बताया कि आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सामान्य है और कानून व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है।

सोनभद्र के नौ डीहा में बिजली संकट,किसानों को कृषि कार्यों में परेशानी,नियमित आपूर्ति की मांग

सोनभद्र। सोनभद्र जिले के कोन ब्लॉक स्थित ग्राम सभा नौ डीहा में बिजली आपूर्ति की गंभीर समस्या सामने आई है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बिजली कटौती से उनका दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। विशेष रूप से किसानों को कृषि कार्यों में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली की अनियमित आपूर्ति से सिंचाई कार्य बाधित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से बिजली कटौती न करने का आग्रह किया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि नियमित बिजली आपूर्ति से न केवल कृषि कार्य सुचारू रूप से चल सकेंगे, बल्कि उनका दैनिक जीवन भी सामान्य हो सकेगा। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से इस समस्या का जल्द समाधान करने की मांग की है।

तुम घबरा गए, जीवन की सबसे बड़ी भूल... ब्रायन लारा का रिकॉर्ड नहीं तोड़ने पर वियान मुल्डर को किसने लताड़ा?

नई दिल्ली। वियान मुल्डर के दक्षिण अफ्रीका की पारी घोषित करने के फैसले ने क्रिकेट जगत को दो फाड़ कर दिया है। मुल्डर 367 रन पर नाबाद थे, जो ब्रायन लारा के 400 रनों के विश्व रिकॉर्ड से सिर्फ 33 रन कम था। उनके इस फैसले पर पूर्व वेस्टइंडीज के कप्तान क्रिस गेल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है, जो खुद दो तिहरे शतक (श्रीलंका के खिलाफ 333 और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 317) लगा चुके हैं। गेल ने कहा कि जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट में लारा के 400 के रिकॉर्ड को तोड़ने की कोशिश न करके मुल्डर ने 'घबराकर गलती' की। वियान मुल्डर ने तोड़ा हाशिम अमला का रिकॉर्ड मुल्डर ने हाशिम अमला के 311 के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज द्वारा सर्वोच्च स्कोर बनाया और टेस्ट पारी में सर्वकालिक सर्वोच्च स्कोर बनाने वालों की सूची में पांचवें स्थान पर पहुंच गए। यह किसी बल्लेबाज द्वारा घर से बाहर बनाया गया सर्वोच्च स्कोर भी था, जिसने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर के पाकिस्तान के खिलाफ 334 के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। मुल्डर ने अपना तिहरा शतक 297 गेंदों में पूरा किया, जो वीरेंद्र सहवाग के चेन्नई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 278 गेंदों के रिकॉर्ड के बाद टेस्ट इतिहास का दूसरा सबसे तेज तिहरा शतक था।मुल्डर के पास 2004 में

इंग्लैंड के खिलाफ लारा के 400 के रिकॉर्ड को पार करने का सुनहरा अवसर था, लेकिन उन्होंने ऐसा न करने का फैसला किया, यह कहते हुए कि रिकॉर्ड लारा जैसे दिग्गजों के पास रहना चाहिए। रिकॉर्ड का पीछा न करने का उनका तर्क उनके 367 पर पारी घोषित करने के फैसले जितना ही चर्चा में रहा। वियान मुल्डर की इस पारी पर प्रतिक्रिया देते हुए, क्रिस गेल ने कहा कि वह लारा के रिकॉर्ड को तोड़ने का प्रयास करते क्योंकि टेस्ट क्रिकेट में 400 रन बनाने का मौका बारबार नहीं मिलता। टॉकस्पोर्ट के हॉक्सबी और जैकब्स पर गेल ने कहा, 'अगर मुझे 400 रन बनाने का मौका मिलता, तो मैं 400 रन बनाता।'गेल ने आगे कहा, 'ऐसा अक्सर नहीं होता। आपको नहीं पता कि आप फिर से तिहरा शतक कब लगाएंगे। जब भी आपको ऐसा मौका मिले, आप उसका अधिकतम लाभ उठाने की कोशिश करें। लेकिन वह इतने उदार थे और कहा कि वह रिकॉर्ड ब्रायन लारा के साथ रहना चाहते थे। शायद वह घबरा गए थे; उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उस स्थिति में क्या करें।' मुल्डर ने दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड के साथ अपनी बातचीत का भी खुलासा किया, जिन्होंने उनसे कहा था, 'दिग्गजों को बड़े स्कोर रखने दें।'इस पर गेल ने कहा कि अगर आप दिग्गज नहीं बनना चाहते तो आप कभी नहीं बन पाएंगे। अरे, तुम 367 पर हो, तुम्हें रिकॉर्ड पर एक मौका लेना होगा। अगर तुम एक दिग्गज बनना चाहते हो, तो तुम दिग्गज कैसे बनोगे? रिकॉर्ड दिग्गज होने के साथ आते हैं। मुझे लगता है कि उनकी तरफ से एक गलती थी, इसे हासिल करने की कोशिश न करना। हम नहीं जानते कि वह इसे हासिल कर पाते या नहीं। लेकिन उन्होंने 367 पर पारी घोषित कर दी और उन्होंने वही कहा जो उन्हें कहना था। लेकिन सुनो, टेस्ट मैच में 400 रन बनाना जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर है। अरे, तुमने बड़ी गलती कर दी। गेल ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में विपक्षी टीम कोई मायने नहीं रखती। एक रिकॉर्ड एक रिकॉर्ड होता है और टेस्ट स्तर पर किसी भी टीम के खिलाफ स्कोर करना मुश्किल होता है। गेल ने कहा- यह वही क्रिकेट है, टेस्ट क्रिकेट। 'कभीकभी आप जिम्बाब्वे जैसी टीम के खिलाफ एक रन भी नहीं बना सकते, अगर आप इसे उस तरह से रखना चाहते हैं। विरोधी कोई मायने नहीं रखता, अगर आप किसी भी टीम के खिलाफ 100 रन बनाते हैं, तो वह एक टेस्ट शतक है। अगर आप दोहरा या तिहरा, 400 बनाते हैं, तो वह टेस्ट क्रिकेट है। यह परम खेल है।' यूनिवर्स बॉस ने एक बार फिर जोर देकर कहा कि मुल्डर घबरा गए और उन्होंने गलती की।

दाल में बनते हैं झाग? डाइटिशियन ने कहा खाना भी मत, शरीर के लिए हद से ज्यादा खतरनाक

नयी दिल्ली। डाइट में दाल लेना बहुत हेल्दी है। यह शरीर की ताकत बढ़ाने में मदद करती है। साथ में खूब सारा प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल मिलते हैं। हाई कोलेस्ट्रॉल और मोटापे में इन्हें जरूर खाना चाहिए। लेकिन क्या आप इसे बनाने का सही तरीका जानते हैं। क्योंकि गलत तरीके से पकाने पर दाल में झाग बन जाते हैं जो कि खतरनाक हो सकते हैं।

डाइटिशियन रमिता कौर का कहना है कि दाल और फलियों को उबालने या पकाने पर झाग बनते हैं। यह शरीर के लिए हानिकारक हो सकते हैं। ऐसा इसके अंदर मौजूद एक कंपाउंड की वजह से होता है। जो बॉडी को नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने इन्हें पकाने से पहले एक काम करने की सलाह दी है।फैबेसी और लेग्युमिनसी फैमिली के खाद्य पदार्थों को फलियां कहा जाता है। सारी दाल और फलियां इसी कुल से आती हैं। इसमें सबसे आम मूंग दाल, उड़द दाल, अरहर आदि सारी दालें, फावा बीन्स, मूंगफली, छोटे, राजमा आदि आते हैं। यह काफी पौष्टिक होते हैं और पाचन को बेहतर बनाते हैं।दाल और फलियों में मौजूद सैपोनिन से झाग बनता है। इनके अंदर सैपोनिन नाम का ग्लाइकोसाइड होता है। जब यह पानी के संपर्क में आता है तो घुल जाता है। उबलने पर यह हवा को फंसा लेता है और झाग बना देता है।डाइटिशियन रमिता कौर के मुताबिक दाल में मौजूद सैपोनिन खतरनाक होता है। क्योंकि ग्लाइकोसाइड का नेचुरल स्ट्रक्चर डैमेज होता है और ऐसे पदार्थ का सेवन हानिकारक हो सकता है। इसलिए दाल से इस झाग को हटा देना चाहिए। इसके लिए चम्मच की मदद ले सकते हैं।इस झाग को खाने से पेट और पाचन की दिक्कतें होती हैं। इसमें ब्लोटिंग, एसिडिटी, सीने में जलन और अपच सबसे आम हैं। यह परेशानी दिखने में काफी आम हैं, लेकिन लंबे समय में रोजमर्रा की जिंदगी को काफी प्रभावित कर सकती हैं।पाचन से जुड़ी इन परेशानियों से बचने के लिए दाल, छोले, फलियों आदि को भिगोकर रखें। आप इन्हें रातभर भिगोकर रख सकते हैं, जिससे इनका डायजेशन आसान हो जाता है। पकाने के दौरान इस झाग को हटा भी दें। डिस्क्लेमरः लेख में दिए गए नुस्खे की जानकारी व दावे पूरी तरह से इंस्टाग्राम पर प्रकाशित रील पर आधारित हैं। एनबीटी इसकी सत्यता, सटीकता और असर की जिम्मेदारी नहीं लेता है। किसी भी तरह के नुस्खे को आजमाने से पहले किसी एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

फीफा रैंकिंग में भारतीय फुटबॉल टीम 6 स्थान फिसली,133वें स्थान में पहुंची; 9 सालों में सबसे खराब रैंकिंग

नयी दिल्ली। भारतीय मेंस फुटबॉल टीम को इंटरनेशनल फेडरेशन कोच मैनोलो मार्केज ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ से नाराज चल रहे एशिया के 46 देशों में भारत 24वें स्थान पर है। एशियाई देशों में जापान खराब प्रदर्शन के चलते पूर्व कप्तान और स्टार स्ट्राइकर सुनील छेत्री को रिटायरमेंट के

फुटबॉल एसोसिएशन की रैंकिंग में 6 स्थान का नुकसान हुआ है।

टीम अब 133वें स्थान पर पहुंच गई है, जो पिछले 9 सालों में सबसे खराब रैंकिंग है। भारत को 4 जून को थाईलैंड के खिलाफ इंटरनेशनल फ्रेंडली में 0-2 से हार मिली थी। इसके बाद एशियन कप क्वालिफायर में लोअर रैंक टीम हांगकांग ने भारत को 1-0 से हरा दिया। इन खराब प्रदर्शन के चलते हैं।

उन्होंने एक हफ्ते पहले ही टीम के कोच पद से इस्तीफा दे दिया। 2016 के बाद सबसे खराब रैंकिंग इससे पहले भारत की सबसे खराब रैंकिंग दिसंबर 2016 में 135 थी। भारत की अब तक की सर्वश्रेष्ठ फीफा रैंकिंग 94 रही है, जो फरवरी 1996 में मिली थी। एशिया में 24वां स्थान भारत के अब 1113.22 अंक हैं, जो पहले 1132.03 थे।

(17वां स्थान) टॉप पर है।एशियन कप 2027 क्वालिफाई करना मुश्किल हांगकांग से हार के बाद भारत की 2027 एशियन कप में क्वालिफाई करने की उम्मीदों को झटका लगा है। कोच मार्केज के अंडर टीम ने आखिरी 8 में सिर्फ 1 मैच मार्च में मालदीव के खिलाफ जीता। इस साल का प्रदर्शन बेहद कमजोर 2025 में भारत ने अब तक 4 इंटरनेशनल मैच खेले, जिसमें 1 जीता, 1 ड्रॉ किया और 2 हारे।

बाद वापस बुलाया गया, लेकिन टीम की किस्मत नहीं बदली।भारत का अगला मैच अक्टूबर में अब भारत को अक्टूबर में एशियन कप क्वालिफायर के तीसरे राउंड में सिंगापुर के खिलाफ बाहर (अवे) मैच खेलना है। दुनिया में अर्जेंटीना नंबर 1 फीफा की कुल 210 टीमों में अर्जेंटीना पहले, उसके बाद स्पेन, फ्रांस, इंग्लैंड, ब्राजील, पुर्तगाल, नीदरलैंड, बेल्जियम, जर्मनी और क्रोएशिया टॉप-10 में हैं।

डॉक्टर की चेतावनी, टाइट बेल्ट न पहनें,ब्लड सर्कुलेशन पर असर, हर्निया का रिस्क

नयी दिल्ली। आजकल लोग पैंट में टाइट बेल्ट पहनना स्टाइल और स्मार्टनेस की निशानी मानते हैं। खासकर पुरुषों में यह आम चलन बन गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर बेल्ट जरूरत से ज्यादा टाइट हो तो यह धीरे-धीरे आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। पेट पर दबाव डालने वाली यह आदत गैस, कमर दर्द से

लेकर गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है। जानेंगे एक्सपर्टः डॉ. बी. ए. चौरसिया, कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई जी से कुछ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- टाइट बेल्ट पहनना क्यों खतरनाक है? जवाब- जब आप टाइट बेल्ट पहनते हैं तो पेट, कमर और आसपास की नसों पर जरूरत से ज्यादा दबाव पड़ता है। इससे खाना ठीक से नहीं पचता है। गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है। लंबे समय तक टाइट बेल्ट पहनने से कमर दर्द, रीढ़ की हड्डी पर असर और पैरों में सुन्नपन जैसा महसूस होना भी शुरू हो सकता है। यह आदत धीरे-धीरे गंभीर हो सकती है।सवाल- टाइट बेल्ट पहनने से पुरुषों की प्रजनन क्षमता कैसे प्रभावित होती है? जवाब- डॉ. बी. ए. चौरसिया बताते हैं कि टाइट बेल्ट पहनने से पेल्विक एरिया यानी कमर और निचले पेट पर ज्यादा दबाव पड़ता है। इससे उस हिस्से का ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होता है और तापमान बढ़ जाता है। स्पर्म बनने के लिए पेल्विक एरिया का तापमान सामान्य से थोड़ा कम होना जरूरी होता है। टाइट बेल्ट की वजह से तापमान बढ़ने से स्पर्म की क्वालिटी और उनकी संख्या दोनों कम हो सकते हैं। लंबे समय तक टाइट बेल्ट से पुरुषों की फर्टिलिटी पर नेगेटिव असर पड़ सकता है है। सवाल- टाइट बेल्ट ब्लड सर्कुलेशन को कैसे प्रभावित करती है? जवाब- टाइट बेल्ट से कमर और पेट के आसपास की नसों और ब्लड वेसल्स पर दबाव पड़ता है। इससे वहां खून का सही तरीके से फ्लो नहीं हो पाता है, जिससे ब्लड सर्कुलेशन धीमा हो सकता है। सवाल- टाइट बेल्ट पहनने से पाचन से जुड़ी समस्याएं क्यों हो सकती हैं? जवाब- टाइट बेल्ट पेट पर ऐसा दबाव डालती है जैसे पाचन तंत्र पर 'टॉर्निकेट' यानी कसाव लग जाना। इससे एसिड रिफ्लक्स, गैस और बदहजमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। सवाल- किन संकेतों से पहचान सकते हैं कि बेल्ट ज्यादा टाइट है? जवाब- अगर बेल्ट कसते ही आपको सांस लेने या हिलने-डुलने में दिक्कत हो, पेट या कमर में दर्द हो या बेल्ट की वजह से आपकी स्किन पर निशान पड़ जाएं तो समझिए बेल्ट बहुत टाइट है। बेल्ट इतनी होनी चाहिए कि आप आसानी से बैठ सकें और सांस ले सकें।सवाल- बेल्ट पहनते समय क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- बेल्ट पहनते समय कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि पहनने में न सिर्फ आराम मिले, बल्कि लंबे समय तक इसका सही इस्तेमाल भी हो सके। हमेशा अपनी कमर के साइज के अनुसार ही बेल्ट चुनें, बहुत टाइट या ढीली बेल्ट कमर पर दबाव डाल सकती है या बार-बार ढीली होकर गिर सकती है। साथ ही बेल्ट को उस होल में लगाएं, जिससे पकड़ मजबूत बने और शरीर पर जरूरत से ज्यादा खिंचाव न आए।सवाल- बच्चों और युवाओं के लिए टाइट बेल्ट पहनना कितना सही है? जवाब- बच्चों और युवाओं को टाइट बेल्ट पहनने से बचना चाहिए क्योंकि उनकी हड्डियां, मांसपेशियां अभी विकास के प्रोसेस में होते हैं। बहुत टाइट बेल्ट पहनने से कमर और पेट पर लगातार दबाव पड़ता है, जिससे पाचन तंत्र, ब्लड सर्कुलेशन और रीढ़ की हड्डी पर नेगेटिव असर पड़ सकता है। इसलिए सही तरीका यह है कि- बेल्ट कभी भी इतनी टाइट न हो कि सांस लेने या झुकने में तकलीफ हो। बच्चों को बेल्ट की बजाय इलास्टिक वाली कमरबंद पैंट पहनाना बेहतर होता है। युवाओं को हमेशा अपनी कमर के नाप के हिसाब से बेल्ट चुननी चाहिए और उसे आरामदायक होल में लगाना चाहिए। खेलते वक्त या लंबे समय तक बैठने की स्थिति में बेल्ट ढीली कर लेनी चाहिए ताकि शरीर पर दबाव न पड़े।सवाल- क्या महिलाओं के लिए भी टाइट बेल्ट पहनना नुकसानदायक हो सकता है? जवाब- हां, महिलाओं के लिए भी टाइट बेल्ट पहनना नुकसानदायक हो सकता है। उनके लिए बेहतर है कि- बेल्ट पहनते वक्त हमेशा कमर के नाप के हिसाब से ढीला और लचीला विकल्प चुनें। लंबे समय तक बैठने या काम करने की स्थिति में इलास्टिक या ड्रॉस्ट्रिंग वाले बॉटम्स ज्यादा आरामदायक होते हैं। फैशन के लिए बेल्ट पहना भी जाए तो केवल हल्के और शरीर से सटे नहीं रहने वाले विकल्प चुनें। सवाल- क्या टाइट बेल्ट पहनने की आदत से होने वाली समस्याएं समय के साथ ठीक हो सकती हैं?जवाब- हां, अगर टाइट बेल्ट

पहनने से होने वाली समस्याएं शुरुआती स्तर पर हैं और समय रहते आदत बदल दी जाए तो अधिकतर समस्याएं धीरे-धीरे ठीक हो सकती हैं। ऐसी स्थिति में सुधार में समय लगता है और कभी-कभी चिकित्सा या सर्जरी की भी जरूरत पड़ सकती है। इसलिए बेहतर यही है कि समय रहते सावधानी बरती जाए और बेल्ट पहनते समय शरीर को आराम देने वाली फिटिंग को प्राथमिकता दी जाए।

लॉर्ड्स के म्यूजियम में सचिन तेंदुलकर की पेंटिंग,18 साल पुरानी फोटो से बनी है, अगले साल यहां से हटकर लॉर्ड्स के पवेलियन में लगेगी

लंदन। लॉर्ड्स के फेमस मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) म्यूजियम में

क्रिकेट के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की एक खास पेंटिंग का उद्घाटन किया गया।भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट मैच की शुरुआत से पहले यह इवेंट हुआ। यह पेंटिंग आर्टिस्ट स्टुअर्ट पियर्सन राइट ने बनाई है, जो एक फोटो के आधार पर तैयार की गई है। यह फोटो उन्होंने सचिन के घर पर करीब 18 साल पहले ली थी। यह पेंटिंग इस साल के अंत तक एमसीसी म्यूजियम में रहेगी, इसके बाद इसे लॉर्ड्स के ऐतिहासिक पवेलियन में लगाया जाएगा।यह मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान हैः तेंदुलकर तेंदुलकर ने इस अवसर पर कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। 1983 में जब भारत ने वर्ल्ड कप जीता था, तब मैंने पहली बार लॉर्ड्स को देखा था। मैंने हमारे कप्तान कपिल देव को ट्रॉफी उठाते देखा था, और वहीं से मेरी क्रिकेट यात्रा शुरू हुई थी। आज जब मेरी पेंटिंग लॉर्ड्स के पवेलियन में लगी है, तो लगता है कि मेरी यात्रा अब पूरी हो गई है। अपने करियर को याद करता हूं तो चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। यह पल बेहद खास है। इस पेंटिंग की खास बात यह है कि यह फुल-लेंथ नहीं है, जैसा कि पहले की पेंटिंग्स थीं, बल्कि यह सचिन के सिर्फ सिर और कंधों पर बनी हैं।मैंने नए तरीके से बनायाः राइट कलाकार स्टुअर्ट राइट ने कहा, एमसीसी नहीं चाहता था कि यह पेंटिंग भी पहले जैसी हो, इसलिए मैंने एक नया तरीका अपनाया। मैंने सचिन के चेहरे पर ध्यान केंद्रित किया। उन्हें हीरो की तरह दिखाने के लिए पेंटिंग को बड़ा आकार दिया। उन्होंने आगे कहा कि मैंने हमेशा बैकग्राउंड को साधारण रखा है ताकि ध्यान सिर्फ व्यक्ति पर बना रहे। यह पेंटिंग सचिन तेंदुलकर के लंबे और गौरवशाली करियर के लिए हैं। घिसे हुए एल्यूमीनियम से बनाया गया पेंटिंग रिलीज में बताया गया कि जैसे-जैसे पेंटिंग पर काम आगे बढ़ा, कलाकार ने इसमें बदलाव किए और आखिर में यह अब्रेसिव एल्युमिनियम (घिसे हुए एल्यूमिनियम) पर तेल चित्र के रूप में तैयार हुई।इसका बैकग्राउंड ऐब्स्ट्रैक्ट है, जो सचिन की पुरानी बैटिंग को दर्शाता है। राइट इससे पहले कपिल देव, बिशन सिंह बेदी और दिलिप वेंगसरकर की भी पेंटिंग बना चुके हैं।एमसीसी का 'लॉर्ड्स पोर्ट्रेट प्रोग्राम' पिछले 30 सालों से चल रहा है, लेकिन एमसीसी ने 1950 के दशक से ही कला और ऐतिहासिक चीजें इकट्ठा करना शुरू किया था। एमसीसी म्यूजियम यूरोप का सबसे पुराना स्पोर्ट्स म्यूजियम है। 'लॉन्ग रूम गैलरी' को खेल जगत की सबसे ऐतिहासिक गैलरी माना जाता है। एमसीसी के पास करीब 3,000 तस्वीरें हैं, जिनमें से लगभग 300 पोर्ट्रेट्स हैं।

प्रेग्नेंसी में मां की इस 1 आदत से शिशु के दिमाग पर पड़ता है बुरा असर, पैदा हो सकता है डरपोक बच्चा

नयी दिल्ली। यूं तो तनाव किसी भी परिस्थिति में ठीक नहीं होता, लेकिन अगर कोई महिला प्रेग्नेंसी के दौरान स्थिति में महिला के शरीर में 'कॉर्टिसोल' जैसे स्ट्रेस हार्मोन बनते हैं। ये हार्मोन प्लेसेंटा के जरिए सीधे गर्भ में पल रहे बच्चे

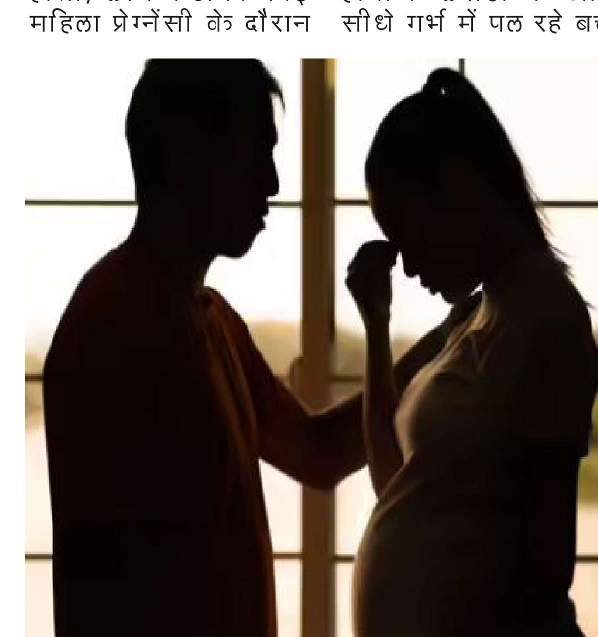

स्ट्रेस लेती है, तो इसका असर सिर्फ उसके स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि गर्भ में पल रहे शिशु पर भी गंभीर रूप से पड़ सकता है। कई रिसर्च में यह बात सामने आई है कि गर्भावस्था में मां के तनाव लेने से बच्चे की फिजिकल और मेंटल ग्रोथ प्रभावित हो सकती है। वहीं, इस विषय में डॉक्टर समरा मसूद ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक अहम जानकारी साझा की है, जिसमें उन्होंने बताया है कि प्रेग्नेंसी में स्ट्रेस किस तरह बच्चे को डरपोक, चिड़चिड़ा या एग्रेसिव बना सकता है। उन्होंने और क्या कुछ कहा, आइए जानते हैं विस्तार से।स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर समरा मसूद की ओर से जारी पोस्ट में कहा गया है कि प्रेग्नेंट महिला पर चिल्लाने से सिर्फ उसका नहीं, बल्कि गर्भ में पल रहे बच्चे का भी नुकसान होता है। दरअसल, जब पति या फिर कोई शख्स गुस्से में गर्भवती महिला पर चिल्लाता है, तो प्रेग्नेंट महिला को डर या घबराहट होने लगती है।गायनेकोलॉजिस्ट ओर से जारी पोस्ट में आगे बताया गया है कि इस तक पहुंचते हैं।डॉक्टर आगे बताती हैं कि अगर मां प्रेग्नेंसी के दौरान बार-बार या लंबे समय तक ज्यादा तनाव में रहती है, तो इसका सीधा असर बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास पर पड़ सकता है।डॉक्टर मसूद कहती हैं कि रिसर्च के अनुसार, प्रेग्नेंसी में अगर मां लंबे समय तक स्ट्रेस में रहती है, तो उसका असर बच्चे के स्वभाव पर भी पड़ सकता है। ऐसे बच्चे आगे चलकर ज्यादा बेचैन, डरे हुए या गुस्सैल हो सकते हैं।गायनेकोलॉजिस्ट के मुताबिक, मां के लगातार तनाव में रहने से प्रेग्नेंसी में भी कॉम्प्लिकेशन हो सकते हैं, जैसे- हाई बीपी, लो बर्थ वेट या फिर प्रीमैच्योर डिलीवरी तक हो सकती है। इसलिए महिलाएं इस बात का ध्यान रखें।डॉक्टर की ओर से जारी पोस्ट में यह भी कहा गया है कि सभी लोग यह ध्यान रखें कि प्रेग्नेंट महिला को प्यार, सम्मान और इमोशनल सपोर्ट दें, जिससे वह तनाव से दूर रहें। डिस्क्लेमरः लेख में दी गई सूचना इंस्टाग्राम रील पर आधारित है। एनबीटी इसकी सत्यता, सटीकता और असर की जिम्मेदारी नहीं लेता है।

किन देशों से करें फ्री में हायर एजुकेशन बीएससी के साथ कैसे करें बीएससी आयुर्वेद

नयी दिल्ली। आज हम दो सवालों का जवाब दे रहे हैं। आज के दोनों ही सवाल स्टूडेंट्स के हैं।

पहला सवाल है कपिल जी का और दूसरा सवाल है कमलेन्द्र जी का। उनका कहना है मैंने 12वीं बायो से 85फीसदी प्राप्त किए हैं। बीएससी में एडमिशन का फॉर्म लगा दिया है और एडमिशन भी ले लिए हैं। मैं इसके साथ क्या आयुर्वेद बीएससी नर्सिंग कर सकता हूं। इसपर श्वेता खन्ना भंड़ाल बताती हैं- आप एक साथ बीएससी नर्सिंग और बीएससी आयुर्वेद दोनों ही कर सकते हैं। लेकिन सलाह रहेगी कि आप जनरल बीएससी ऑनलाइन कर लें और बीएससी आयुर्वेद ऑफलाइन कर लें। इससे आपके समय की बचत हो सकती है और आपको दोनों डिग्रियों में एक साथ ज्यादा समय देना होगा। उनकी दूसरी जिज्ञासा -मैं अभी फाइनल ईयर बीटेक इन आईटी से कर रहा हूं। मैं फ्यूचर में मास्टर्स विदेश के किसी संस्थान से करना चाहता हूं। तो ऐसे देश का सुझाव दीजिए जहां फीस कम हो, या प्री ऑफ कॉस्ट हो। सीनियर करियर काउंसलर रत्ना पंथ बताती हैं- आप जर्मनी, नॉर्वे, फिनलैंड और चेक रिपब्लिक जैसे देशों से ये डिग्री कर सकते हैं। जर्मनी में पब्लिक यूनिवर्सिटी में पढ़ाई फ्री ऑफ कॉस्ट होती है। सिर्फ आपको लिविंग कॉस्ट देना होगा, जो सालाना 15-20 लाख रुपए तक हो सकती है। ये निर्भर करता है कि आप किस शहर में रह रहे हैं। इसके बाद आपको अप्लाई करने में कुछ बातों का ख्याल रखना होगा जैसे सबसे पहले आपको आईईएलटीएस का एग्जाम देना होगा जो कि इंग्लिश स्पीकिंग के लिए होता है इसमें आपको 6.5 स्कोर करना जरूरी होगा। इसके साथ ही आपको एसओपी यानी स्टेटमेंट ऑफ पर्पज देना होगा और लेटर ऑफ रिकमन्डेशन भी देना होगा। इसके साथ ही एकेडमिक इवोल्यूशन सेंटर सर्टिफिकेट लगाना होगा। इसके लिए डीड या यूनी असिस्ट पर जाकर अप्लाई करना होगा।

लखनऊ में आबकारी विभाग का इन्वेस्टर्स समिट कल,8 हजार करोड़ निवेश की उम्मीद, मंत्री नितिन अग्रवाल बोले- 1 ट्रिलियन इकोनॉमी लक्ष्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर

के लक्ष्य तक पहुंचाने की दिशा में आबकारी विभाग पहली बार इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन करने जा रहा है। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में कल यानी बुधवार को यह समिट होगा। इस एक दिवसीय आयोजन में पुराने निवेशकों से लेकर नए निवेश के इच्छुक उद्योगपतियों तक को आमंत्रित किया गया है। विभाग ने इसे तीन श्रेणियों में बांटा है, जिसमें न सिर्फ नए निवेश के लिए एमओयू साइन होंगे, बल्कि पहले से जुड़े निवेशकों को भी धरातल पर उतारने की दिशा में ठोस बातचीत होगी।तीन वर्गों में बंटेगा इन्वेस्टमेंट सेशन- वे इन्वेस्टर्स जो पहले से आबकारी विभाग के साथ काम कर रहे हैं। वे जिनका एमओयू पहले से साइन है, लेकिन किसी कारणवश निवेश की प्रक्रिया में रुकावट आई है। वे नए निवेशक जो आबकारी क्षेत्र में पहली बार निवेश करना चाहते हैं। आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने बताया कि बीते वर्षों में विभाग ने सालाना औसतन 15 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की है। इससे राज्य की राजस्व आय में जबरदस्त इजाफा हुआ है। एक्साइज नीति में किए गए बदलावों के कारण निवेशकों का रुझान लगातार बढ़ा है। इसका प्रमाण यह है कि ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 2.0 में विभाग से जुड़े 46 निवेशकों ने 8 हजार करोड़ रुपए के निवेश की प्रतिबद्धता जताई थी। 100 डिस्टलरियों का लक्ष्य, 90 पहले से संचालित आबकारी मंत्री ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में 90 डिस्टलरी कार्यरत हैं। विभाग का लक्ष्य है कि अगले एक वर्ष में यह संख्या 100 तक पहुंचाई जाए। इसके लिए नई नीतियों और निवेशकों को दी जाने वाली सुविधाओं को और सशक्त किया जा रहा है। इस समिट के जरिए लोकल किसानों को भी फायदा पहुंचाने की योजना तैयार की जा रही है। ऐसे उत्पाद जिनसे शराब या अन्य अल्कोहोलिक प्रोडक्ट तैयार होते हैं, उनका मूल्य किसानों को बेहतर रूप में दिलाने की नीति बनाई जा रही है। इससे प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। 'सिंगल विंडो सिस्टम' से मिलेगी सभी मंजूरियां- निवेशकों की सुविधा के लिए आबकारी विभाग 'सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम' लागू कर रहा है, जिससे सभी अनुमतियां एक ही जगह से मिल सकेंगी। इससे लालफीताशाही से मुक्ति मिलेगी और निवेश की प्रक्रिया तेज होगी। नितिन अग्रवाल ने कहा कि 'हमारा प्रदेश भले ही लैंडलॉक्ड है, लेकिन आज यूपी निवेशकों की पहली पसंद बन चुका है। एक्साइज पॉलिसी में किए गए सुधारों और निवेश मित्र वातावरण के चलते निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ा है।' कांवड़ रूट पर शराब दुकानें ढकने का कोई निर्देश नहीं शराब दुकानों को ढकने को लेकर विभाग की ओर से कांवड़ यात्रा मार्ग पर कोई स्पष्ट निर्देश नहीं दिया गया है। इस बारे में निर्णय जिला प्रशासन को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार लेने को कहा गया है। शिरा और अल्कोहल उत्पादन में यूपी ने देश में एक मजबूत पहचान बनाई है। आबकारी विभाग का प्रयास है कि निवेश के नए अवसरों के साथ-साथ प्रदेश को अल्कोहल आधारित उद्योगों का हब बनाया जाए।

बड़ी लड़ाई में हारकर छोटी सफलताएं बटोर रहा है पाक

आश्चर्य की ही बात कहलाएगी कि पाकिस्तान अपने घरेलू सियासी संघर्षों और घिसटती अर्थव्यवस्था के बावजूद अमेरिका, रूस और चीन जैसी महाशक्तियों की नजर में एक प्रमुख क्षेत्रीय खिलाड़ी बना हुआ है। यही कारण था कि वह 193 में से 182 सीटों के बड़े समर्थन के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट पाने में सफल रहा। जनवरी से दो साल के लिए इसका कार्यकाल शुरू होगा। पहलगाम हमले के कुछ ही सप्ताह बाद संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान को यूएन 1373 आतंकरोधी समिति का उपाध्यक्ष और 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया था। यह बताता है कि स्वयं संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादियों में से सबसे ज्यादा को पनाह देने वाले पाकिस्तान को विश्व कैसे देखता है। यह भारतीय कूटनीति की विफलता को भी बताता है। लेकिन अंदरूनी तौर पर पाकिस्तान में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। मई 2023 में इमरान खान की गिरफ्तारी के वक्त पाकिस्तान में भारी राजनीतिक उथल-पुथल मची थी। बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए, जिनमें कई सेवारत फौजियों के परिजन भी शामिल थे। कई सैन्य ठिकानों, रावलपिंडी स्थित जीएचक्यू और कोर कमांडर के घर तक पर हमले हुए। 2024 में पाकिस्तान नेशनल असेंबली के चुनाव में भी ऐसी ही अशांति देखी गई थी। भले ही इमरान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ का चुनाव चिह्न छिन गया, लेकिन इसके बावजूद उसके द्वारा समर्थित 100 निर्दलीय चुनाव जीते। यह असेंबली की कुल सीटों के लिहाज से सबसे बड़ा हिस्सा था। ये तब है जब चुनाव में पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के पक्ष में हेराफेरी हुई थी। पीएमएल (एन) और बिलावल भुट्टो की गठबंधन सरकार अब विश्वसनी?यता खो रही है। कोई आश्चर्य नहीं कि हाल के भारत-पाक संघर्ष को भुना कर खुद को फील्ड मार्शल बनाने वाले आसिम मुनीर जल्द ही इस सरकार को हाशिए पर धकेल दें। भारत के साथ टकराव के बाद पाकिस्तान अपनी जीत-हार को लेकर भले कुछ भी कहता हो, लेकिन तथ्य यह है कि भारत ने ना सिर्फ पाकिस्तानी मिसाइलों, ड्रोन हमलों से अपनी सफलतापूर्वक सुरक्षा की, बल्कि पाकिस्तान की एयर डिफेंस प्रणाली को भी ध्वस्त कर दिया। लड़ाई खत्म होते-होते भारत इस स्थिति में आ गया था कि वह पाकिस्तान में जहां चाहे, हमला कर सकता था। भारत ने रावलपिंडी में पाकिस्तानी सैन्य मुख्यालय के समीप नूरखान और कई अन्य हवाई ठिकानों पर हमला कर इसे साबित भी कर दिया। लेकिन इस सबके बावजूद पाकिस्तान इस लड़ाई को लेकर दुनिया के सामने अपना नैरेटिव पेश करने में बेहतर रहा। भारत के लचर सूचना प्रबंधन के चलते पाकिस्तान को जीत का दावा करने का मौका ?मिल गया। भारतीय कूटनीतिक दबाव को हटाकर वो यह बताने में सफल रहा कि पहलगाम हमले में उसका हाथ नहीं था। 60 से अधिक देशों ने पहलगाम हमले की निंदा की पर एक ने भी पाकिस्तान को दोष नहीं दिया।

'भारत को हाफिज सईद-मसूद अजहर सौंपने को तैयार', बिलावल के बयान पर घमासान; लश्कर और पीटीआई का पलटवार

नयी दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी ने एक बड़ा बयान

दिया है। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान को भारत को हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकवादियों को सौंपने में कोई आपत्ति नहीं है, अगर भारत सहयोग करने को तैयार हो। उन्होंने इसे भारत-पाक के बीच विश्वास बहाली का कदम बताया।न्यूज़ एजेंसी अल जजीरा को दिए इंटरव्यू में बिलावल ने कहा, 'अगर भारत-पाकिस्तान के बीच व्यापक वार्ता होती है और उसमें आतंकवाद पर चर्चा होती है, तो पाकिस्तान को किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को सौंपने में कोई परेशानी नहीं होगी।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में हाफिज सईद और मसूद अजहर के खिलाफ जो मामले चले हैं, वो मुख्यतः आतंकवाद के लिए फंडिंग से जुड़े हैं। लेकिन भारत से सबूत और गवाह नहीं आने के कारण, सीमा पार आतंकवाद के मामलों पर कार्रवाई करना मुश्किल हो गया है। बिलावल ने यह भी दावा किया कि हाफिज सईद जेल में है, जबकि मसूद अजहर अफगानिस्तान में छिपा हुआ है। उन्होंने कहा 'अगर भारत यह जानकारी देता है कि मसूद अजहर पाकिस्तान में है, तो हम उसे गिरफ्तार करने को तैयार हैं'।बिलावल के बयान के बाद हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। तल्हा, जो खुद भी एक वैश्विक आतंकी घोषित किया जा चुका है, ने कहा, 'बिलावल का बयान पूरी तरह गलत है और इससे पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचा है।' तल्हा ने कहा कि उनके परिवार और समर्थकों ने हमेशा भारत को किसी भी आतंकी के सौंपने का विरोध किया है और बिलावल को ऐसा बयान देकर पाकिस्तान को शर्मिंदा नहीं करना चाहिए था।पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के हाफिज सईद और मसूद अजहर के प्रत्यर्पण वाले बयान पर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी भड़क गई। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने बिलावल को बच्चा करार देते हुए कहा कि पता नहीं वह भारत को खुश करने के लिए इतना उत्सुक क्यों हैं। पीटीआई के प्रवक्ता शेख वकास अकरम ने कहा कि पीपीपी नेता बिलावल राजनीति में अपरिपक्व हैं। बिलावल का प्रस्ताव गलत है और पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ठीक नहीं है और ऐसे बयान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश को अपमानित करते हैं।कौन हैं हाफिज सईद और मसूद अजहर? हाफिज सईद- लश्कर-ए-तैयबा का सरगना, जिसे 26/11 मुंबई आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड माना जाता है। फिलहाल पाकिस्तान में 33 साल की सजा काट रहा है, लेकिन भारत का मानना है कि उसे अब भी विशेष सुविधा मिल रही है। मसूद अजहर-जैश-ए-मोहम्मद का मुखिया, जो भारत में कई आतंकी हमलों से जुड़ा है, जिसमें 2001 संसद हमला, 2008 मुंबई हमला, 2016 पठानकोट हमला, 2019 पुलवामा हमला शामिल है। उसे 1999 में कंधार विमान अपहरण कांड के दौरान छोड़ा गया था। पाकिस्तान की दोहरी नीति? हालांकि पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर पर लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद को प्रतिबंधित कर रखा है, लेकिन भारत और कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों का आरोप है कि ये आतंकी संगठन पाकिस्तान में आज भी खुलेआम काम करते हैं और इन्हें सेना या खुफिया एजेंसी आईएसआई का समर्थन मिलता है।

गणितीय ज्ञान की कमी के कारण हम पर कौन हावी होगा?

क्या आपको याद है जब पूरी प्राथमिक कक्षा एक सुर में 'एक एकम एक, एक दूनी दो' से लेकर '16 एकम 16, 16 दूनी 32' तक दोहराती थी। वास्तव में उस वक्त वो 1 से 16 तक के पहाड़े याद कर रही होती थी। जब तक हम 1 से 16 तक के पहाड़े याद करने में पारंगत नहीं हो जाते थे, उन दिनों में हमारे गणित के टीचर ब्लैक बोर्ड पर कुछ भी नहीं लिखते थे। और इसका नतीजा आज हम देख रहे हैं। उस बुनियाद के बल पर ही हम यह गणना तत्काल कर लेते हैं कि राशन वाले को कितने पैसे देने हैं और य?दि किसी वस्तु पर 23 फीसदी छूट है तो हम कितनी बचत कर लेंगे। फिर कैलकुलेटर आए। धीरे-धीरे बच्चे हमसे सवाल करने लगे कि पहाड़े क्यों पढ़ें? जोर-जोर से पहाड़ों का दोहराना खत्म हो गया। फिर हाल ही चैटबॉट आया, जो यदि आप अपनी मातृभाषा में भी कुछ बड़बड़ाओ, तो भी आपकी पसंद की भाषा में वाक्य बना देगा। अब वो दिन दूर नहीं, जब अगली पीढ़ी सवाल करेगी कि वे भाषा भी क्यों पढ़ें। अब सीधे जुलाई 2025 पर आते हैं। ये हैरतअंगेज आंकड़ा है कि नवीं कक्षा के 63इ विद्यार्थी अंकों का सामान्य पैटर्न पहचानने में भी विफल रहे हैं। उन्हें भिन्न व पूर्णांक जैसे सामान्य अंकों की समझ नहीं है। भारत में छठी कक्षा के स्कूली छात्र पुस्तकों के मुख्य पाठों को ही नहीं समझ पाते। पिछले साल दिसंबर में शिक्षा मंत्रालय की ओर से कराए 'परख' राष्ट्रीय सर्वे में ये निष्कर्ष निकला है, जिसे पूर्व में राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण कहते थे। सर्वे में 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 781 जिलों में स्थि?त 74,229 स्कूलों के तीसरी, छठी और नवीं कक्षा के 21,15,022 विद्यार्थियों का आकलन किया गया। इसमें पाया गया कि छठी कक्षा के 54फीसदी विद्यार्थी पूर्णांकों की तुलना करने और बड़ी संख्याओं को पढ़ने में असफल रहे। यह देश की शिक्षा प्रणाली में सीखने की कमजोरी को दर्शाता है। सर्वे में कहा गया कि छात्रों को 7 के गुणज, 3 की घात, अभाज्य संख्याएं पहचानने और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए प्रतिशत व भिन्न की गणना करने में भी परेशानी होती है। तो फिर हमारी खरीद के भुगतान, वेतन, ओवरटाइम की गणना करते वक्त हमारे जीवन पर कौन हावी होने जा रहा है? बेशक, एआई? यह कहकर इसे खारिज मत कर देना कि एआई को हमारे रोजमर्रा के जीवन में दखल देने में अभी बहुत समय लगेगा। याद करो कि कैसे 1835 में घोड़ा गाड़ी मालिकों ने 1830 में यूके में लिवरपूल से मैनचेस्टर तक शुरू हुई दुनिया की पहली रेल के प्रभाव को खारिज किया था। उन्होंने कहा कि रेल यातायात कभी भी उनके व्यवसाय पर भारी नहीं पड़ेगा। और रेल ने ना सिर्फ उनके व्यवसाय को खत्म कर दिया, बल्कि कुछ वर्षों में ही पूरे विश्व में औद्योगिक क्रांति को भी गति दी। 'सेपियन्स' के लेखक युवाल नोआ हरारी से जब मीडिया ने पूछा कि क्या एआई के युग में मानव की क्षमता कम हो जाएगी? उन्होंने जवाब दिया कि 'मुझे लगता है, जिन क्षेत्रों में हम सबसे पहले बड़े बदलाव देखेंगे, उनमें वि?त्तीय प्रणाली शामिल है।' क्योंकि वित्त शुद्ध रूप से एक सूचना संबंधी क्षेत्र है। सेल्फ ड्राइविंग वाहन आधुनिक जीवन पर अभी बहुत असर नहीं छोड़ पाए हैं, क्योंकि वे अभी पैदल चलने वालों की आदतें (बुरी आदतें) और गड्ढों के बारे में सीख रहे हैं। पर वित्त के मामले में ये 'इंफॉर्मेशन इन' और 'इंफॉर्मेशन आउट' का मामला ही है। इसीलिए इस क्षेत्र पर नियंत्रण कर लेना एआई के लिए बहुत आसान होगा। हरारी का पूर्वानुमान है कि एक बार एआई वित्त क्षेत्र में हावी हुआ तो यह उन उपकरणों में निवेश शुरू कर देगा, गणितीय जटिलताओं के कारण मानव मस्तिष्क जिनसे निपटने में अक्षम है। अब ऊपर बताए पहाड़ों को देखें, जिन्हें दोहराना बंद करने के कारण हमारे बच्चे अंकों के साथ मजबूत रिश्ता नहीं बना पाए। मोबाइल ने नंबर्स याद रखने की हमारी मेमोरी छीन ली। कोई भी ये मानने से इनकार नहीं कर सकता कि एआई गणना कर सकने वाला एक एजेंट तो है, लेकिन ऐसा औजार नहीं जिसका नियंत्रण हमारे हाथों में हो।

इजराइल ने ट्रम्प को नोबेल के लिए नॉमिनेट किया,नेतन्याहू बोले- आप इसके हकदार, पाकिस्तान पहले नॉमिनेट कर चुका

नयी दिल्ली। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया है। नेतन्याहू ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में ट्रम्प से मुलाकात के दौरान इसकी जानकारी दी। नेतन्याहू ने कहा, 'मैं आपको वह लेटर दिखाना चाहता हूं जो मैंने नोबेल पुरस्कार कमेटी को भेजा है। इसमें आपको शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया है। आप इसके हकदार हैं। आपको यह मिलना चाहिए।' नेतन्याहू ने बताया कि उन्होंने यह फैसला मिडिल ईस्ट में शांति के लिए ट्रम्प की तरफ से की जा रही कोशिशों के मद्देनजर किया है। इजराइल से पहले पाकिस्तान ने 20 जून को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ट्रम्प के नाम की सिफारिश की थी। इससे पहले ट्रम्प भी कई बार कह चुके हैं कि उन्होंने कई देशों के बीच जंग रुकवाई और उन्हें नोबेल मिलना चाहिए। उन्होंने 22 जून को कहा था, 'मुझे नोबेल शांति पुरस्कार 4-5 बार मिलना चाहिए था। लेकिन वे मुझे ये पुरस्कार नहीं देंगे क्योंकि वे इसे केवल लिबरल्स को देते हैं।' राष्ट्रपति ट्रम्प ने मंगलवार को फिर से दावा किया कि उनकी सरकार ने भारत और पाकिस्तान के बीच एक बहुत बड़ी लड़ाई को रोक दिया।

इसके साथ ही उन्होंने कोसोवो-सर्बिया और रवांडा-कांगो के बीच संघर्ष रोकने का दावा किया। ट्रम्प ने कहा- हमने कई झगड़े रोके, जिनमें भारत और पाकिस्तान का बहुत बड़ा विवाद शामिल था। हमने दोनों देशों से कहा कि अगर आप आपस में लड़ेंगे, तो हम आपके साथ कोई व्यापारिक संबंध नहीं रखेंगे। वे शायद परमाणु युद्ध के स्तर पर थे। इसे रोकना बहुत जरूरी था।पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने 18 जून को ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में मुलाकात की थी। यह मुलाकात मुनीर के ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार देने की मांग वाले बयान के बाद हुई। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने बताया कि मुनीर ने ट्रम्प को मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने का क्रेडिट दिया है। उनके इस बयान के सम्मान में ट्रम्प ने उन्हें लंच पर बुलाया था। इसके दो दिन बाद पाकिस्तानी सरकार ने अपने ऑफिशियल स्टेटमेंट में कहा कि ट्रम्प ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों से बात कर संघर्षविराम में अहम भूमिका निभाई। इससे दो न्यूक्लियर ताकत वाले देशों के बीच युद्ध की आशंका टल गई। पाकिस्तान ने कहा कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान ट्रम्प की कूटनीतिक पहल और मध्यस्थता ने एक बड़े युद्ध को टालने में मदद की। नोबेल प्राइज 2026 के लिए ऑफिशियल रजिस्ट्रेशन सितंबर में शुरू किए जाएंगे। हालांकि, अभी अंतिम तारिख का ऐलान नहीं किया गया है। 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 31 जनवरी थी।2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए 338 नॉमिनेशन किए गए। इनमें से 244 व्यक्ति और 94 संगठन थे। 2023 में इस पुरस्कार के 286 उम्मीदवार नामांकित थे। 2016 में सबसे अधिक 376 नॉमिनेशन हुए थे। नोबेल प्राइज वेबसाइट के मुताबिक उनकी ओर से किसी भी फील्ड में नोबेल के लिए नॉमिनेट होने वाले लोगों के नाम अगले 50 साल तक उजागर नहीं किए जाते हैं।

मौसम का विरोधाभासी व्यवहार चिंताजनक संकेत देता है

आज दुनिया में मौसम जिस तरह से चकमा दे रहा है और पारिस्थितिकी-तंत्र जैसे रूप बदल रहा है, उसे किस तरह से लिया जाए? एक तरफ तो ये वर्ष दुनिया के लिए गर्म रहा, वहीं अपने देश में सब कुछ सामान्य दिखाई दिया। इतना ही नहीं, मौसम के पैटर्न ने पारिस्थितिकी समझ को भी चकरा दिया। इस वर्ष कुछ देशों में गर्मी ने फिर वही हालात बनाए रखे, जैसे कि गत वर्षों में थे। और अन्य जगह सब कुछ सामान्य से नीचे स्तर का था। इसके पीछे कई कारण रहे हैं, विशेषकर उत्तरी गोलार्ध में पश्चिम-मध्य एशिया, पूर्वोत्तर रूस और पश्चिमी अंटार्कटिका में अत्यधिक गर्मी दर्ज की गई, जबकि हडसन खाड़ी से लेकर उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और पूर्वी अंटार्कटिका तक अपेक्षाकृत ठंडक बनी रही। भारत भी इन असमान व्यवहार वाले क्षेत्रों में शामिल रहा। इस तरह का मौसम-व्यवहार कई बातों की ओर इशारा करता है। अब हमारे पास देश से जुड़ी भी कई असामान्य खबरें हैं। भारत के कई हिस्सों में मई के दौरान सामान्य से 20-40 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई और तापमान 4 से 6 डिग्री तक गिर गया।वे शहर जो आमतौर पर अधिक तापमान के लिए जाने जाते हैं- जैसे दिल्ली, लखनऊ, पटना-वहां इस बार की गर्मियों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। दुनिया में महत्वपूर्ण खबर यह रही कि ग्रीनलैंड और आइसलैंड में बर्फ पिघलने की घटनाएं सामने आईं।

वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन समूह के वैज्ञानिकों ने बताया कि वहां तापमान

3 डिग्री तक बढ़ गया, जिससे भारी मात्रा में बर्फ पिघली। इसका कारण मानवीय गतिविधियां तो हैं ही, यह भी देखा गया कि कई अन्य क्षेत्रों में तापमान गत वर्षों की प्रवृत्ति जैसा ही रहा। मई का महीना दुनिया भर में अब तक का सबसे गर्म महीना पाया गया। क्लाइमेट चेंज सर्विस की रिपोर्ट में बताया गया कि मई में वैश्विक सतह तापमान 1850-1900 के औद्योगिक युग की तुलना में 1.4 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। परंतु, भारत, अलास्का, दक्षिण अफ्रीका और पूर्वी एशिया जैसे क्षेत्रों में मई का तापमान सामान्य से नीचे रहा था। इस तरह का विरोधाभासी मौसम व्यवहार यह स्पष्ट करता है कि क्लाइमेट के सिस्टम में बड़ी गड़बड़ हो चुकी है। 2025 में सतह का औसत तापमान 15.79 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 1991-2020 की तुलना में 0.5 डिग्री अधिक था। यह 2020-2024 की सबसे गर्म मई से केवल 0.12 डिग्री कम था। इससे स्पष्ट है कि वैश्विक तापमान में मामूली गिरावट तो है, परंतु मौसम का असामान्य व्यवहार बना हुआ है। यह वृद्धि मुख्यतः जीवाश्म ईंधनों के जलने से हुए उत्सर्जन का परिणाम है। रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले 22 में से 21 महीने ऐसे रहे हैं, जिनमें वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। इससे पहले मार्च, अप्रैल और फरवरी भी इतिहास के सबसे गर्म महीनों में शामिल रहे। भारत में फरवरी 2025, पिछले 125 वर्षों में सबसे गर्म रहा। परंतु मई और जून के महीने ला-नीना प्रभाव के कारण अपेक्षाकृत शीतल रहे। इस दौरान भारत और दुनिया भर में जनवरी का महीना सबसे गर्म साबित हुआ। इन सभी घटनाओं को देखकर चौंकना स्वाभाविक है। 2025 में भारत का मौसम अपेक्षाकृत कम गर्म रहा। देश ने इस बार कोई गंभीर लू जैसी स्थिति नहीं झेली। अधिकतम तापमान लगभग 35 डिग्री के आसपास रहा। इसका एक प्रमुख कारण यह रहा कि समय-समय पर मौसम ने करवट बदली और बारिश हुई। इस वर्ष पश्चिमी विक्षोभ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन सबसे असामान्य बात यह रही कि इस बार मानसून समय से पहले आ गया। सामान्यतः मानसून जुलाई तक सक्रिय होता है, लेकिन इस बार समुद्री सतह के तापमान के बढ़ने के कारण यह जल्दी सक्रिय हो गया। समुद्र का लगातार ऊष्ण रहना भी अब नियमित हो चुका है। इसका मतलब है कि अब साल भर किसी न किसी रूप में बारिश देखने को मिल सकती है। जहां पहले कभी बारिश नहीं होती थी, जैसे राजस्थान जैसे शुष्क क्षेत्रों में भी वर्षा संभावित है, और जहां अत्यधिक वर्षा होती थी- जैसे पूर्वोत्तर भारत, वहां विपरीत प्रभाव दिख सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

यूपी की शिक्षा मंत्री गुलाब देवी का हापुड़ में एक्सीडेंट-सिर में गंभीर चोट

हापुड़। यूपी की माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी (70 साल) का मंगलवार को हापुड़ में एक्सीडेंट हो गया। उनकी एक्सयूवी पुलिस जीप से टकरा गई। सिर में चोट लगने के कारण गंभीर रूप से घायल हुई हैं। वहीं, ड्राइवर सतबीर के हाथ में चोट लगी है। हादसे के बाद मंत्री की गाड़ी में लगे एयरबैग नहीं खुले। मंत्री और ड्राइवर को रामा अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। डीएम अभिषेक पांडे और एसपी ज्ञानंजय सिंह मौके पर पहुंचे। सीएमओ डॉक्टर सुनील त्यागी की टीम मंत्री का इलाज कर रही है। मंत्री के सिर की एमआरआई कराई जा रही है। दरअसल, मंत्री गुलाब देवी मंगलवार दोपहर दिल्ली से मुरादाबाद की तरफ जा रही थीं। उनकी एक्सयूवी के आगे पुलिस जीप चल रही थी। पिलखुआ थाना क्षेत्र में छिजारसी टोल प्लाजा के पास पुलिस जीप के आगे चल रही प्राइवेट गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगाया। इसलिए पुलिस जीप के ड्राइवर को भी

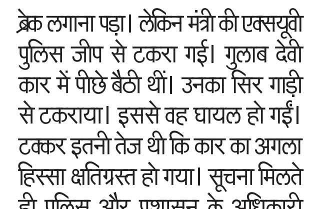

ब्रेक लगाना पड़ा। लेकिन मंत्री की एक्सयूवी पुलिस जीप से टकरा गई। गुलाब देवी कार में पीछे बैठी थीं। उनका सिर गाड़ी से टकराया। इससे वह घायल हो गईं। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। मंत्री को स्कॉर्पियो में बिठाकर टोल प्लाजा से करीब एक किमी दूरी पर स्थित रामा अस्पताल में भर्ती कराया गया।पिलखुवा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक पटनीश कुमार ने बताया, क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त कार को सड़क से हटवाकर यातायात बहाल कराया गया है।मंत्री गुलाब देवी की एक्सयूवी के ड्राइवर सतबीर ने बताया, मैंने टोल क्रॉस किया। अभी ठीक से कार का गेयर भी नहीं लग पाया था। तभी आगे वाली गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगा दी। एस्कॉर्ट वाली गाड़ी आगे चल रही थी। उसने भी अचानक ब्रेक लगा दी। उससे बचने के चक्कर में मेरी गाड़ी टकरा गई।सीएम योगी आदित्यनाथ और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने घायल मंत्री का हाल जाना है। सीएम ने डीएम अभिषेक पांडेय को फोन कर मंत्री से बात की। सीएम ने बेहतर इलाज के निर्देश दिए।

एक्स की सीईओ लिंडा याकारिनो ने इस्तीफा दिया,अब मस्क की एआई कंपनी एक्सएआई के साथ काम करेंगी

नयी दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स की सीईओ लिंडा याकारिनो ने दो साल काम करने के बाद बुधवार (9 जुलाई) को इस्तीफा दे दिया है। लिंडा ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी। लिंडा ने लिखा, 'वे अब ग्रोक चैटबॉट बनाने वाली मस्क की एआई कंपनी एक्स एआई के साथ काम करेंगी।' हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया कि वे एक्स एआई में किस पद पर काम करेंगी। लिंडा ने पोस्ट कर लिखा, 'इलॉन मस्क के साथ जब मैंने पहली बार एक्स के लिए उनके विजन पर बात की थी, तब मुझे पता था कि यह मेरे लिए एक खास मौका होगा। मैं उनकी इस जिम्मेदारी के लिए आभारी हूं, जिसमें मैंने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बचाने, कंपनी को नई दिशा देने और एक्स को 'एवरीथिंग एप' में बदलने का काम किया।' उन्होंने एक्स की टीम की तारीफ करते हुए कहा कि 'उनके साथ मिलकर कंपनी में ऐतिहासिक बदलाव किए हैं। हमने सबसे पहले यूजर्स की सेफ्टी पर ध्यान दिया (खासकर बच्चों की) और विज्ञापनदाताओं का भरोसा फिर से जीता। इस टीम ने दिन-रात मेहनत की और कम्युनिटी नोट्स जैसे नए इनोवेशन्स से लेकर जल्द आने वाले एक्स मनी तक के लिए काम किया।' मस्क ने लिंडा के इस्तीफे के ऐलान पर सिर्फ 5 शब्दों में जवाब दिया। 'आपके योगदान के लिए धन्यवाद।'कम्युनिटी नोट्सः ये एक यूजर-बेस्ड फैक्ट-चेकिंग फीचर है। इसमें लोग पोस्ट्स पर गलत या भ्रामक जानकारी को हाइलाइट कर सकते हैं। इसका मकसद था मिसइन्फॉर्मेशन को कम करना और प्लेटफॉर्म को भरोसेमंद बनाना। पेमेंट सर्विसः लिंडा की अगुआई में एक्स ने एक नया फाइनेंशियल सर्विस फीचर शुरू करने की तैयारी की, जिसे एक्स मनी कहा गया। ये एक पेमेंट प्लेटफॉर्म है, जो यूजर्स को पैसे भेजने-लेने की सुविधा देगा, जैसे चीन का वी चैट। इसकी लॉन्चिंग उनके जाने से पहले होने वाली थी। ब्रांड सेफ्टी और एडवर्टाइजिंग टूल्सः लिंडा ने विज्ञापनदाताओं को वापस लाने के लिए कई टूल्स और पॉलिसीज शुरू कीं, जैसे कि ब्रांड सेफ्टी कंट्रोल्स।

इनसे एडवरटाइजर्स ये चुन सकते थे कि उनकी विज्ञापन नफरत भरे कंटेंट, अश्लील सामग्री, या हिंसक पोस्ट्स के पास न दिखें। इससे एपल, कॉमकास्ट, डिज्नी, और आईबीएम जैसे बड़े ब्रांड्स फिर से एक्स पर लौटे।लिंडा ग्रोक चैटबॉट बनाने वाली एआई कंपनी एक्सएआई के साथ काम करेंगी। पहली बार एक्सएआई के बारे में अप्रैल में जानकारी सामने आई थी। तब द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बताया था कि एलन मस्क ने 9 मार्च 2023 को एक्सएआई नाम की नई कंपनी बनाई है। अमेरिका के टेक्सास शहर के नेवादा में कंपनी का हेडक्वॉर्टर है और मस्क इसके एकमात्र लिस्टेड डायरेक्टर हैं। मस्क के फैमिली ऑफिस के डायरेक्टर जेरेड बिर्चेल को कंपनी का सेक्रेटरी बनाया गया है।59 साल की लिंडा एनबीसी यूनिवर्सल मीडिया एलएलसी में ग्लोबल ऐडवर्टाइजिंग एंड पार्टनरशिप्स की चेयरमैन हैं। 2011 में एनबीसी यूनिवर्सल मीडिया से जुड़ने के बाद उन्होंने कंपनी के लिए वन प्लेटफॉर्म क्रिएट किया था। वन प्लेटफॉर्म ने प्रीमियम वीडियो ईकोसिस्टम को बदल दिया। ये प्लेटफॉर्म ऐडवर्टाइजर्स को सभी स्क्रीन और फॉर्मेट में ऑडियंस तक रीच करने में मदद करता है।एपल, गूगल जैसे ब्रांड्स के साथ कॉमर्शियल पार्टनरशिप के लिए भी लिंडा जानी जाती हैं। वहीं फॉर्च्यून, फोर्ब्स जैसे पब्लिकेशन उन्हें प्रभावशाली और शक्तिशाली महिला चुन चुके हैं। लिंडा के एजुकेशन की बात करें तो उनके पास पेन स्टेट यूनिवर्सिटी से लिबरल आर्ट्स में डिग्री हैं। लिंडा की शादी क्लाउड पीटर माद्राजो से हुई है। दोनों इटैलियन मूल के हैं और न्यूयॉर्क में रहते हैं। 27 अक्टूबर 2022 को ट्विटर खरीदने के बाद मस्क ने सबसे पहले कंपनी के चार टॉप ऑफिशियल्स को निकाला था। इनमें सीईओ पराग अग्रवाल, फाइनेंस चीफ नेड सेगल, लीगल एग्जीक्यूटिव विजया गड्डे और सीन एडगेट शामिल थे। जब मस्क ने एक्स की कमान संभाली थी, तो उसमे करीब 7500 एम्पलाई थे, लेकिन अब 2500 के करीब ही बचे हैं। नवंबर 2022 में मस्क ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई ब्लॉक अकाउंट को अनब्लॉक कर दिया था। उन्होंने एक्स पर ट्रंप की वापसी को लेकर एक पोल किया था। उन्होंने पूछा था, क्या प्रेसिडेंट ट्रंप का अकाउंट बहाल किया जाना चाहिए। हां या ना। 1.5 करोड़ से ज्यादा यूजर्स ने वोटिंग में हिस्सा लिया और 52फीसदी लोगों ने हां में जवाब दिया था।12 दिसंबर 2022 को इलॉन मस्क ने कुछ देशों में 8 डॉलर प्रति महीने में ब्लू सब्सक्रिप्शन लॉन्च किया था। फरवरी 2023 में इसे भारत में वेब यूजर्स के लिए 650 रुपए मोबाइल के लिए 900 रुपए महीने में लॉन्च किया था। इसमें ब्लू टिक, लंबे वीडियो पोस्ट समेत कई सारे फीचर्स मिलते हैं। मस्क ने बाद में इस सर्विस का नाम ट्विटर ब्लू से बदलकर एक्स प्रीमियम कर दिया। 20 अप्रैल 2023 को मस्क ने अपने प्लेटफॉर्म से सभी लीगेसी ब्लू चेक मार्क हटा दिए थे। ब्लू चेक मार्क पहले राजनेताओं, प्रसिद्ध हस्तियों, पत्रकारों और अन्य सार्वजनिक हस्तियों के वेरिफाइड अकाउंट के लिए रिजर्व था। मस्क ने इसे सब्सक्रिप्शन सर्विस में जोड़ दिया था। अब सब्सक्रिप्शन वाले यूजर को ट्विटर की टीम के रिव्यू के बाद ही ब्लू चेकमार्क मिलता है।मस्क ने पोस्ट की कैरेक्टर लिमिट 280 से बढ़ाकर 25,000 कर दी है। जब ये कंपनी बनी थी तब कैरेक्टर लिमिट 140 थी। पोस्ट पढ़ने की लिमिट भी अप्लाय की है। वेरिफाइड यूजर एक दिन में सिर्फ दस हजार पोस्ट पढ़ सकते हैं। अनवैरिफाइड यूजर एक हजार पोस्ट, वहीं नए अनवेरिफाइड यूजर रोजाना सिर्फ 500 पोस्ट ही पढ़ सकते हैं।5 जून 2023 को लिंडा याकारिनो ने कंपनी के सीईओ के तौर पर जॉइन किया था। इससे पहले वो एनबीसी यूनिवर्सल में ग्लोबल ऐडवरटाइजिंग एंड पार्टनरशिप की चेयरमैन थीं। लिंडा को मस्क ने कंपनी का सीईओ बनाया था। लिंडा से पहले वो खुद ये जिम्मेदारी संभाल रहे थे।24 जुलाई 23 को इलॉन मस्क ने सबसे बड़ा बदलाव करते हुए 'ट्विटर' का नाम और लोगो बदलकर एक्स कर दिया था। नाम बदलने पर मस्क ने कहा था- आने वाले महीनों में ट्विटर सभी तरह की फाइनेंशियल सर्विस प्रोवाइड करेगी। ऐसे में ट्विटर नाम का कोई मतलब नहीं है। वहीं सीईओ लिंडा याकारिनो ने कहा- एआई पावर्ड 'एक्स' हमें उन तरीकों से कनेक्ट करेगा जिनकी हम अभी कल्पना करना शुरू कर रहे हैं। इलॉन मस्क ने एक्स पर वीडियो अपलोड करने सीमा को बढ़ा दिया है। प्रीमियम यूजर्स 4 घंटे तक के वीडियो अपलोड कर सकते हैं। नॉन-प्रीमियम यूजर्स के लिए सीमा 140 सेकंड है। एक्स ने शॉर्ट वीडियो फीचर शुरू किया। इसमें एक डेडिकेटेड 'वीडियो' टैब जोड़ा गया है। उन्होंने जून 2023 में ट्विटर की लीडरशिप संभाली थी, तब मस्क ने 44 बिलियन डॉलर में इस प्लेटफॉर्म को खरीदा और इसका नाम बदलकर एक्स कर दिया। लिंडा प्लेटफॉर्म में कम्युनिटी नोट्स जैसे फीचर्स लेकर आईं और यूजर्स की सिक्योरिटी को लेकर कई बदलाव किए। लिंडा ने पोस्ट में कंपनी के मालिक इलॉन मस्क को अवसर देने के लिए धन्यवाद दिया।

रूस से एसयू-57 जेट न खरीदे भारत... पुतिन ने दिया पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमान का ऑफर, एक्सपर्ट ने चीन कनेक्शन पर चेताया

मॉस्को। रूस भारत का पुराना रक्षा सहयोगी है। दशकों से भारत के हथियार आयात का बड़ा हिस्सा रूस से आता रहा है। हाल ही में रूस ने अपने पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट एसयू-57 को भारत को देने की पेशकश की है। सिर्फ इतना ही नहीं, रूस इसके साथ सोर्स कोड और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर भी करने को तैयार है। हालांकि, रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को रूस के एसयू-57 स्टील्थ लड़ाकू विमान को लेकर ज्यादा उत्साह नहीं दिखाना चाहिए। पूर्व वायुसेना अधिकारी अजय अहलावत का कहना है कि भारत को पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के आयात को अस्वीकार कर देना चाहिए। अजय अहलावत की टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब रूस के एसयू-57 के लिए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की पेशकश के बाद लड़ाकू जेट खरीद पर बहस तेज हो गई है। उन्होंने कहा कि आयात के बजाय प्रधानमंत्री कार्यालय की प्रत्यक्ष निगरानी में अपने स्वदेशी एएमसीए (एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट) प्रोग्राम को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने रूस के एसयू-57 और अमेरिकी एफ-35 दोनों को बुरा विकल्प बताया। एसयू-57 में उन्होंने चीनी सामान होने को लेकर चिंता

जताई।पूर्व वायुसेना अधिकारी ने एक्स पर लिखा, 'सबसे अच्छा यह होगा कि हम एफजीएफए (पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान) के आयात के विकल्प को खत्म कर दें। हमारे पास दो बुरे विकल्प हैं। एफ -35 के साथ शर्तें जुड़ी हुई हैं। अमेरिका पर भरोसा नहीं किया जा सकता कि वह एक पूर्वानुमानित विदेश नीति बनाएगा। एसयू-57 वास्तव में एफजीएफए नहीं है। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स, एवियॉनिक्स और चिप्स का बड़ा हिस्सा चीन से आता है।' उन्होंने आगे लिखा, 'कल्पना करें कि आप अपने उपकरण विक्रेता के साथ गोलीबारी युद्ध में हैं।'अहलावत में एएमसीए को एकमात्र व्यवहार्य विकल्प बताया और इस कार्यक्रम को पीएमओ के अधीन लाने की मांग की। इसे राष्ट्रीय महत्व का मिशन घोषित करने की मांग करते हुए उन्होंने लिखा, भारतीय वायु सेना के 3 स्टार अधिकारी को कार्यक्रम के प्रमुख के रूप में नामित करें, जो राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को रिपोर्ट करे। सभी एजेंसियों इसके अधीन हों। इसके पहले सोमवार को पूर्व एयर मार्शल संजीव कपूर ने एसयू-57 के लिए रूस के प्रस्ताव का जिक्र किया और सुझाव दिया कि भारत को इस पर विचार करना चाहिए। उन्होंने एक्स पर लिखा, गुरुवार को पुतिन की यात्रा से ठीक पहले, रूस ने हमारे लिए एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा, जिसमें एचएएल नासिक में एसयू-57ई के सह-उत्पादन के लिए पूर्ण टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और 117 लड़ाकू विमानों के लिए भारत के एमआरएफए टेंडर में एसयू-35श जेट की सीधी डिलिवरी शामिल है। इस डबल ऑफर में स्थानीयकरण और सोर्स कोड देने का वादा भी है। यह भारत के मेक इन इंडिया और हमारी वायु शक्ति महत्वाकांक्षाओं के लिए एक रणनीतिक बढ़ावा है।

भारत के खिलाफ साथ देने का धन्यवाद... तुर्की के मंत्रियों को शहबाज-मुनीर ने कहा शुक्रिया, रक्षा साझेदारी पर बड़ा ऐलान

नयी दिल्ली। पाकिस्तान और तुर्की ने अपने रक्षा सहयोग को बेहतर करने पर जोर दिया है। खासतौर से एयरोस्पेस और युद्ध क्षेत्र में साझेदारी बेहतर करने पर दोनों देश सहमत हुए हैं। ये फैसले तुर्की के विदेश मंत्री फिदान हाकन और रक्षा मंत्री यासर गुलेर की इस्लामाबाद में पाकिस्तानी मंत्रियों के साथ बैठक में लिए गए। फिदान हाकान और यासर गुलेर बुधवार को इस्लामाबाद पहुंचे हैं। इसके बाद दोनों ने पाकिस्तानी सरकार और सैन्य नेतृत्व के साथ मुलाकात की है। इस दौरान भारत की चर्चा भी हुई, खासतौर से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मदद के लिए पाक की ओर से तुर्की का धन्यवाद किया गया है। पाकिस्तानी मीडिया ने बताया है कि तुर्की और पाक के बीच एयरोस्पेस साझेदारी और युद्ध के नए क्षेत्रों में सहयोग पर विशेषतौर पर चर्चा हुई है। पाकिस्तान और तुर्की ने हालिया वर्षों में अपना सैन्य सहयोग लगातार बढ़ाया है। भारत के खिलाफ सैन्य संघर्ष में तुर्की ने पाकिस्तान को मदद की थी। तुर्की ने मई में भारत के साथ संघर्ष के बाद पाकिस्तान को अपना समर्थन बढ़ाया है। अब एरोस्पेस में ये सहयोग बढ़ने जा रहा है। ऐसे में

दोनों देशों में नई साझेदारियैं भारकत के लिए चिंता का सबब बन सकती हैं।तुर्की के विदेश मंत्री फिदान हाकन और रक्षा मंत्री यासर गुलेर इस्लामाबाद में पाक विदेश मंत्री इशाक डार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, पाक आर्मी चीफ सैयद असीम मुनीर, आईएसआई के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक और दूसरे अहम अधिकारियों से बात की है। पाक प्रधानमंत्री ने कहा कि तुर्की उनके देश का भरोसेमंद सहयोगी है। इन संबंधों को बेहतर करने पर और ज्यादा काम किया जाएगा।शहबाज शरीफ ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान को अटूट समर्थन के लिए तुर्की का एक बार फिर धन्यवाद किया। शहबाज ने आने वाले दिनों में पाक-तुर्किये संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में बदलने की बात कही है। दोनों देशों की ओर से एक-दूसरे के मूल हितों के लिए मजबूत और अटूट समर्थन जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए क्षेत्रीय और वैश्विक वातावरण के बीच दोनों पक्षों के बीच घनिष्ठ समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया।पाक सेना की मीडिया विंग ने बताया है कि तुर्की के रक्षा मंत्री यासर गुलेर ने भारत के साथ चार दिन के संघर्ष में एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू के नेतृत्व में पाकिस्तानी वायुसेना के प्रदर्शन की सराहना की है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाक एयरफोर्स ने अच्छा प्रदर्शन किया। तुर्की के मंत्रियों ने बुधवार को इस्लामाबाद स्थित वायुसेना मुख्यालय में सिद्धू से मुलाकात की।पाक विदेश मंत्री डार ने कहा कि तुर्की के साथ द्विपक्षीय व्यापार को 5 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश खनन, प्राकृतिक गैस, तेल और दुर्लभ पृथ्वी तत्वों जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। फिदान ने कहा कि तुर्की पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (टीपीएओ) और पाकिस्तान की राष्ट्रीय तेल कंपनियों के बीच अप्रैल में हस्ताक्षरित समझौता इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। तुर्की के विदेश मंत्री हाकन फिदान और राष्ट्रीय रक्षा मंत्री यासर गुलर की पीकिस्तान की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब तुर्का ने पाकिस्तान को खुले तौर पर समर्थन दिया है। इससे तुर्की और भारत के संबंधों पर भी असर हुआ है। तुर्की मीडिया में कहा गया है कि उनके मंत्रियों के इस्लामाबाद दौरे के एजेंडे में भारत-पाकिस्तान तनाव भी शामिल है।

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन जारी रहेगाःचुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- आधार, वोटर आईडी, राशन कार्ड को भी पहचान पत्र मानें

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बिहार

विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट के रिवीजन जारी रखने की अनुमति दी। अदालत ने इसे संवैधानिक जिम्मेदारी बताया। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) यानी वोटर लिस्ट रिवीजन की टाइमिंग पर सवाल उठाए। अदालत ने चुनाव आयोग से कहा कि बिहार में एसआईआर के दौरान आधार, वोटर आईडी, राशन कार्ड को भी पहचान पत्र माना जाए। बेंच के मुताबिक, 10 विपक्षी दलों के नेताओं समेत किसी भी याचिकाकर्ता ने चुनाव आयोग की इस प्रक्रिया पर अंतरिम रोक की मांग नहीं की है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं पर चुनाव आयोग से 21 जुलाई तक जवाब मांगा। अगली सुनवाई 28 जुलाई के लिए तय की। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) यानी वोटर लिस्ट रिवीजन पर अदालत में करीब 3 घंटे सुनवाई हुई। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि वोटर लिस्ट रिवीजन नियमों को दरकिनार कर किया जा रहा है। वोटर की नागरिकता जांची जा रही है। ये कानून के खिलाफ है।एंईं के खिलाफ राजद सांसद मनोज झा, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा समेत 11 लोगों ने याचिकाएं दाखिल की हैं। याचिकाकर्ता की ओर से वकील गोपाल शंकर नारायण, कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने जिरह की। चुनाव आयोग की पैरवी पूर्व अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल, राकेश द्विवेदी और मनिंदर सिंह ने की। याचिकाकर्ता के वकील- अब जबकि चुनाव कुछ ही महीनों दूर हैं, चुनाव आयोग कह रहा है कि वह पूरी मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 30 दिनों में करेगा। सुप्रीम कोर्टः एसआईआर प्रक्रिया में कोई बुराई नहीं है, लेकिन यह आगामी चुनाव से कई महीने पहले ही कर ली जानी चाहिए थी। भारत में मतदाता बनने के लिए नागरिकता की जांच करना आवश्यक है, जो संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत आता है। चुनाव आयोग जो कर रहा है, वह संविधान के तहत अनिवार्य है और इस तरह की पिछली प्रक्रिया 2003 में की गई थी। सुप्रीम कोर्टः एसआईआर के दौरान दस्तावेजों की सूची से आधार कार्ड को बाहर रखा जा रहा है। चुनाव आयोगः वोटर रिवीजन के दौरान सिर्फ आधार ही नहीं मांगा जा रहा, अन्य दस्तावेज भी मांग रहे हैं।सुप्रीम कोर्ट ने आयोग की ओर से पेश वकील राकेश द्विवेदी से कहा, 'हम आपकी नीयत पर संदेह नहीं कर रहे, लेकिन धारणा भी मायने रखती है। हम आपको रोकना नहीं चाहते, क्योंकि यह संवैधानिक दायित्व है।' द्विवेदी ने बताया कि अब तक 60फीसदी मतदाताओं ने अपनी जानकारी सत्यापित कर ली है। अदालत को आश्वस्त किया कि किसी भी मतदाता का नाम सुनवाई किए बिना मतदाता सूची से नहीं हटाया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'हम एक संवैधानिक संस्था को वह करने से नहीं रोक सकते जो उसका दायित्व है। लेकिन साथ ही हम यह भी नहीं होने देंगे कि वह ऐसा कुछ करे जो उसका दायित्व नहीं है।'चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को भरोसा दिलाया कि किसी भी वोटर को वोटर लिस्ट से बाहर नहीं किया जाएगा। मामले में अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी।बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन जारी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को चुनाव आयोग की वोटर लिस्ट रिवीजन की प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा है कि रिवीजन की प्रक्रिया में आधार कार्ड, वोटर आईडी और राशन कार्ड को भी पहचान पत्र माना जाए। अभी ये दस्तावेज चुनाव आयोग स्वीकार नहीं कर रहा था।सुनवाई के दौरान जस्टिस धूलिया ने कहा, 'समस्या आपकी प्रक्रिया में नहीं है। समस्या आपके टाइमिंग की है। क्योंकि जिन लोगों को सूची से हटाया जा सकता है, उनके पास इसके अपील करने का समय नहीं होगा।

पीरियड्स की जांच के लिए कपड़े उतरवाए,महाराष्ट्र के स्कूल में 5वीं से 10वीं तक की बच्चियों के साथ हरकत, प्रिंसिपल हिरासत में

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस ने ठाणे के एक प्राइवेट स्कूल में कक्षा 5 से 10 तक की बच्चियों के कपड़े उतरवाकर चेकिंग की गई। बच्चियों ने अपने पेरेंट्स को बताया कि स्कूल के टॉयलेट में खून के धब्बे मिले थे। जिसके बाद सभी लड़कियों को कन्वेंशन हॉल में बुलाया गया और प्रोजेक्टर पर इसकी तस्वीरें दिखाई गईं। इसके बाद लड़कियों से पूछा गया कि किस-किस को अभी पीरियड्स हो रहे हैं। जिन लड़कियों ने हां में जवाब दिया, उनकी उंगलियों के निशान लिए गए। जिन लड़कियों ने न में जवाब दिया, उन्हें बारी-बारी से टॉयलेट में ले जाकर एक एक के कपड़े उतरवाकर प्राइवेट पार्ट्स की जांच की गई। पेरेंट्स की शिकायत के बाद पुलिस ने प्रिंसिपल को हिरासत में ले लिया है।जब बच्चियों ने ये बात घर जाकर पेरेंट्स को बताई तो पेरेंट्स स्कूल के बाहर जमा हो गए और हंगामा किया। वे प्रिंसिपल की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। पुलिस ने स्कूल पहुंचकर प्रिंसिपल को हिरासत में ले लिया है और शहापुर पुलिस स्टेशन ले गई है।स्कूल की तरफ से वकील अभय पितळे स्कूल पहुंचे थे, लेकिन अभिभावकों ने उन्हें स्कूल से बाहर निकाल दिया। अभिभावकों ने वकील को घेर लिया और उनकी पिटाई करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की सतर्कता से वे बच गए। पुलिस ने प्रिंसिपल को हिरासत में लेकर मामला दर्ज करने की प्रक्रिया

शुरू कर दी है। पुलिस आगे की जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की बात कह रही है। पिछले साल मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन के तहत आने वाले डिपार्टमेंट ऑफ स्कूल एजुकेशन एंड लिटरेसी ने बोर्ड एग्जाम के दौरान स्कूलों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि 10वीं और 12वीं बोर्ड एग्जाम्स के दौरान जिन गर्ल्स स्टूडेंट्स को पीरियड्स हों उनके लिए फ्री सैनेटरी नैपकिन रखे जाने चाहिए। इसके अलावा, एग्जाम के दौरान उन्हें जरूरत पड़ने पर ब्रेक मिलना चाहिए और एग्जामिनेशन सेंटर्स पर रेस्टरूम होने चाहिए।2019 के ळच्छ्ईं के सर्वे में पाया गया कि देश में हर साल 2.3 करोड़ लड़कियां पीरियड्स शुरू होते ही स्कूल छोड़ देती हैं। यही वजह है कि हर साल 10 करोड़ लड़कियों की शादी कच्ची उम्र में कर दी जाती है। जबकि इस उम्र में करीब 54 प्रतिशत लड़कियां एनीमिक होती हैं। इनमें छोटे शहरों और गांवों में रहने वाली लड़कियों की संख्या ज्यादा है।

आलोक नाथ हुए 69के,पहली फिल्म के लिए रु100 मांगे मिले रु20,000,रेप के आरोप से करियर डूबा

मुंबई। आलोक नाथ बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री का वो चेहरा हैं जिन्हें लोग उनके नाम से कम, उनके किरदारों से ज्यादा जानते हैं। आलोक नाथ ने 'मैंने प्यार किया', 'हम आपके हैं कौन' और विवाह जैसी फिल्मों में काम किया। वो कई पॉपुलर टीवी सीरियल्स में भी दिखाई दिए। हालांकि 'संस्कारी बाबूजी' की छवि वाले आलोक नाथ का नाम विवादों में भी आया। आलोक नाथ का जन्म 10 जुलाई 1956 को हुआ था। उनके पिता डॉक्टर थे। वो चाहते थे कि आलोक भी डॉक्टर बनें, लेकिन जब उन्होंने कॉलेज में साइंस छोड़कर आर्ट्स लिया, तब माता-पिता ने एक्टर बनने का फैसला उन पर छोड़ दिया।दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के समय आलोक ने थिएटर करना शुरू किया। बाद में उन्होंने दिल्ली के नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में एक्टिंग सीखी। पढ़ाई के दौरान और छुट्टियों में भी वे लगातार थिएटर और टीवी करते रहे।जब आलोक नाथ एनएसडी में पढ़ाई के आखिरी साल में थे, तब 1980 में फिल्म 'गांधी' की टीम दिल्ली ऑडिशन लेने आई। टीम फिल्म में एक छोटे रोल के लिए एक्टर ढूंढ रही थी।आलोक नाथ ने बताया था कि जब वे होटल अशोक में डायरेक्टर एटनबरो से मिलने गए तो बहुत घबराए हुए थे। हालांकि उन्हें फिल्म में काम मिला और उन्होंने तैयब मोहम्मद का रोल प्ले किया। आलोक ने कहा था कि शायद उनका क्रांतिकारी और भूखा थिएटर आर्टिस्ट जैसा लुक इस रोल के लिए ठीक लगा। द बिग इंडियन पिक्चर को दिए इंटरव्यू में आलोक नाथ ने बताया था कि जब 'गांधी' में काम करने के बदले उन्हें 20 हजार रुपए फीस मिली तो इतने पैसे देखकर वह हैरान रह गए थे।आलोक नाथ ने कहा था, 'थिएटर करने के दौरान मुझे एक नाटक के लिए 10 दिन रिहर्सल करके 60 रुपए मिलते थे। इसलिए जब 'गांधी' के लिए मेहनताने की बात हुई तो मैंने मेकर्स से 100 रुपए मांगे तो उन्होंने कहा- 20 चलेगा? मेरे तो होश उड़ गए। मैं 60 रुपए पाने की सोच रहा था कि 20 हजार रुपए? तभी मेकर्स ने मुझसे कहा कि 20 हजार में डील डन करते हैं। इतना बड़ा अमाउंट सुन मैं भी हक्का-बक्का रह गया था।' 'गांधी' के बाद आलोक नाथ ने 'मैंने प्यार किया', 'हम आपके हैं कौन..!', 'हम साथ साथ हैं', 'विवाह', 'परदेस', 'ताल', 'अग्निपथ', 'कामाग्नि', 'किल दिल', 'दे दे प्यार दे', 'सोनू के टीटू की स्वीटी', मुजरा', 'टैंगो चार्ली', 'मेरे यार की शादी है', 'मैं जिंदा हूं', 'सारांश', 'हाहाकार', 'एक विवाह ऐसा भी', 'बोल राधा बोल' और 'तिरंगा' जैसी फिल्मों में काम किया।फिल्मों के साथ-साथ आलोक नाथ ने कई टीवी सीरियल्स में भी काम किया। उनका टेलीविजन करियर 1980 में शो 'रिश्ते-नाते' से शुरू हुआ। हालांकि उन्हें पहचान 1986 में 'बुनियाद' नाम के धारावाहिक से मिली। यह शो उस समय बहुत चर्चित हुआ। वहीं, वो 'बुनियाद' के अलावा 'रिश्ते', 'तारा', 'बसेरा', 'सपना बाबुल का...बिदाई', 'यहां मैं घर घर खेली', 'ये रिश्ता क्या कहलाता है', 'तलाश', 'दाने अनार के' और 'कभी कभी (तितलियां)' जैसे सीरियल्स में दिखाई दिए।'गांधी' में काम करने के बाद आलोक मुंबई आ गए, लेकिन वहां उनको काफी संघर्ष करना पड़ा। शुरुआती दिनों में उन्होंने 'मशाल' और 'सारांश' जैसी फिल्मों में छोटे रोल किए। बता दें कि फिल्म 'सारांश' में 'बी प्रधान' के रोल को लेकर आलोक नाथ को बुलाया गया था। हालांकि फिल्म में वो रोल अनुपम खेर ने प्ले किया। आलोक नाथ ने बताया था कि वो 'संध्या छाया' नामक एक नाटक कर रहे थे। यह नाटक एक ऐसे बुजुर्ग कपल की कहानी थी, जिनके बच्चे विदेश में बस चुके थे और अब वे अकेले रहते थे। इस नाटक में आलोक नाथ ने एक बुजुर्ग व्यक्ति की भूमिका निभाई थी। उन्हीं दिनों राज बब्बर राजश्री प्रोडक्शन की किसी फिल्म में काम कर रहे थे। उन्होंने नाटक देखा और अगले ही दिन आलोक नाथ को संदेश भिजवाया कि वे उन्हें तुरंत कॉल करें। जिसके बाद आलोक राजश्री प्रोडक्शन के दफ्तर पहुंचे। जब वे दफ्तर पहुंचे तो उन्हें राजकुमार बड़जात्या के कमरे में भेजा गया। उन्होंने अपना परिचय दिया, लेकिन वो उन्हें पहचान ही नहीं पाए। थोड़े झुंझलाते हुए आलोक ने कहा था कि वे वही एक्टर हैं, जिन्होंने 'संध्या छाया' में बुजुर्ग का रोल किया था। बड़जात्या चौंक कर बोले, 'लेकिन वो तो बूढ़ा आदमी था!' आलोक नाथ ने जवाब दिया- 'जी, पर मैं 25 साल का हूं, सिर्फ भूमिका निभा रहा था।' राजकुमार बड़जात्या ने आलोक नाथ की तारीफ की, पर अफसोस जताया कि वह रोल ('बी प्रधान' का रोल) उन्हें नहीं मिल सकता क्योंकि उन्हें सचमुच का बुजुर्ग चाहिए था। वह रोल अनुपम खेर को मिला। आलोक नाथ को सिर्फ एक पंडित का छोटा रोल दिया गया। हालांकि इसके बाद उन्होंने राजश्री प्रोडक्शन की कई फिल्मों में काम किया।आलोक नाथ को फिल्म 'मैंने प्यार किया' से बड़ी पहचान मिली। इसमें उन्होंने भाग्यश्री के पिता का रोल निभाया था। इस किरदार के बाद वह 'बाबूजी' के रोल के लिए मशहूर हो गए। 1990 में आलोक नाथ ने फिल्म 'अग्निपथ' में अभिनेता अमिताभ बच्चन के पिता का रोल किया। उस समय आलोक नाथ 34 साल के थे और अमिताभ बच्चन 48 साल के थे। न्यूज 18 की रिपोर्ट के अनुसार, आलोक नाथ और एक्ट्रेस नीना गुप्ता का अफेयर था। दोनों की मुलाकात शो 'बुनियाद' के सेट पर हुई थी। दोनों ने करीब 8 साल तक एक-दूसरे को डेट किया, लेकिन आलोक के पिता इस रिश्ते के खिलाफ थे, इसलिए यह रिश्ता आगे नहीं बढ़ सका। आलोक ने 1987 में आशु सिंह नाथ से शादी की थी। दिसंबर 2013 में आलोक नाथ पर बने जोक्स और मीम सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे। 4 जनवरी 2014 को ट्विटर पर 'द क्यूरियस केस ऑफ आलोक नाथ' नाम से यह ट्रेंड काफी चर्चा में रहा। उन्होंने इन मीम्स पर कहा था, 'मुझे इनमें से ज्यादातर जोक्स अच्छे लगते हैं।' स्पॉटबॉय की रिपोर्ट के अनुसार, एक बार आलोक नाथ दुबई शो के लिए गए थे। लौटते वक्त, एयरपोर्ट जाने से पहले ही आलोक नाथ ने खूब शराब पी ली थी। फ्लाइट में तकनीकी वजह से देरी हुई तो आलोक का नशा और चढ़ गया। अचानक वे अपनी सीट से उठे और एक पायलट को जोर से थप्पड़ मार दिया। सभी यात्री और क्रू हैरान रह गए। पुलिस बुला ली गई और आलोक को फ्लाइट से उतार दिया गया। अक्टूबर 2018 में भारत के मी टू मूवमेंट के दौरान भी आलोक नाथ पर गंभीर आरोप लगे। टीवी लेखक और प्रोड्यूसर विंता नंदा ने उन पर रेप का आरोप लगाया।इसके बाद कई अन्य महिलाओं ने भी आलोक नाथ के व्यवहार पर सवाल उठाए। संध्या मृदुल ने लिखा था कि अपने करियर की शुरुआत में एक टेलीफिल्म की शूटिंग के दौरान आलोक नाथ उनके ऑन-स्क्रीन पिता थे। शुरुआत में वे उनकी तारीफ करते रहे। एक रात डिनर के दौरान वह नशे में उन्हें अपने पास बैठने के लिए मजबूर करने लगे।संध्या ने दरवाजा बंद करने की कोशिश की, लेकिन आलोक अंदर घुस गए और चिल्लाने लगे - 'मैं तुम्हें चाहता हूं, तुम मेरी हो।' संध्या किसी तरह बचकर भागीं और लॉबी में गईं। इसके बाद भी उनका उत्पीड़न रुका नहीं। आलोक हर रात शराब पीकर उनके कमरे में कॉल करते और दस्तक देते। डर के कारण संध्या ने हेयर ड्रेसर को अपने कमरे में शिफ्ट करवा लिया। तनाव और डर की वजह से वह बीमार पड़ गईं और शूटिंग नहीं कर सकीं।एक दिन आलोक नाथ माफी मांगने आए। उन्होंने कहा कि वह शराबी हैं, सब कुछ बर्बाद कर चुके हैं और वह उन्हें अपनी बेटी की तरह मानते हैं। उन्होंने थेरेपी कराने का वादा किया। संध्या ने बताया था कि वह टूट चुकी थीं, लेकिन काम करना पड़ा। सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में हिमानी शिवपुरी ने कहा था, 'एनएसडी के एक वाकये को छोड़कर मुझे कभी उनसे परेशानी नहीं हुई, लेकिन लोगों से सुनती थी कि शराब पीने के बाद वह बदल जाते थे।' हिमानी ने कहा, 'मैंने उनके साथ बहुत काम किया। जब वह नहीं पीते थे तो बहुत संस्कारी लगते थे। उनकी पर्सनैलिटी जैकिल और हाइड जैसी थी।' दीपिका अमीन ने ट्वीट कर लिखा था, 'इंडस्ट्री में हर कोई जानता है कि आलोक नाथ एक घिनौना शराबी है जो महिलाओं को परेशान करता है। सालों पहले एक टेलीफिल्म की आउटडोर शूटिंग के दौरान उसने मेरे कमरे में घुसने की कोशिश की। वह नशे में महिलाओं पर गिरता था और हंगामा करता था। यूनिट के लोगों ने मुझे घेरकर मेरी सुरक्षा सुनिश्चित की। मी-टू 'विंता नंदा के मामले में अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने आलोक नाथ को 5 लाख रुपए के मुचलके पर अग्रिम जमानत दी थी। जनवरी 2019 में इस मामले में अग्रिम जमानत मिलने के बाद आलोकनाथ ने कहा था, 'माननीय कोर्ट और मेरे वकीलों ने मुझे अभी पूरी तरह से चुप रहने की सलाह दी है। वास्तव में, मैं पूरे समय शांत रहा हूं। हो सकता है, कुछ शब्द मेरे मुंह से गुस्से में निकल गए हों। अन्यथा, मैं तीन महीने पूरी तरह शांत रहा हूं। मेरे लिए फिलहाल कोई टिप्पणी करना सही नहीं है, लेकिन हां, हमें अग्रिम जमानत मिल गई है और हम इसके लिए बहुत आभारी हैं।'सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन ने आलोक के असहयोग के कारण उन्हें संगठन से निकाल दिया था। मुंबई एकेडमी ऑफ मूविंग इमेज ने भी उनकी फिल्मों को अपने फेस्टिवल से हटा दिया था।

'स्कूल के दिनों में 'मालिक' की तरह निर्भीक था':राजकुमार राव ने कहा- किरदार में ढलना सबसे मुश्किल; मानुषी बोलीं- कैरेक्टर को घर लेकर नहीं जाती

मुंबई। राजकुमार राव फिल्म 'मालिक' के जरिए जल्द ही एक नए अवतार में नजर आने वाले हैं। ये पहली बार होगा, जब वो गैंगस्टर के रोल में दिखेंगे। साथ ही, पर्दे पर एक्शन करते नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके अपोजिट पूर्व मिस वर्ल्ड और एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर नजर आने वाली हैं। मानुषी के लिए भी ये फिल्म अब तक उनके किए गए फिल्मों से अलग है। इस फिल्म में वो डी ग्लैम लुक में ऑडियंस के सामने आने वाली हैं। इसका प्रोसेस बाकी फिल्मों से अलग था। किरदार के लिए फिजिकल अपीयरेंस चेंज करना था। इसके अलावा इस किरदार के अंदर जो पावर थी, उसे शूट खत्म करने तक अपने अंदर बरकरार रखना था। मालिक बहुत दबंग और निर्भीक आदमी है। वो दुनिया में किसी से नहीं डरता है। उस भावना को अपने अंदर बनाए रखना, ये मेरा प्रोसेस था। हर पल किरदार के कोर को पकड़कर चलना था। ये वो इंसान है, जो अपने नियम खुद बनाता है। उसे जो फॉलो करना है करता है और नहीं मन होता तो नहीं करता है। हमारे बीच बस एक ही समानता है। जैसे मालिक अपनी पत्नी शालिनी को बहुत प्यार करता है। मैं भी अपनी वाइफ पत्रलेखा से बहुत मोहब्बत करता हूं। इसके लिए अलावा मैं निर्भय हूं। स्कूल के दिनों में तो काफी निर्भीक था। लेकिन जब लगा कि एक्टर बनना है, फिर लाइफ में थोड़ा फोकस करना पड़ा। मैं ये किरदार करना चाहती थी। बहुत कम रोल होते हैं, जो लड़कियों के हिसाब से लिख जाते हैं। बतौर एक्टर मुझे खुद को साबित करना था। मुझे अपने आपको चैलेंज देना था। मैं जानती थी कि मालिक का मेरा किरदार मुझे मेरी मंजिल तक ले जाएगा। पुलकित एक बहुत अच्छे डायरेक्टर हैं। उन्होंने फिल्म को बहुत क्लैरिटी के साथ लिखी है, जो आपको पढ़ के समझ आती है। इस फिल्म से जितने लोग जुड़े हैं, मैं उनके साथ काम भी करना चाहती थी। कहीं न कहीं अंदर से मेरी चाहत थी कि मैं इस फिल्म को करूं और सौभाग्य से उन्होंने मुझे ही चुना। मैं जब इस रोल के लिए तैयारी कर रही थी, तब मैंने डायरेक्टर के साथ काफी समय बिताया। हम साथ बैठकर इस रोल की तैयारी करते थे। हमारा फोकस किरदार पर होता था कि ये क्या और क्यों कर रहा है? मैंने अपनी तैयारी शालिनी के रोल पर फोकस करके किया। जैसा कि आपने कहा कि गैंगस्टर की कहानी है तो पुरुषों की एक दुनिया बन जाती है। ऐसे में मेरा फोकस उस दुनिया को छोड़, मेरा कैरेक्टर क्या और क्यों कर रहा है? उसका बाकी किरदारों के साथ क्या संबंध हैं, इस पर रहा। और फिर जब आप सेट पर जाते हैं, तो बाकियों के साथ ऑटोमैटिक तालमेल बन जाता है।मानुषी- हरियाणवी में हमसे सबसे ज्यादा पुलकित ने बातचीत की है। राजकुमार टैलेंटेड, अच्छे और एक प्रोफेशनल एक्टर हैं, ये बात मैं पहले से जानती थी। इनके साथ काम करके मुझे बहुत मजा आया। मैं इनके साथ और काम करना चाहूंगी। बतौर को एक्टर आप इनसे बहुत कुछ सीखते हैं। सेट पर काफी मदद करते हैं। मुझे इनकी एक बात बेहद पसंद आई कि अगर इन्हें लगता है कि इनके कुछ करने से मेरा परफॉर्मेंस बेहतर होगा तो वो बिना पूछे मदद करते हैं।इनका ये बिहेवियर सिर्फ मेरे साथ नहीं था। डायरेक्टर, तकनीशियन सबकी हेल्प करते हैं। जब आपको शूटिंग में मजा आता है फिर उसका असर स्क्रीन पर आपके परफॉर्मेंस और प्रोडक्ट में भी दिखता है। कई बार हम सिर्फ अपनी परफॉर्मेंस पर फोकस करते हैं। लेकिन मैंने राजकुमार से सीखा कि ये एक टीम वर्क होता है। हमें सलाह लेने या देने में झिझकना नहीं चाहिए।राजकुमार- नहीं, किसी को दिखाने या बताने के लिए तो कभी कुछ नहीं किया है। ऐसा कोई मौका भी नहीं आया कि बोलना पड़ा हो कि एक दिन तू देखना। मैंने एक्टिंग कभी किसी को प्रूव करने के लिए नहीं किया था। मुझे इस आर्ट फॉर्म से प्यार हो गया था। थियेटर करना शुरू किया था। बचपन में ही फिल्मों से मोहब्बत हो गई थी। उसी वक्त तय कर लिया था कि बड़े होकर मुझे भी यही करना है। एक्टिंग में आने के लिए जो भी किया, वो खुद के लिए ही था। मैंने अपनी खुशी के लिए एक्टिंग चुना था। मानुषी- फिल्म का ये जो डायलॉग है, बड़ा यूनिवर्सल है। इस डायलॉग के पीछे, जो विचार है, वो हमेशा से अंदर रहा है। ऐसा नहीं है कि मुझे किसी से स्पेशली कहा। जिस तरह से मेरी परवरिश ऐसी हुई है, मुझे हमेशा सिखाया गया कि आप लाइफ में जो भी करना चाहती हैं, वो कर सकती हैं। मुझे कभी जरूरत नहीं पड़ी कि मैं किसी को साबित करूं, या कहूं कि देखो मैं करके दिखाऊंगी। ये मेरी लाइफ है। अगर मैंने किसी को प्रूव करने के लिए फैसला लिया तो वो मेरी नहीं, उनकी लाइफ हो जाएगी। मैंने जो भी फैसला किया, अपने लिए ही लिया है। एक्टर बनने के बाद भी अगर मैं कुछ प्रूव करना चाहती हूं तो खुद को करना चाहती हूं।राजकुमार- मेरे लिए किरदार से निकलना उतना मुश्किल नहीं होता, जितना उसे समझना और उसमें जाने में होता है। किरदार से निकलना तो आसान होता है। एक बार जब आप फिजिकल अपीयरेंस या उस दुनिया से निकल जाते हैं, फिर निकलने में आसानी होती है। इस रोल को निभाने में मेरे लिए चैलेंजिंग था कि कैसे मैं इसे ह्यूमन रख पाऊं। मेरे किरदार में स्वैग,स्टाइल है। बहुत सारा एक्शन है। डायलॉग बाजी भी अच्छी है। इन सबके बाद, जब लोग उसे देखें तो उन्हें इस किरदार पर यकीन हो। उन्हें यकीन हो कि असल में ऐसा इंसान हो सकता है। मेरी कोशिश थी कि मैं इस किरदार को इतना ह्यूमन बना पाऊं कि जब वो गुस्सा हो तो ऑडियंस को लगे कि वो सच में गुस्सा हो रहा है। जब वो रोये तो आप भी उसके साथ रोएं। उसकी खुशी में आप खुश हों। बस यही चैलेंज था। मानुषी- शुरुआत में इस रोल के लिए एफर्ट लगाना मेरे लिए चैलेंजिंग रहा। रोल समझने के बाद एक समय ऐसा आता है कि आप किरदार की तरह जीने लगते हैं। लेकिन शुरुआत में हर चीज के लिए एफर्ट लगाना होता है। आप एक्टिंग कर रहे हैं, ये स्क्रीन पर दिखना नहीं चाहिए। शूट के दौरान कभी छुट्टी हुई तो मैं घर जाती थी। इस दौरान मैं काम के बारे में सोचती हूं। नया क्या कर सकती हूं, इसके बारे में सोचती हूं लेकिन किरदार लेकर घर नहीं जाती थी। मेरे साथ ऐसा कभी नहीं हुआ कि किरदार का इमोशन लेकर घर गई हूं।मैं हमेशा ग्लैमरस दिखूंगी, ऐसी फीलिंग मेरे अंदर कभी नहीं थी। बाद में कहीं ना हीं आदत हो जाती कि जब आप कैमरे के सामने हैं तो एक अलग रूप में होते हैं। इस फिल्म में हमारे डायरेक्टर ने मेरे डी ग्लैम लुक को और ज्यादा डी ग्लैम कर दिया। मुझे अब तक लगता था कि मेरे अंदर डी ग्लैम लुक को लेकर कोई झिझक नहीं है लेकिन एक दिन मैंने इस पर रिएक्ट किया। मैंने डायरेक्टर से पूछा कि क्या ऑडियंस ऐसे एक्सेप्ट कर लेगी? उन्होंने मुझे समझाया कि अगर मैं ऐसी नहीं दिखूंगी तो मैं मालिक की दुनिया का हिस्सा नहीं लगूंगी। इस फिल्म के सेट पर मुझे काम करने में इसलिए मजा आया क्योंकि मैं सिर्फ कैरेक्टर की लाइफ जी रही थी। मैं लुक के बारे में ज्यादा सोच नहीं रही थी।देखिए, फिल्म वाला मालिक बनने के फायदे ये हैं कि आपको किसी की सुननी नहीं पड़ेगी। हर तरफ आपका राज है। हालांकि, इसमें रिस्क भी बहुत है। बतौर मालिक कहूंगा कि बहुत ही निर्भीक जीवन होता है। बतौर राजकुमार मैं कहूंगा कि आप ऐसा बिल्कुल ना करें।मानुषी, इतने पावरफुल इंसान की बीवी होने के क्या फायदे हैं? अगर लोग उनसे डरेंगे तो आपसे भी डरेंगे। जैसा कि राजकुमार ने कहा कि इसमें रिस्क बहुत ज्यादा है, तो मैं कभी नहीं चाहूंगी कि मुझे ऐसा पार्टनर मिले। अगर आपके पार्टनर की लाइफ में इतना रिस्क और हेडेक होगा तो वो चीजें घर तक भी आती हैं। राजकुमार, शूटिंग के दौरान सेट पर कैसा माहौल था? जब बहुत ज्यादा ड्रमैटिक सीन होता था तो सेट पर सब फोकस्ड होते थे। वरना ऑफ स्क्रीन सेट का माहौल बहुत लाइट होता था। दो महीने हम सब परिवार की तरह एक साथ रहे। जब भी लेट शूट होना होता या ऑफ होता था, तब हम सब साथ बैठते थे। हम सब साथ में खाना खाते और हंसते-बोलते थे।राजकुमार- मेरे ख्याल से आखिरी दिन सबसे मुश्किल होता है। जब आप अच्छी फिल्म करते थे, तब आखिरी दिन बहुत मुश्किल होता है। हम सबने साथ मिलकर कुछ बनाया है और अब उससे दूर जाना है। ऐसे में वो दिन बहुत इमोशनल होता है। मानुषी- मैं भी राजकुमार की बात से सहमत हूं। क्योंकि हम सबके साथ एक जर्नी जी रहे होते हैं। दूसरा कि इस फिल्म की शूटिंग के लिए हम मुंबई में भी नहीं थे। हम सब लखनऊ में शूट कर रहे थे। ऐसे में एक-दूसरे की आदत हो जाती है। रोज सुबह उठो और सेट पर जाओ, सबसे मिलो। आखिरी दिन थोड़ा तो बुरा लगता है।

'4 साल बाद' में दिखेगी श्रीदेवी-यश की लव स्टोरी:शहाना गोस्वामी बोलीं- 30 की उम्र में रोमांटिक किरदार निभाया, अक्षय ने कहा- एक्टिंग करना मुश्किल था

मुंबई। इंडो-ऑस्ट्रेलियन सीरीज 'फोर इयर्स लेटर' का प्रीमियर 11 जुलाई को लायंसगेट प्ले पर होने जा रहा है। इससे पहले यह शो ऑस्ट्रेलिया के एसबीएस नेटवर्क और कनाडा में टेलीकास्ट हो चुका है। शहाना ने बताया कि 30 साल की उम्र में रोमांटिक किरदार निभाने का मौका मिला है। वहीं, अक्षय ने कहा कि किरदार ऐसा था कि उसके फीलिंग्स को अंदर से महसूस करने की जरूरत थी। 'फोर इयर्स लेटर' यानी की 'चार साल बाद' की कहानी जयपुर से शुरू होती है। यश डॉक्टर बनना चाहता है। घरवाले उसकी अरेंज मैरिज कर देते हैं, इसी बीच उसे ऑस्ट्रेलिया में इंटर्नशिप ऑफर होती है। उसकी पत्नी श्रीदेवी भारत में रह जाती है। उसे चार साल तक अपने पति का इंतजार करना पड़ता है। सीरीज में यश की भूमिका निभा रहे एक्टर अक्षय अजीत सिंह कहते हैं- यह किरदार मेरे लिए बहुत नया है। यश बहुत ही प्यारा और मेहनती लड़का है। अपने परिवार के लिए कुछ करना चाहता है। ताकी अपने परिवार को अच्छा भविष्य दे सके। परिवार के लिए अपने प्यार और बीवी को छोड़कर ऑस्ट्रेलिया में चला जाता है।सीरीज में श्रीदेवी की भूमिका निभा रही एक्ट्रेस शहाना गोस्वामी कहती हैं- सबसे बड़ी बात यह है कि 30 साल की उम्र में रोमांटिक किरदार निभाने का मौका मिला है। हालांकि इस किरदार को निभाने से थोड़ा हिचक रही थी, क्योंकि 19 साल की उम्र में भी मेरा ऐसा एसेंस नहीं था, लेकिन किरदार को बहुत ही ईमानदारी के साथ लिखा गया है। यह ऐसा किरदार है जिसकी पर्सनालिटी मुझसे बहुत मिलती जुलती है। अपनी पर्सनालिटी सिर्फ एक ही फिल्म 'तू है मेरा संडे' में दिखाने का मौका मिला है।

फिल्म 'प्यार तो हमेशा रहेगा' की शूटिंग त्रिवेणी घाट पे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। साइन वेयर प्रोडक्शन बैनर तले बन रही हिंदी फीचर फिल्म प्यार तो हमेशा रहेगा के टाइटल सॉन्ग प्यार तो हमेशा रहेगा की शूटिंग दो दिवसीय देहरादून ऋषिकेश में चल रही है इसमें मुख्य कलाकार शोएब राणा आरती पाल और सहायक कलाकार पंकज सीवॉच हरेंद्र डबास और डायरेक्टर प्रवीण कुमार मौजूद रहे फिल्म में टाइटल सॉन्ग के गायक अंकित सिंहाऔर लेखक अवनीश राही अलीगढ़ से हैं फिल्म की शूटिंग ऋषिकेश में राम झूला गोवा बीच और त्रिवेणी घाट गंगा के किनारे हुई हरिद्वार में बैरागी कैंप चंडीगढ़ दाम कोठी और आसपास के क्षेत्र में हुई पब्लिक ने शूटिंग का पूरा मनोरंजन लिया और अच्छी खासी वीडियो का मौका उठाया फिल्म बहुत जल्दी सिनेमाघर में आने की संभावना है शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है अब फिल्म की डबिंग एडिटिंग और बैकग्राउंड म्यूजिक पर काम होगा

'कहो ना प्यार है' की सक्सेस एन्जॉय नहीं कर पाए,सुनैना रोशन बोलीं- पापा ने बहुत अच्छी फिल्म बनाई थी, हमने उनका संघर्ष देखा है

मुंबई। फिल्म मेकर राकेश रोशन की बेटी सुनैना रोशन कई जानलेवा बीमारियों को हराकर अब डिसिप्लिन लाइफ स्टाइल से लोगों इंस्पायर कर रही हैं। उन्होंने बताया कि ऋतिक की डेब्यू फिल्म 'कहो ना प्यार है' बड़ी हिट फिल्म साबित हुई थी। फिर भी उनकी फैमिली फिल्म की सक्सेस को एन्जॉय नहीं कर पाई। इसके अलावा सुनैना ने अपने पेरेंट्स और फिल्म से जुड़ी तमाम बातें शेयर कीं। पेश है उनमें से कुछ खास अंश- सवाल जवाब के माध्यम से सवाल- बचपन की डैड की फिल्मों की सेट की कुछ यादें हैं। सवाल- बचपन की ऐसी तो कोई खास यादें नहीं है। हमलोग शूटिंग पर ऐसे ही मस्ती के लिए जाते थे। इसी बहाने पापा से मिलना हो जाता था। सवाल- आपके परिवार में सभी लीजेंड्स हैं। आपने कभी नहीं सोचा कि किसी क्षेत्र में आपको भी किस्मत आजमानी चाहिए? जवाब- मैंने कभी ऐसा सोचा नहीं। अभी भी नहीं सोचती हूं और ना ही कभी आगे इस बारे में सोचूंगी। मुझे पता था कि डायरेक्शन, एक्टिंग और म्यूजिक डायरेक्शन की फील्ड में नहीं जाना है।सवाल- लेकिन आप को-प्रोड्यूसर रही हैं? जवाब- मैं 2006 तक बहुत पार्टी करती थी। उसे छोड़कर अपनी लाइफ में कुछ करना चाहती थी। मैंने पापा से कहा कि ऑफिस आ रही हूं। उनको लगा कि मैंने ऐसे ही बोल दिया होगा, लेकिन मैं काम को लेकर सीरियस थी। मैंने ऑफिस में सभी को बोल दिया कि कोई मुझे राकेश रोशन की बेटी की तरह ट्रीट ना करें। क्रेजी 4 में को- प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़ी। कृष 3 में असिस्टेंट डायरेक्टर भी थी। सवाल- क्रेजी 4 में शाहरुख खान का आइटम सॉन्ग भी था। सेट से जुड़ी कुछ खास यादें? जवाब- जिस समय शाहरुख खान के आइटम सॉन्ग की शूटिंग यशराज स्टूडियों में चल रही थी। उस समय मैं कैंसर से गुजर रही थी। पापा ने मुझे सेट पर आने से मना कर दिया था फिर मैं गई थी। उस समय 4-5 सर्कल कीमोथेरेपी हो चुका था। सेट पर लोगों ने बहुत ख्याल रखा। उस समय यशराज स्टूडियों में बाहर से खाना लाने के अनुमति नहीं थी। सिर्फ मुझे ही घर से खाना लाने की इजाजत थी। सवाल- शाहरुख खान से कुछ बात हो पाई थी? जवाब- सिर्फ हाय हैलो तक ही बात हुई थी। उस समय सभी लोग शूटिंग में बहुत बिजी थे। इसलिए ज्यादा किसी से बात नहीं हो पाई थी। वैसे भी यह बात 2007 की है, अब तो कुछ ज्यादा याद ही नहीं रहा। सवाल- पापा घर और सेट पर प्रोड्यूसर-डायरेक्टर के तौर पर कैसे रहते हैं? जवाब- घर पर भी बहुत अनुशासन में रहते हैं। सेट पर मेरे और पापा के बीच एक बात बहुत कॉमन है कि हमलोग प्रैंक बहुत करते हैं। पापा का वन लाइनर बहुत अच्छा है। घर और सेट पर एक जैसे ही रहते हैं, लेकिन शूटिंग के दौरान भी पापा को घर की चिंता रहती थी। हर काम में उनका दिमाग घूमता रहता है। मैं यह सोचकर हैरान रहती थी कि वो इतना सारा काम एक साथ कैसे कर लेते हैं। सवाल- ऋतिक ने बचपन में कभी बताया था कि एक्टर बनना है? जवाब- नहीं, इस बारे में तो नहीं बताया था। मैं और भाई मम्मी के बहुत करीब थे। हम दोनों मम्मी को हर छोटी सी छोटी बातें बताते थे, लेकिन ऋतिक ने यह कभी नहीं बताया कि वो ऐक्टर बनना चाहता है।सवाल- 'कहो ना प्यार है' के समय घर का कैसा माहौल था? जवाब- हम लोग शिप पर शूटिंग के लिए गए थे। जहां पर 'प्यार की कश्ती में' शूट हुआ था। जब फिल्म रिलीज हुई तब हम लोगों को लग रह था कि पापा ने बहुत अच्छी फिल्म बनाई है। हम लोग फिल्म की सक्सेस को एन्जॉय नहीं कर पाए, क्योंकि उसी समय पापा पर गोली चलाई गई थी। उसके एक हफ्ते के बाद पापा के हार्ट की ओपन सर्जरी हुई थी।सवाल- कृष 3 की शूटिंग के दौरान ऋतिक को बहुत भयंकर इंजरी भी हुई थी? जवाब- वो सिंगापुर में हुआ था। हम लोग मुंबई मे थे। मेरे डैड के लिए वह बहुत बुरा अनुभव था क्योंकि अपने बेटे को बहुत ऊंचाई से गिरते हुए देख रहे थे। ईश्वर की बहुत कृपा रही कि भाई बच गए। सवाल- आपके परिवार ने बहुत स्ट्रगल देखें हैं। आपने वह सब देखा है। कहीं ना कहीं वह ताकत देता है? जवाब- जब हम छोटे थे तब पापा का स्ट्रगल पता नहीं चलता था। आजकल के बच्चे और तभी के बच्चे में बहुत फर्क है। पापा ने कभी यह महसूस नहीं कराया कि वो कितनी मेहनत करते हैं। पापा का स्ट्रगल हमने करण-अर्जुन की फिल्म से देखा है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।